THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 358 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.6 2079 सोमवार, 13 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

2 महीने में छठी बार कर्नाटक में मोदी

कांग्रेस मेरी कब्र खोदने में व्यस्त, मैं एक्सप्रेस-वे बनाने में मस्त

बेंगलूरू, 12 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को एक बार फिर राज्य के दौरे पर मांड्या और हुबली-धारवाड़ पहुंचे। पिछले दो महीने से भी कम समय में मोदी राज्य में छठी बार आए हैं। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले कांग्रेस-जेडीएस के गढ़ मंड्या में रोड शो किया और फिर एक जनसभा को संबोधित किया।

मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस और उनके साथी मोदी की कब्र खोदने का सपना देख रहे हैं। लेकिन मोदी एक्सप्रेस-वे बनाने में मस्त है। मोदी गरीबों का जीवन आसान बनाने में व्यस्त है। कांग्रेस को पता ही नहीं है कि देश की करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद मोदी का सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है।

16 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री ने अपने इस दौरे में राज्य में 16 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं की आधारशिला रखी। इसके अलावा उन्होंने बेंगलूरू-मैसूरू एक्सप्रेस-वे (एनएच-275) जनता को समर्पित किया। यह एक्सप्रेस-वे बेंगलूरू-निदाघट्टा-मैसूर को जोड़ेगा। 118 किमी लंबा यह एक्सप्रेस-वे लगभग 8,480 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है। इसके बनने से तीन घंटे का सफर करीब 75 मिनट में पूरा हो जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे पर 8 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर, नौ बड़े पुल, 42 छोटे पुल, 64 अंडरपास, 11 ओवरपास, चार रोड-ओवर-ब्रिज और पांच बाईपास बनाए गए हैं।

मैसूरू-कुशालनगर 4-लेन हाइवे की आधारशिला रखी

इसके अलावा पीएम ने मैसूरू-कुशालनगर 4-लेन राजमार्ग की आधारशिला भी रखी। >14

वंदे भारत पर फिर से पथराव

कोलकाता, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव की एक घटना सामने आई है। इस पथराव में हाई-स्पीड ट्रेन के एक कोच की खिड़की के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। घटना शनिवार देर शाम पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का के पास की बताई जा रही है। पूर्वी रेलवे के सीपीआरओ कौशिक मित्रा ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और इसकी जांच की जाएगी।

वहीं इस घटना के बाद प्रशासन भी सतर्क हो गया है। रेलवे अधिकारी कौशिक मित्रा ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, जांच के आदेश दे दिए गए हैं और इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी। साथ ही आगे इस तरह की घटना ना हो इसको लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। बता दें कि घटना के बाद यात्रियों में भी गुस्सा देखने को मिला।

केंद्र सरकार सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने के खिलाफ

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता देने का विरोध किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक रविवार को सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने इसको लेकर हलफनामा दायर किया। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने के लिए दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई होनी है। इससे पहले केंद्र सरकार का हलफनामा बताता है कि सरकार इसके पक्ष में नहीं है।

न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी है कि केंद्र ने रविवार को कोर्ट में 56 पेज का हलफनामा दाखिल किया। इसमें कहा गया कि सेम सेक्स मैरिज भारतीय परम्परा के मुताबिक नहीं है। यह पति-पत्नी और उनसे पैदा हुए बच्चों के कॉन्सेप्ट से मेल नहीं खाती। >14

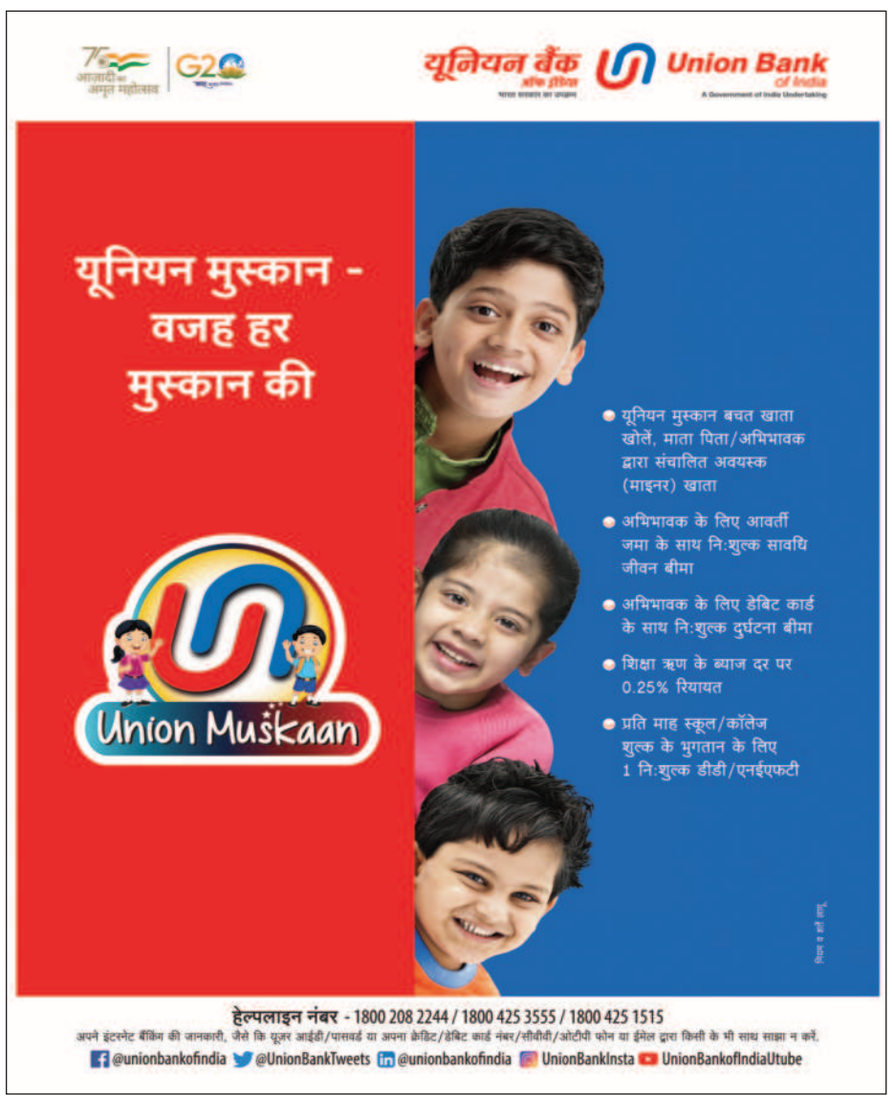

हर चुनाव में अग्निपरीक्षा देता है चुनाव आयोग

इलेक्शन कमिश्नर बोले- 400 विधानसभा और 17 लोकसभा चुनाव करा चुका, अब कर्नाटक की बारी

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार ने कहा है कि चुनाव आयोग हर इलेक्शन में अग्निपरीक्षा देता है। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड में हुए विधानसभा चुनाव के साथ ही इलेक्शन कमीशन ने 400 विधानसभा चुनाव करवाने का आंकड़ा छू लिया है। इसके अलावा आयोग 17 लोकसभा चुनाव और 16 बार राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव करवा चुका है। दरअसल, इलेक्शन कमिश्नर 3 दिन के कर्नाटक दौरे पर हैं। वे यहां विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनसे सवाल पूछा गया था कि क्या कर्नाटक के लोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकते हैं। इसके जबाव में उन्होंने ये बातें कहीं। >14

लोकसभा चुनाव से पहले आरएसएस की बड़ी मीटिंग

भागवत और जेपी नड्डा समेत टॉप लीडरशिप पहुंची, कई बड़े फैसले संभव

पानीपत, 12 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बेहद महत्वपूर्ण बैठक आज से हरियाणा में शुरू हो गई है। पानीपत के समालखा एरिया में हो रही मीटिंग में आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत समेत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंच गए हैं।

ये मीटिंग 14 मार्च तक चलेगी। वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले आरएसएस की टॉप लीडरशिप की यह आखिरी बड़ी मीटिंग हो रही है। इस लिहाज से इसमें संघ और भाजपा के बीच को-ऑर्डिनेशन का काम करने वाले कुछ चेहरे बदले जा सकते हैं। इसके अलावा आरएसएस के कुछ लोगों की जिम्मेदारियां बदलने का फैसला भी इसमें हो सकता है।

इस मीटिंग की अहमियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत 4 दिन पहले ही समालखा पहुंच गए। उन्होंने 4 दिन समालखा एरिया के पट्टीकल्याणा गांव में खासतौर पर इस मीटिंग के लिए बनाए गए सेंटर में संघ के प्रमुख चेहरों से विचार-मंत्रणा की।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की इस वार्षिक बैठक में देशभर से आरएसएस के 1400 स्वयंसेवक शामिल होंगे। इनमें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत व सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले के साथ सभी सह सरकार्यवाह, आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारिणी, क्षेत्रीय व प्रांतीय कार्यकारिणी, संघ के निर्वाचित प्रतिनिधि और सभी विभाग प्रचारकों के साथ-साथ संघ के ही 34 अलग-अलग संगठनों के चुनिंदा निमंत्रित स्वयंसेवक शामिल होंगे। >14

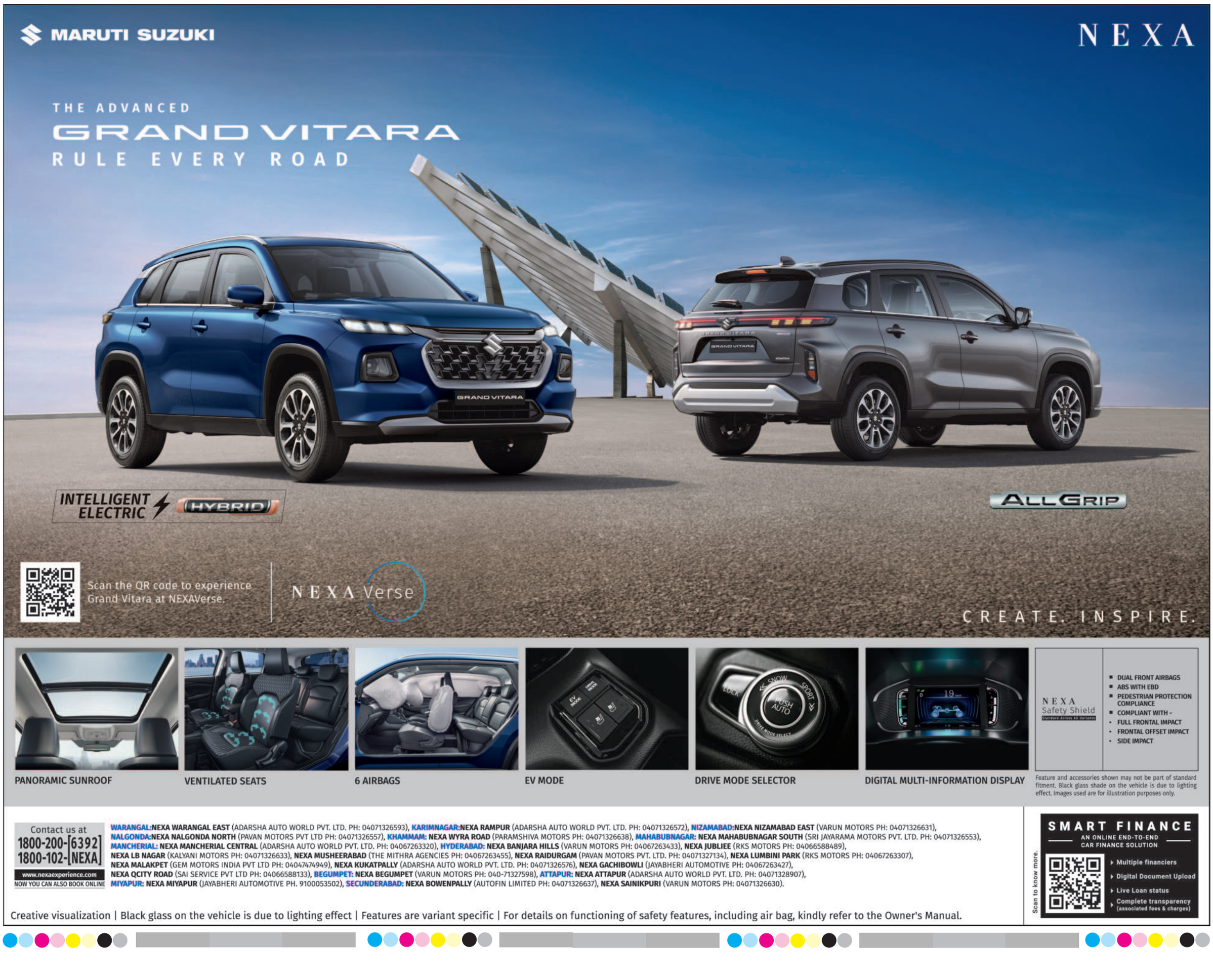

केरल के शख्स ने किडनी-लीवर बेचने के लिए लगाए पोस्टर

तिरुवनंतपुरम, 12 मार्च (एजेंसियां)। केरल का 50 साल का शख्स अपनी किडनी और लीवर बेचना चाहता है। इसके लिए उसने पोस्टर भी लगाए हैं जिस पर उसने अपना नंबर दिया है। मामला केरल के तिरुवनंतपुरम का है। किडनी और लीवर बेचने की इच्छा जताने वाला शख्स मानाकौड पुथेन रोड का रहने वाला है। उसकी पहचान संतोष कुमार के रूप में हुई है। संतोष के विज्ञापन को देखकर कई लोगों ने शुरू में सोचा कि ये सरकार को ट्रोल करने के लिए किसी तरह का मज़ाक है। बाद में पता चला कि संतोष को पैसे की जरूरत है, इसलिए उसने शरीर के महत्वपूर्ण अंग को बेचने की इच्छा जताई है।

आखिर संतोष क्यों बेचना चाहता है अपनी किडनी लीवर?

संतोष के मुताबिक, एक फल की दुकान पर बोरी उठाने के दौरान उनका एक्सीडेंट हो गया था। उसे इलाज कराना पड़ा और अब उनके पास पैसे नहीं है। उसने मानाकौड जंक्शन के पास अपनी जमीन बेचने की कोशिश की, लेकिन जमीन को लेकर उसके भाई से विवाद हो गया। संतोष के भाई ने मीडियाकर्मियों को बताया कि संपत्ति उनकी मां के नाम पर थी और अब संतोष समेत छह भाई-बहनों के नाम पर है। संतोष की पत्नी मोहल्ले में बच्चों के लिए ट्यूशन क्लास चलाती थी, लेकिन वह भी कोविड के चलते बंद हो गया जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो गई। इन दबावपूर्ण परिस्थितियों में संतोष ने महत्वपूर्ण अंगों को बेचने के लिए एक विज्ञापन देने का फैसला किया क्योंकि उन्हें लगा कि उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है।

भारत में 113 दिनों में सबसे अधिक कोविड के केस

524 संक्रमित मिले, स्वास्थ्य सचिव ने लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत में रविवार को बीते 24 घंटों में 524 नए कोविड मामले दर्ज किए, जो 113 दिनों में सबसे अधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 3,618 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है। मंत्रालय ने पिछले दिन कुल 96,170 कोविड टेस्ट किए थे। आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 5,30,781 है। जबकि रिकॉर्ड दर 98.80 फीसदी पर पहुंच गई है। कोविड संक्रमण से ठीक होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,41,56,093 हो गई है। इस बीच, मंत्रालय ने शनिवार को राज्यों को लिखे एक पत्र में कुछ राज्यों में कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिविटी रेट में वृद्धि को रेखांकित किया और इस पर सख्त कदम उठने के आदेश दिए।

सतर्क रहने की जरूरत

स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा, पिछले कुछ महीनों में कोविड-19 के मामलों में काफी कमी आई है, लेकिन कुछ राज्यों में कोविड-19 टेस्ट के पॉजिटिविटी रेट में वृद्धि एक चिंताजनक विषय बन गया है जिस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। नए मामलों की कम संख्या, अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में कमी और कोविड-19 टीकाकरण कवरेज के संदर्भ में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, अभी भी सतर्क रहने और टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट, वैक्सीनेशन पर ध्यान देने और कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य सचिव ने लिखा खत

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण सभी राज्यों को एक खत लिखते हुए उन्हें सावधान रहने को कहा है। इस पत्र में उन्होंने लिखा इन्फ्लुएंजा जैसा बीमारी और गंभीर सांस के लिए संक्रमण के रोगों से निपटने के लिए परिचालन दिशा निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है। साथ ही अस्पतालों में दवाओ, मेडिकल, ऑक्सीजन इत्यादि की तैयारियों का भी जायजा लेने का अनुरोध किया। पत्र में कहा गया है कि कोविड 19 के मामले में तेजी से कमी आई है। कुछ राज्यों में कोविड 19 टेस्ट के दौरान सकारात्मकता दर में वृद्धि चिंता का विषय है।

यात्री पर हमला करने के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी के खिलाफ मामला दर्ज

चेन्नई, 12 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ई. के. पलानीस्वामी और अन्नाद्रमुक विधायक पीआर सेंथिलनाथन के खिलाफ मदुरै हवाई अड्डे पर एक प्रदर्शनकारी यात्री पर कथित रूप से हमला करने के आरोप में पुलिस मामला दर्ज किया गया है. यात्री ने कथित तौर पर फेसबुक लाइव स्ट्रीम पर एक वीडियो साझा की थी. जिसमें उसने ईपीएस पर तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी विश्वासपात्र वीके शशिकला को धोखा देने का आरोप लगाया था. यह घटना तब हुई जब ईपीएस शिवगंगा जिले में पार्टी की बैठक में भाग लेने के लिए चेन्नई से मदुरै जा रहे थे. जब पूर्व मुख्यमंत्री एयरपोर्ट पर शटल बस में सवार हुए तो शख्स ने उनकी और उनके आसपास के सुरक्षाकर्मियों की रिकॉर्डिंग शुरू कर दी. उन्होंने ईपीएस पर शशिकला और दक्षिणी तमिलनाडु के लोगों को वन्नियार समुदाय को 10.5 प्रतिशत आरक्षण देकर धोखा देने का आरोप लगाया था. बात दें कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से अन्नाद्रमुक नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम को झटका लगा था और सुप्रीम कोर्ट ने एडप्पादी पलानीस्वामी को अंतरिम जनरल सेकेट्री बनाए रखने के फैसले को बरकरार रखा है. दरअसल उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा था.

'टायर फटना ईश्वरीय घटना नहीं, मानवीय लापरवाही'

बॉम्बे एचसी का फैसला, बीमा कंपनी को अब देना होगा 1.25 करोड़

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक कार दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के परिवार को मुआवजे के खिलाफ एक बीमा कंपनी की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि टायर फटना ईश्वर का कार्य नहीं बल्कि मानवीय लापरवाही है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक बीमा कंपनी की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा की कार के टायर का फटना ईश्वरीय कृत्य नहीं कहा जा सकता है, यह मानवीय लापरवाही का मामला है. न्यायमूर्ति एसजी डिगे की एकल पीठ ने 17 फरवरी के अपने आदेश में न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के 2016 के एक फैसले के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया. इसमें पीड़ित मकरंद पटवर्धन के परिवार को 1.25 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था. 25 अक्टूबर, 2010 को पटवर्धन (38) अपने दो सहयोगियों के साथ पुणे से मुंबई जा रहे थे. पटवर्धन के सहयोगी जो कार का मालिक था तेज और लापरवाही से ड्राइव कर रहा था तभी पिछला पहिया फट गया और कार गहरी खाई में गिर गई. इस हादसे में मकरंद पटवर्धन की मौके पर मौत हो गई. ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा था कि पीड़ित अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला शख्स था. बीमा कंपनी ने अपनी अपील में कहा कि मुआवजे की राशि अत्यधिक और हद से अधिक थी. इसके साथ ही कंपनी ने कहा था कि टायर फटना ईश्वर का कार्य था न कि चालक की ओर से लापरवाही. हालांकि हाई कोर्ट ने इस विवाद को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि 'यह एक गंभीर अप्रत्याशित प्राकृतिक घटना को संदर्भित करता है, जिसके लिए कोई भी इंसान जिम्मेदार नहीं है. टायर के फटने को ईश्वर का कार्य नहीं कहा जा सकता है. यह मानवीय लापरवाही का कार्य है.' कोर्ट ने अपने फैसले में कहा टायर फटने के कई कारण हैं जैसे तेज रफ्तार, कम हवा, ज्यादा हवा या सेकेंड हैंड टायर और तापमान. कोर्ट ने अपने फैसले में आगे कहा कि 'वाहन के चालक या मालिक को यात्रा करने से पहले टायर की स्थिति की जांच करनी होती है. टायर के फटने को प्राकृतिक कृत्य नहीं कहा जा सकता. यह मानवीय लापरवाही है.' हाई कोर्ट ने कहा कि केवल टायर फटने को ईश्वरीय कृत्य कहना बीमा कंपनी को मुआवजा देने से बरी करने का आधार नहीं हो सकता.

समृद्धि एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हुई कार, दुर्घटना में छह लोगों की मौत

बुलढाणा, 12 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई. जिसमें छह लोगों की मौत हो गई. बुलढाणा के पुलिस अधीक्षक सारंग आव्हाड ने बताया कि दुर्घटना शिवनी पीसा गांव में सुबह आठ बजे हुई जब कार में 13 लोग सवार थे और वह औरंगाबाद से शेगांव जा रही थी. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है. एसपी ने कहा कि कार के चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वाहन एक सड़क बैरियर से टकराया और पलट गया. कार में सवार छह लोगों में एक पुरुष, चार महिलाएं और एक लड़की शामिल हैं. जिनकी मौत हो गई है. घायलों को इलाज के लिए औरंगाबाद भेज दिया गया है.

ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर कांग्रेस के कटाक्ष पर भाजपा का परंपरा वाला जवाब

भोपाल, 12 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई को एक वायरल वीडियो पर स्पष्टीकरण देना पड़ा है. वीडियो में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा को एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करने और मंच संभालने से रोकते दिख रहे हैं. माधव राष्ट्रीय उद्यान में बाघों के स्थानांतरण को चिह्नित करने के लिए शिवपुरी जिले में आयोजित एक कार्यक्रम के वीडियो ने एक राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था. वीडियो में उद्घोषक को वीडी शर्मा का नाम पुकारते हुए दिखाया गया है. राज्य भाजपा प्रमुख बोलने के लिए आते हैं, तभी सिंधिया मंच पर पहुंचते हैं. वह वीडी शर्मा से संक्षिप्त रूप से बात करते हुए दिखाई देते हैं और फिर वीडी शर्मा मुस्कुराते हुए अपनी सीट पर लौट आते हैं. उस समय मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मंच पर थे. इस वीडियो पर कांग्रेस ने ज्योतिरादित्य सिंधिया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह उनके अन्य नेताओं को दरकिनार करने की परंपरा थी. बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने इस मुद्दे पर सफाई देते हुए कहा कि प्रदेश पार्टी प्रमुख के किसी भी कार्यक्रम के अंत में संबोधित करने की परंपरा रही है. उन्होंने कहा, ₹भारतीय जनता पार्टी में अध्यक्ष का सम्मान सर्वोच्च होता है. कांग्रेस इसे नहीं समझ सकती. पार्टी के अध्यक्ष सबसे सम्मानित होते हैं और इसलिए उनका भाषण अंत में आता है. लोकेंद्र पाराशर ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्य भाजपा अध्यक्ष के सम्मान में हस्तक्षेप किया था. इससे पहले कांग्रेस के मीडिया सेल के प्रमुख केके मिश्रा ने ट्वीट किया था, ₹यह राजनीति थी. इसलिए सिंधिया ने वीडी शर्मा को शिवपुरी में एक सरकारी समारोह में भाषण देने से रोक दिया. सिंधिया परिवार की परंपरा है कि वे अन्य नेताओं को दरकिनार कर आगे बढ़ जाते हैं.

'हर मुस्लिम एक...', फारुक अब्दुल्ला के बयान पर चक्रपाणि महाराज का पलटवार

बोले- पाकिस्तान चले जाएं जिहादी

श्रीनगर, 12 मार्च (एजेंसियां)। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चक्रपाणि महाराज ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला के बयान पर पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि जो इस देश से से प्रेम करता है वो ही इस देश में रहेगा. अगर कोई गजवा-ए-हिन्द का सपना देखेगा या जो लव जिहाद करेगा उसे भारत में रहने की कोई जरूरत नहीं है. ऐसे जिहादियों को यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है. चक्रपाणि महाराज ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला को ऐसे लोगों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना चाहिए, लेकिन वो खुद उन्हें उकसाने का काम कर रहे हैं. हर मुस्लिम एक जैसा नहीं है, लेकिन कोई एक वर्ग है जो ये सब कर रहा है. उन्होंने कहा कि जो भी ऐसे इस्लामिक जिहादी हैं उन्हें ये देश छोड़ देना चाहिए और पकिस्तान चले जाना चाहिए. दरअसल, फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि कश्मीर में युवाओं को नौकरी के अवसरों के लिए बाहर जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है. उन्हें यहां रोजगार का अधिकार नहीं है. युवा देश भर की विभिन्न जेलों में बंद हैं.

टॉयलेट में पी सिगरेट... फिर की प्लेन का गेट खोलने की कोशिश

एयर इंडिया की फ्लाइट में यूएस नागरिक ने किया खूब हंगामा

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। फ्लाइट के बाथरूम में धूम्रपान करने और अन्य यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में एक अमेरिकी नागरिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. मुंबई पुलिस ने रविवार को ये जानकारी दी और बताया कि 37 वर्षीय रमाकांत के खिलाफ मुंबई के सहार पुलिस स्टेशन ने 11 मार्च को उड़ान के बीच में असुविधा पैदा करने के लिए मामला दर्ज किया है. आरोपी एयर इंडिया की लंदन-मुंबई वाली उड़ान में यात्रा कर रहा था. मुंबई पुलिस के अनुसार, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 336, विमान अधिनियम 1937, 22, 23 और 25 (धूम्रपान के लिए) के तहत मामला दर्ज किया गया है. एयर इंडिया के क्रू मेंबर ने सहार पुलिस को बताया कि उड़ान में धूम्रपान की अनुमति नहीं होती है. आरोपी जब बाथरूम में गया तो अलार्म बजने लगा और हम सभी चालक दल बाथरूम की ओर भागे. हमने देखा कि उसके हाथ में एक सिगरेट थी. हमने तुरंत उसके हाथ से सिगरेट फेंक दी. फिर उसने सभी क्रू मेंबर्स पर चिल्लाना शुरू कर दिया. किसी तरह हम उसे सीट पर ले गए. लेकिन कुछ देर बाद उसने विमान का दरवाजा खोलने की कोशिश की. उसके व्यवहार से सभी यात्री डर गए और वह फ्लाइट में नौटंकी करने लगा. वह हमारी बात सुनने को तैयार नहीं था और चिल्ला रहा था. फिर हमने उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसे सीट पर बिठा दिया. आरोपी फिर अपना सिर पीटने लगा. पुलिस ने कहा, यात्रियों में एक व्यक्ति डॉक्टर था. उसने आकर उसकी जांच की. फिर रमाकांत ने कहा कि उसके बैग में कुछ दवा है, लेकिन बैग की जांच करने पर एक ई-सिगरेट बरामद हुई. फ्लाइट के लैंड होने के बाद यात्री रमकांत को सहार पुलिस को सौंप दिया गया. उसे हिरासत में लेकर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है.

पोलैंड की महिला से रेप

लंबे समय से ब्लैकमेल भी कर रहा था आरोपी, एफआईआर दर्ज

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने अंबोली इलाके में एक विदेशी महिला से बलात्कार के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है. आरोपी अभी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है. जानकारी के अनुसार पोलैंड की महिला की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ है. शिकायत के अनुसार आरोपी मनीष गांधी ने नवंबर 2016 से जनवरी 2022 के बीच कई बार महिला का यौन उत्पीड़न किया. जब पीड़िता अंधेरी की एक कंपनी में काम करती थी, तब बार-बार उसके और अपने नाम की अश्लील कहानी बनाई और उसे व्हाट्सएप पर भेजी. इतना ही आरोपी मनीष गांधी ने अपनी नग्न तस्वीरें, वीडियो, अन्य अश्लील वीडियो भेजकर उसे शर्मिंदा किया. जब भी काम के लिए वो उसके साथ जर्मनी, गोरेगांव, दिल्ली और अन्य जगहों पर गया, तब भी उसने फोटो खींचकर उसे शारीरिक और मानसिक तकलीफ दी. आरोपी पीड़िता को काफी समय से धमकी दे रहा था कि वो उसकी वीडियो और तस्वीरें उसके रिश्तेदारों और कंपनी के अन्य लोगों को भेज देगा. अंबोली पुलिस ने आरोपी मनीष गांधी के खिलाफ 354ए, 354 सी , 509,506 के साथ आई टी एक्ट 67ए , 67 के तहत मामला दर्ज कर लिया है.

मुंबई का हवाईअड्डा बना 'वसूली अड्डा'

बैक टू बैक आ रहे जी-पे एक्सटॉर्शन केस, सीबीआई भी हैरान

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर एक्सटॉर्शन का ऐसा सिंडिकेट सामने आया है जिसे जानकर हर कोई हैरान है। खबर है कि मुंबई इंटरनेशन एयरपोर्ट पर कस्टम के कुछ अधिकारी जी-पे के जरिए एक्सटॉर्शन का सिंडिकेट चला रहे हैं। हैरानी की बात तो ये है कि ऐसे 5 मामलों की जांच कर रही सीबीआई ने बैक टू बैक 3 और इसी तरह के मामले दर्ज किए हैं। जी-पे एक्सटॉर्शन कांड में हाल ही में एयरपोर्ट पर 38 अधिकारियों के तबादले भी किए गए लेकिन महज हफ्ते भर में तीन और जी-पे एक्सटॉर्शन मामलों ने साफ कर दिया है कि मुंबई एयरपोर्ट इस वक्त कस्टम ऑफिसरों के एक्सटॉर्शन का अड्डा बना हुआ है।

पहला मामला-

सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक पीड़ित पैसेंजर दुबई से वापस लौटा और करप्ट एयर कस्टम सुप्रीटेंडेंट आलोक कुमार ने उसे डिटेन किया। पीड़ित के मुताबिक उसके पास गोल्ड ज्वेलरी थी। ये गोल्ड ज्वेलरी उसने दुबई जाते वक्त डिक्लेयर की थी और अपनी बहन को गिफ्ट देने के लिए ले गया था, लेकिन जब बहन ने उसके इस गिफ्ट को लेने से मना किया तो वापस वो गोल्ड ज्वेलरी लेकर मुंबई लौटा था। कस्टम ऑफिसर आलोक कुमार ने उसकी दलील मानने से मना करते हुए उसके पासपोर्ट को जप्त कर लिया और उसे 1 लाख 20 हजार रुपए कस्टम ड्यूटी भरने के नाम पर एक्सटोर्शन किया। इसके बाद एक एयरपोर्ट लोडर के जरिए उसके घरवालों से मंगाए गए 90 हजार रुपए कैश लोडर के जरिए एयरपोर्ट के बाहर वसूले और 30 हजार रुपए एक दूसरे लोडर के जी-पे अकाउंट में डलवाकर वसूले गए। बाद में पीड़ित ने जब कस्टम ड्यूटी की रसीद मांगी तब उसे डराकर समझाया गया कि वसूली गई रकम पीड़ित के प्रोटेक्शन मनी के तौर पर वसूले गए हैं। सीबीआई ने इस मामले में कस्टम ऑफिसर आलोक कुमार, कैश वसूलने वाले लोडर राजेश पितले और जी-पे से पैसे वसूलने वाले लोडर रोहित गायकवाड़ को आरोपी बनाया है।

दूसरा मामला-

सीबीआई ने जो दूसरा मामला दर्ज किया है वो पीड़ित पैसेजर बैंकॉक से लौटा था। यात्री अपने साथ नए जूते, घड़ियां और गोल्ड ऑर्नेमेंट लाया था। एक बार फिर करप्ट कस्टम सुप्रीटेंडेंट आलोक कुमार का नाम सामने आया जब उन्होंने उस पैसेंजर को डिटेन किया और 60 हजार की कस्टम ड्यूटी मांगी और लंबे नेगोशिएंशन के बाद 10,500 रुपए की डील फाइनल करते हुए पहले मामले के आरोपी एयरपोर्ट लोडर रोहित गायकवाड़ के एकाउंट में ट्रांसफर करवाया। कस्टम ड्यूटी की कोई रिसिप्ट न देते हुए इसे भी प्रोटेक्शन मनी बताकर जी-पे एक्सटॉर्शन को अंजाम दिया।

तीसरा मामला-

इस मामले में पीड़ित पैसेंजर अबू धाबी से 4 मार्च को लौटी थी। एयरपोर्ट पर कस्टम सुप्रीटेंडेंट सुरेंद्र कुमार मीना ने उसे डिटेन किया और गोल्ड लाने के लिए 25,000 की कस्टम ड्यूटी भरने के लिए कहा। एक लंबे नेगोशीएशन के बाद आखिरकार 12,000 रुपए जी-पे एक्सटोर्शन मनी के तौर पर वसुलते हुए कस्टम सुप्रीटेंडेंट सुरेंद्र कुमार ने उसे एयरपोर्ट लोडर सिद्धेश मेश्त्री के जी-पे अकाउंट में वसूले। ये तीनों मामलों की शिकायत हाल के 30 दिनों में सीबीआई को मिली थी जिसपर जांच करने के बाद सीबीआई ने एक के बाद एक ये तीन मामले दर्ज किए हैं।

टल गया बड़ा हादसा, जमीन में धंसा बिल्डिंग का पिलर, सुरक्षित निकाले गए 18 परिवार

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में एक बड़ी घटना टल गई है। यहां महाड शहर की प्रभात कॉलोनी में बिल्डिंग का एक हिस्सा जमीन में धंस गया। धारिया कॉम्प्लेक्स में शिवम बिल्डिंग हल्का टेढ़ा हो गया है और खतरनाक स्थिति में खड़ा है। जानकारी के मुताबिक इमारत के चार पिलर की नींव जमीन के नीचें मिट्टी में धंस गई है। बता दें कि इस बाबत खबर लगते हैं नगर पालिका द्वारा इमारत में रह रहे 18 परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। वहीं महाड नगर प्रशासन, फायर ब्रिगेड, पुलिस, आरसीसी सलाहकार मौके पर पहुंच चुके हैं। बता दें कि इससे पहले नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को सेक्टर 96 के पास सड़क पर गहरी दरार पड़ गई। ये दरार 12-15 फीट लंबी और लगभग 2 फीट चौड़ी थी। साथ ही इस कारण यहां भारी जाम भी देखने को मिला था। वहीं इससे पहले कई बार ऐसा हो चुका है जब देश के अलग अलग इलाकों में कही मकान तो कहीं जमीन ही धंस गई।

स्वाति मालीवाल ने पिता पर लगाए थे यौन शोषण के आरोप

पुराना ट्वीट शेयर कर के लोग पूछ रहे हैं ऐसे सवाल

अहमदाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने अपने पिता पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए थे दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वाति मालीवाल ने कहा था कि मेरे पिता मेरा सिर पकड़कर दीवार में मार देते थे, मेरे सिर से खून बहने लगता था। मेरा मानना है कि जब कोई बहुत अधिक अत्याचार सहता है, तभी वह दूसरों के दर्द को समझता है, और यह एक ऐसी आग जगाता है जो पूरे सिस्टम को हिला सकता है। पिता पर आरोप लगाते हुए स्वाति मालीवाल ने कहा था, 'जब मैं छोटी थी तो मेरे पिता मेरा यौन उत्पीड़न करते थे। वह मुझे बहुत मारते थे। जब वह घर आते थे तो मैं डर जाती थी और अक्सर बिस्तर के नीचे छिप जाती थी।' स्वाति मालीवाल के इन आरोपों के बाद सनसनी फैल गई थी। लेकिन अब सोशल मीडिया पर स्वाति मालीवाल का एक पुराना ट्वीट वायरल हो रहा है और लोग उनसे सवाल कर रहे हैं।

2016 में किए इस ट्वीट में स्वाति मालीवाल ने अपने पिता का जिक्र करते हुए लिखा है कि वह फौजी की बेटी हैं। जिस ट्वीट की चर्चा हो रही है उसमें स्वाति मालीवाल ने लिखा है, मैं फौजी की बेटी हूं, फौज में पली बढ़ी हूं। देश के लिए काम करना और देश के लिए जान देना सीखा है, मझे दुनिया की कोई ताकत डरा नहीं सकती। दिल्ली माहिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के इस ट्वीट को री-ट्विट करते हुए एक यूजर प्रखर श्रीवास्तव ने लिखा, मेरे पिता मेरा यौन शोषण करते थे। स्वाति जयहिंद, तो फिर ये कौन से पिता थे जिन पर आप 2016 तक गर्व कर रही थीं? मुझे ये विश्वास है कि कोई भी बेटी पिता के बारे में झूठ नहीं बोलती। फिर वो झूठ कौन सा है? आज वाला या 2016 वाला? जबाव देना होगा,

क्योंकि आपने दुनिया के सबसे पवित्र रिश्ते को कठघरे में खड़ा किया है। प्रखर श्रीवास्तव के ट्वीट पर जवाब देते हुए फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने लिखा कि यही आम आदमी पार्टी की निशानी है। झूठ, झूठ और झूठ। या। भाजपा नेता हरीश खुराना ने ट्वीट किया कि यह 'आप' के लोगों के डीएनए में है झूठ बोल कर सहानुभूति लेने की कोशिश करना। आज एक बार फिर स्वाति मालीवाल ने इस बात को साबित कर दी। मैं समझ नहीं पा रहा कि स्वाति के आज के बयान को सच मानूं या 2016 के उन्हीं के ट्वीट को?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 13 मार्च, 2023 3

सुविचार

बैठना है तो थक कर बैठो, हार कर नहीं हो सकता है एक बाजी हारे हो, लेकिन जिन्दगी नहीं...

किसानों की मदद के लिए वारंगल घोषणा पत्र जारी किया : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि उनकी पार्टी ने राज्य के किसानों की मदद के लिए वारंगल घोषणापत्र जारी किया था। परिवर्तन पदयात्रा के लिए चल रही अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में निजामाबाद एमपी सीट के कमरपल्ली में किसानों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने ये टिप्पणियां कीं। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी ने उनसे वादा किया था कि वह वारंगल घोषणा को लागू करने की जिम्मेदारी लेंगे और कहा कि राहुल गांधी ने आर्मूर फार्म का रेशमी कपड़ा पहनकर वादा किया था। घोषणा के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि पार्टी ने 2 लाख रुपये के कृषि ऋण को माफ करने का वादा किया था और कहा कि उन्होंने इंदिरम्मा रैतू भरोसा योजना के तहत भूमिहीन किसानों को 12,000 रुपये देने का भी वादा किया था। उन्होंने कहा कि वे सत्ता में आने के छह महीने के भीतर चीनी कारखाने को फिर से खोलने के अलावा एक हल्दी बोर्ड भी स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के लिए रायथु भीम योजना लागू करेगी और आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र और राज्य सरकारें दोनों अपनी संयुक्त साजिश के तहत फसल बीमा योजना को लागू नहीं कर रही हैं और किसानों के साथ रहने में मदद करने के लिए फसल बीमा योजना को लागू करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि वे भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला और अल्पसंख्यक आयोग की तर्ज पर किसान आयोग का गठन करेंगे और कहा कि वे अपने आयोग के माध्यम से किसानों की समस्याओं का समाधान करेंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश के कृषि क्षेत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कॉरपोरेट मित्रों को सौंपने की साजिश कर रही है। उन्होंने निजामाबाद के सांसद डी. अरविंद पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सांसद ने हल्दी बोर्ड स्थापित करने के अपने वादे से मुकरकर उनके मतदाताओं को धोखा दिया है।

टीएसपीएससी परीक्षा पेपर लीक मामले में अधिकारी का पीए शामिल

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग टीएसपीएससी के पेपर लीक मामले के नवीनतम विकास में, यह पता चला है कि टीएसपीएससी में एक उच्च पदस्थ अधिकारी का एक निजी सहायक शामिल था। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को पता चला कि प्रवीण नाम के पीए ने एक युवती को पेपर लीक किया था। जांच के मुताबिक, युवती प्रवीण के करीबी संपर्क में थी और कुछ दिनों पहले टीएसपीएससी कार्यालय गई थी। उसने प्रवीण से 12 मार्च को होने वाली टाउन प्लानिंग ओवरसीज परीक्षा से संबंधित प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। सूत्रों ने कहा कि प्रवीण ने कथित तौर पर अपने पद का इस्तेमाल कंप्यूटर की डिजिटल कुंजी प्राप्त करने के लिए किया, जिसमें गोपनीय जानकारी संग्रहीत थी और महिला के अनुरोध के अनुसार प्रश्न पत्र उसे दिया। इस घटना को लेकर एक व्यक्ति ने बेगमपेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और टीएसपीएससी के अधिकारियों के साथ पुलिस ने मामले की जांच की। यह बताया गया है कि टीएसपीएससी कंप्यूटरों को हैक नहीं किया गया था। जांच जारी है, और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या पेपर लीक में कोई अन्य अधिकारी शामिल थे।

बीआरएस पार्टी चारमीनार विधानसभा क्षेत्र प्रभारी मोहम्मद सलहुद्दीन लोधी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के अवसर पर महिला पुलिस स्टेशन चेलापुरा में जनकम्मा एसएचओ, पूरे महिला स्टाफ सी, एएसआई, हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल, होमगार्ड सभी का सम्मान किया। इस मौके पर रवेश्वर, मोहम्मद आमेर, महजबीन कुरैशी, अनुषा गौड़, कृष्णा मल्लिक, रमेश, राजू आदि उपस्थित रहे।

टीएससीएस ने एक और उपलब्धि हासिल की

मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में 1500 ब्लड यूनिट एकत्रित

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। थैलेसीमिया सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) ने रविवार को किंग्स पैलेस, गुड्डीमलकापुर, हैदराबाद में एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में गृह मंत्री तेलंगाना मोहम्मद महमूद अली, एमएलसी पी कौशिक रेड्डी, आईपीएस वजाहुद्दीन, शेख मोहम्मद इकबाल, एमएलसी-हिंदूपुर एपी, सैयद ओमर जलील, आईएएस अधिकारी, अमीन, शिव रतन और टीएससीएस कर्मचारियों ने भाग लिया। टीएससीए के सीईओ डॉ सुमन जैन ने गृह मंत्री मों, तेलंगाना में थैलेसीमिया की स्थिति और थैलेसीमिया रोगियों को रक्त की आवश्यकताओं आदि के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. सुमन जैन ने कहा कि हम वास्तव में उन 1500 रक्तदाताओं के आभारी हैं जो रक्तदान करने और थैलेसीमिया रोगियों के लिए रक्त की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आगे आए हैं। हम बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि गृह मंत्री महमूद अली ने रक्तदान शिविर का दौरा किया। थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी एक पंजीकृत गैर-लाभकारी है, जिसकी स्थापना 1998 में की गई थी। इसका प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से रोगी के माता-पिता, डॉक्टरों के एक छोटे समूह द्वारा किया जाता है। सभी थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया प्रभावित बच्चों की मदद करने के उद्देश्य से संस्था ने 3500 से अधिक पंजीकृत रोगियों का समर्थन करने के लिए एक छत के नीचे एक सुव्यवस्थित आधान केंद्र, उच्च गुणवत्ता वाले रक्त बैंक, आधुनिक नैदानिक प्रयोगशाला और उन्नत अनुसंधान केंद्र की स्थापना की है।

सीएम केसीआर के स्वास्थ्य की एआईजी में जांच की गई

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की रविवार सुबह एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (एआईजी), गच्चीबॉवली में जांच की गई। एआईजी अस्पताल के अध्यक्ष डॉ नागेश्वर रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री को पेट में कुछ परेशानी के कारण अस्पताल पहुंचे थे। उनकी बारीकी से जांच की। एआईजी अस्पतालों में सीटी और एंडोस्कोपी की गई। पेट में एक छोटा सा अल्सर पाया गया जिसका इलाज चिकित्सकीय रूप से किया जा रहा है। उसके अन्य सभी पैरामीटर सामान्य हैं। दवा शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री का इलाज आउट पेशेंट के रूप में किया गया।

भैंसे से टकराने से वंदे भारत एक्सप्रेस क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस (20834) के आगे का हिस्सा शनिवार को जिले के चिंताकानी-बोनाकल स्टेशनों के बीच एक भैंसे से टकरा जाने से आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। शाम के समय हुई इस घटना में, ड्राइवर के कोच का नोज कोन कवर उस समय क्षतिग्रस्त हो गया जब ट्रेन विशाखापत्तनम के रास्ते में थी। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त ट्रेन 25 मिनट की देरी के बाद मौके से रवाना हुई। खम्मम की घटना फरवरी, 2019 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ट्रेन के लॉन्च के बाद से हुई कई ऐसी घटनाओं में से एक थी, जिसने ट्रेन की निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठाया था।

लड़के का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भवानीनगर पुलिस ने जनवरी में अपने घर पर एक लड़के का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तल्लबकट्टा के अमननगर निवासी संदिग्ध सैयद इरफान लड़के को किसी काम के बहाने अपने घर ले गया और कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए उसने एक सेल्फी वीडियो लिया और उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर दिया। भवानीनगर इंस्पेक्टर, मोहम्मद अमजद ने कहा कि घटना के प्रकाश में आने के बाद, पास्कों अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। तब से फरार चल रहे इरफान को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया और रिमांड पर ले लिया गया।

भाकपा 14 अप्रैल से प्रदेश भर में करेगी डोर टू डोर कार्यक्रम, 15 मई तक चलेगा कार्यक्रम

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की वामपंथी पार्टी भाकपा अगले महीने 14 अप्रैल से भाजपा को हटाओ देश बचाओ के नारे के साथ राज्य में घर-घर जाकर प्रचार करेगी। यह कार्यक्रम 15 मई तक चलेगा। पार्टी ने इस साल जुलाई के पहले सप्ताह में दस लाख लोगों के साथ एक विशाल जनसभा करने के अलावा 1 जून से एक राज्य बस यात्रा आयोजित करने का भी फैसला किया है। डोर टू डोर कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के. नारायण करेंगे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा कार्यक्रम के समापन समारोह में हिस्सा लेंगे। भाकपा के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव ने शहर में राज्य पार्टी मुख्यालय में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए राज्य पार्टी कार्यकारिणी के फैसलों का खुलासा किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, राव ने कहा कि वे अपने कार्यक्रम के तहत एक महीने की अवधि के लिए सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में पदयात्रा और बाइक यात्रा आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि वे राज्य के लोगों के दरवाजे पर दस्तक देकर प्रतिद्वंद्वी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की खतरनाक सांप्रदायिक और संविधान विरोधी नीतियों के बारे में जागरूकता पैदा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे वर्ष 2024 में होने वाले अगले आम चुनाव के बाद भाजपा को सत्ता में आने से रोकने की आवश्यकता के बारे में भी लोगों को बताएंगे। उन्होंने कहा कि वे सभी जिला मुख्यालयों में जनसभाएं करेंगे और कहा कि डॉ. के. नारायण, संसदीय दल के नेता बिनॉय विश्वम, सांसद संदोष कुमार, केरल राज्य के मंत्रियों जैसे पार्टी नेता। के. राजन, जी. प्रसाद, चिंचुमनी और जीआर अनिल जनसभाओं में हिस्सा लेंगे।

जन सेवा संघ की क्षेत्रीय इकाइयों की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार , जन सेवा संघ साउथ जोन के अंतर्गत मीरपेट क्षेत्रीय समिति की बैठक का आयोजन मीरपेट में हुआ। बैठक में जन सेवा संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल, सत्य प्रकाश सिंह, नंदजी सिंह, अनिल कुमार वर्मा, योगेंदर सिंह, मंगलेश कुमार सिंह, संदीप सिंह, विनोद कुमार कुशवाहा, आदर्श सिंह, मोहन लाल, शेख लाल, मुकेश कुशवाहा, राकेश कुशवाहा, विवेक सिंह, प्रिंस कुमार आदि उपस्थित हुए। पहाड़ीशरीफ समिति की बैठक क्षेत्रीय अध्यक्ष पी. एन. पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इसमें साउथ जोन के जोनल प्रेसिडेंट ए. के. मिश्रा एवं जन सेवा संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल, वी बी राय, अरूण कुमार एडवोकेट, टुनटुन पांडेय, संजय कुमार, अविनाश मिश्रा उपस्थित हुए। इसमें जन सेवा संघ के उद्देश्य को जल्द से जल्द कैसे पूरा किया जाय इस पर विचार किया गया और सभी ने इस को पूर्ण करने के लिए संकल्प लिया। चंद्रायणगुट्टा में भी मोहम्मद इकराम की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया और अगले रविवार तक चंद्रायणगुट्टा और सुल्तान बाजार में क्षेत्रीय समिति तैयार करने का भरोसा उन्होंने दिया। इस अवसर पर वसीम, अहमद, खालिक, माजिद, इमरान आदि उपस्थित हुए।

एसबीआई ऑफिसर्स एसोसिएशन ने महिला दिवस समारोह का आयोजन किया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन (हैदराबाद सर्कल), के अध्यक्ष एस. अप्पास्वामी और महासचिव ए. साई प्रसाद नेतृत्व में भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय (एलएचओ), कोटि, हैदराबाद में रविवार को महिला दिवस समारोह का आयोजन किया। तेलंगाना राज्य के कोने-कोने से आई एसबीआई की 500 से अधिक महिला अधिकारियों ने मुलाकात की और पूरे उत्साह के साथ इस दिन को मनाया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन (हैदराबाद सर्किल) द्वारा अधिकारियों की मेधावी बालिकाओं को सम्मान और जरूरतमंद मेधावी लड़कियों को वित्तीय सहायता के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां, खेल, प्रश्नोत्तरी और दान का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक गतिविधियों, खेल और प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वाले विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

इस अवसर पर अध्यक्ष, एसबीआई लेडीज़ क्लब, हैदराबाद नूपुर झिंगरान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य भाषण डॉ. जस्टिस चिल्लकुर सुमलता, तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया था। मंजू शर्मा, महाप्रबंधक, नेटवर्क 1, एसबीआई, एलएचओ, हैदराबाद इस अवसर की विशिष्ट अतिथि थीं। अमित झिंगरान, मुख्य महाप्रबंधक, एसबीआई, एलएचओ, हैदराबाद और शेखर एल, महाप्रबंधक, सर्किल ऑडिट ऑफिस (सीएओ) सम्मानित अतिथि थे। इस अवसर पर विशेष आमंत्रित डॉ. सी. मंजुला राव, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, अपोलो हॉस्पिटल्स, जुबली हिल्स, हैदराबाद थीं। इस अवसर पर सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों ने अपने प्रेरक विचार साझा किए। एसबीआई की महिला अधिकारियों के बीच एक मजबूत तालमेल लाते हुए, उत्सव ने पूरे दिन एक उत्सव और रंगीन रूप धारण किया।

तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्यों की द्वितीय बैठक रविवार को एसोसिएशन के कार्यालय, घासमंडी में संपन्न हुई। एसोसिएशन के सुरेशचंद कोठारी द्वारा प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अध्यक्ष पारसमल रांका द्वारा स्वागत वक्तव्य दिया गया। महामंत्री सुरेश संचेती द्वारा पूर्व कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही की। एसोसिएशन ने कई मामलों पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिया। बैठक में उपस्थित कार्यअध्यक्ष शंकर सिंह राजपुरोहित ने अपने विचार रखे। कोषाध्यक्ष उत्तमचंद कटारिया ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में उपाध्यक्ष अशोक शेरमल जैन, पप्पू लाल प्रजापत, गुलाब सिंह राजपुरोहित, सहमंत्री गौतमचंद श्रीश्रीमाल, अशोक चाणौदिया, हरीराम प्रजापत धर्माराम ढाका, रमेश गांधी एवं हैदराबाद सिकंदराबाद आरआर डिस्ट्रिक्ट के सभी जोन के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों ने एवं सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री अशोक चाणोदिया द्वारा प्रस्तुत किया गया।

वन बन्धु परिषद हैदराबाद महिला समिति का होली महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वन बन्धु परिषद महिला समिति हैदराबाद ने सिकन्दराबाद स्थित टेक्सटबुक कालोनी के सभागृह में हर्षोल्लास के साथ होली महोत्सव मनाया। समिति की अध्यक्षा वंदना राठी व सचिव रश्मि सोमानी ने बताया की महिलाओं ने फाग गीत गाते हुए गुलाल व फुलों से होली खेलकर एक दुसरे को होली पर्व की शुभकानाएं दी। वर्षा राठी और अचल सोनी द्वारा राधाकृष्ण की मनमोहक लठमार होली का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का अयोजन किया गया और विजय हुए प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया। प्रमिला, शशिकला अग्रवाल, रमादेवी, रजनी राठी को समाजिक क्षेत्र में सराहनिय कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमित्रा बंग, प्रभा मालपानी, माया लोया, सुमिता, उज्जवल मुंदड़ा, कल्पना धुत, सुलोचना अग्रवल, आशा डागा एवं सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

एसकेएस समाज, रहीमपुरा, हैदराबाद तेलंगाना में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए तिब्बत सहयोग मंच, तेलंगाना के अध्यक्ष शिव रतन, लक्ष्मी नरायन, शंकर राव, एच. कुमार, नागरी सुरेन्द्र, अशोक, शिव कुमार, बालाजी व अन्य।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MUMTAZ BEGUM, R/o.H.No.19-2-21/23/54/A/7/6/1, BASHARATH NAGAR, NAWAB SAHAB KUNTA, HYD, T.S, Changed My Child Name From SAFIA SULTANA to SAFIA RAOOF D/o.ABDUL RAOOF.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

साधारण से दिखने वाले शख्स के बैग से निकले डेढ़ करोड़ रुपए, पुलिस भी रह गई हैरान

चंदौली, 12 मार्च (एजेंसियां)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर जीआरपी ने चेकिंग के दौरान एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया, जिसकी बैग से डेढ़ करोड़ रुपए कैश निकल पड़ा. उसके पास इतनी रकम से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं थे. जीआरपी ने युवक को अरेस्ट कर डेढ़ करोड़ की नकदी जब्त कर ली है. जब्त किए गए सभी नोट 500 और 2 हजार के हैं. इतना कैश लेकर यह व्यक्ति दिल्ली से हावड़ा जा रहा था. फिलहाल पुलिस ने इस संबंध में इनकम टैक्स और अन्य संबंधित जांच एजेंसियों को सूचना दे दी है. दरअसल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर आरपीएफ और जीआरपी की टीम रूटीन चेकिंग कर रही थी. उसी दौरान दिल्ली से गुवाहाटी की तरफ जाने वाली ब्रह्मपुत्र मेल से एक शख्स उतरा. पुलिस ने शक के आधार पर जब उस व्यक्ति से पूछताछ की और उसके पास मौजूद ट्रॉली बैग की तलाशी ली तो पुलिस हैरान रह गई. रमेश ने पुलिस को बताया कि डेढ़ करोड़ की नकदी से भरा यह बैग दिल्ली के सोने-चांदी के व्यवसाई आशीष अग्रवाल का है. इस बैग को हावड़ा पहुंचाना था. जिस व्यक्ति को यह डिलीवरी देनी थी, वह हावड़ा जंक्शन पर मिलने वाला था. रमेश के पास एक कोल्ड ड्रिंक ओपनर था, वैसा ही हूबहू ओपनर हावड़ा में मौजूद व्यक्ति के पास भी था. उसका मिलान करने के बाद ट्रॉली बैग सौंपनी थी. पुलिस के अनुसार, रमेश दास नाम का यह व्यक्ति दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर ट्रेन बदलने के लिए उतरा था, उसी दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गया. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

मैसूर से लाए गए 4 साल के 'विक्की' जेब्रा की मौत

पटना चिड़िया घर में पसरा सन्नाटा

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान में हाल ही में मैसूर जू से लाए गए 4 साल के 'विक्की' नामक नर जेब्रा की शनिवार देर रात मौत हो गई. रात्रि प्रहरी एवं वनरक्षक से सूचना प्राप्त होने पर संजय गांधी जैविक उद्यान के पदाधिकारियों और पशुचिकित्सकों द्वारा जेब्रा के बाड़े में जाकर इसकी पुष्टि की गई. इस जेब्रा की मौत के बाद अब पटना जू में सिर्फ एक मादा जेब्रा बच गई है. पटना जू में जानवरों की मौत चिंता का सबब बनती जा रही है. जू में नन्हें बाघ के बाद अब लगातार दो जेब्रों की मौत हो गई.डॉक्टरों की माने तो जेब्रा की उम्र 25 साल तक होती है, लेकिन कम उम्र में ही जेब्रा की मौत चिंता का कारण बनते जा रहा है.

इस कारण हुई जेब्रा की मौत

पशुचिकित्सा पदाधिकारीयों के मुताबिक जेब्रा की मौत के बाद शव का पोस्टमॉर्टम किया गया. मौत का कारण तत्काल सेप्टिसीमिया, टॉक्सिमिया बताया गया है. यह एक तरह का ब्लड इन्फेक्शन है, जिसकी पुष्टि और डिटेल जांच के बाद होगी. इसके लिए पोस्टमार्टम के बाद जेब्रा के विभिन्न अंगों के सैंपल संग्रहित किया गया है.

एक माह पहले मैसूर जू से लाया गया था जेब्रा

मैसूर के चिड़िया घर से एक जोड़ा यानी एक नर और एक मादा जेब्रा को पटना जू लाया गया था. शुरू में उसे कोरेंटिन में रखा गया था. वर्तमान समय में मैसूर से लाई गई इकलौती मादा जेब्रा बची है. इसके पहले कोलकाता से 2019 में लाई गई जेब्रा बबली की मौत हो गई थी. पिछले महीने मैसूर जू से पटना जू लाया गया यह नर जेब्रा वन्य प्राणी अदला-बदली कार्यक्रम के तहत पटना लाया गया था. इसके इंक्लोजर में बचे हुए घास, पानी, मिट्टी और गोबर का सैंपल जांच के लिए संग्रहित कर लिया गया है. बताते चलें कि पटना जू में मैसूर जू से कुल 9 जानवरों को लाया गया था, जिसमें जेब्रा, गौर, वाइल्ड डॉग और ब्लैक स्वान शामिल थे.

सीएसपी खुलते ही दो बदमाशों ने लूटे साढ़े 6 लाख

समस्तीपुर में सीएसपी संचालक को मारी गोली, रुपए से भरा बैग लेकर हुए फरार

समस्तीपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। समस्तीपुर में रविवार सुबह सीएसपी खुलते ही बदमाशों ने साढ़े 6 लाख रुपए लूट लिए। वारदात के दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने सीएसपी संचालक को गोली मार दी, इससे वो गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लागों की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना वारिसनगर थाना क्षेत्र के प्रखंड मुख्यालय चौक की है। धावा बोलकर सीएसपी संचालक को गोली मारकर जख्मी कर दिया और उनसे रुपए से भरा बैग लेकर फरार हो गए। बैग में करीब साढे 6 लाख रुपए होने की गई है। गोली लगने से जख्मी सीएसपी संचालक राजन कुमार को तत्काल लोगों ने वारिसनगर पीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उन्हें बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

'बीजेपी का तो खुद का डीएनए अंग्रेजों से मिलता है'

बीजेपी की योजना पर कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने सरकार एक देश-एक डीएनए प्रोग्राम पर सवाल खड़े किए हैं. इस पर टिप्पणी करते हुए आलम ने कहा कि भाजपा का तो खुद का डीएनए ही अंग्रेजों से मिलता है. संघ विदेशी विचारधारा का संगठन है. संघ-भाजपा का डीएनए अंग्रेजों से मिलता है. उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में कोई भी हाफ पैंट, बेल्ट और काली टोपी नहीं पहनता था लेकिन उस वक्त भी संघ का ड्रेस विदेशी था. जानकारी के मुताबिक 'आपकी पार्टी-आपके गांव' अभियान के तहत शामली जिले के पांच गांवों जहानपुरा, आर्येपुरी, पंजीत, दुंडुखेड़ा, पावटी देहात में बैठक करते हुए उन्होंने कहा कि मुसलमान लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट देकर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का मन बना चुका है. उन्होंने कहा कि सिर्फ कांग्रेस ही देश का संविधान बचा सकती है.

सपा पर भी साधा निशाना

इसके अलावा शाहनवाज आलम ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा, सपा पूरी तरह भाजपा की बी टीम बन चुकी है. इसीलिए सपा भाजपा की नीतियों का सदन में विरोध नहीं करती है. सीएए-एनआरसी विरोधी आंदोलनों में शहीद कर दिए गए लोगों के घर भी प्रियंका गांधी गईं. अखिलेश यादव अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ के बिलरियागंज तक नहीं गए. वहां भी प्रियंका गांधी ही गईं.

'हिटलर की नाजी पार्टी से आयातित है आरएसएस की ड्रेस'

भाजपा के 'एक देश-एक डीएनए' कार्यक्रम पर उन्होंने कहा कि संघ और हिंदू महासभा के लोगों का डीएनए अंग्रेजों से मिलता है. इसीलिए ये लोग अंग्रेजों की मुखबिरी करते थे और बदले में अंग्रेज सावरकर को प्रति महीने 60 रुपये वजीफा देते थे. शाहनवाज आलम ने कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति में कोई भी हाफ पैंट, बेल्ट और काली टोपी नहीं पहनता था. संघ का ड्रेस भी जर्मनी के हिटलर की नाजी पार्टी से आयातित है.

बीजेपी की नई रणनीति है 'एक देश एक डीएनए'

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुसलमानों के बीच पैठ जमाने के लिए बीजेपी ने स्नेह मिलन सम्मेलन के जरिए मुसलमानों को 'एक देश एक डीएनए' का वास्ता देकर पार्टी से जोड़ने की रणनीति बनाई है. इसकी शुरुआत बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा ईद के बाद पश्चिमी यूपी के मुजफ्फरनगर जिले से करेगी. इन सम्मेलनों के जरिए मुस्लिमों के दिल में जगह बनाने की कोशिश है क्योंकि वेस्टर्न यूपी में मुस्लिम जाट, मुस्लिम गुर्जर, मुस्लिम राजपूत, मुस्लिम त्यागी जैसी बिरादरियां हैं, यही जातियां हिंदू समाज के बीच पाई जाती हैं और उनके बीच आपसी रिश्ते बहुत अच्छे हैं. कभी इन हिंदू और मुस्लिम जातियों के पूर्वज एक थे. ऐसे में माना जाता है कि अनुवांशिक तौर पर उनका डीएनए भी एक होगा.

बसपा नेता पर उमेश पाल हत्याकांड में 25 हजार का इनाम घोषित, हत्या के बाद से ही है फरार

प्रयागराज , 12 मार्च (एजेंसियां)। बसपा नेता राजूपाल की हत्याय के मुख्य गवाह के उमेश पाल की हत्या के बाद माफिया अतीक अहमद की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है. अतीक के तीन बेटे गिरफ्तार हैं. वहीं, अब पत्नी शाइस्ता पर भी पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है. कथित तौर पर शूटर साबिर के साथ शाइस्ता परवीन का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद प्रयागराज पुलिस ने उनके खिलाफ 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया है. गौरतलब है कि शाइस्ता इस केस में नामजद आरोपी हैं. शाइस्ता की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है. इसी दौरान पुलिस को कथित तौर वारदात में शामिल शूटर साबिर के साथ शाइस्ता का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस शाइस्ता के खिलाफ और सख्त होती नजर आ रही है. पुलिस अब उसे हर हाल में गिरफ्तार करना चाहती है. लिहाजा, पुलिस ने शाइस्ता पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया है. शाइस्ता के अलावा वारदात में कथित तौर पर शामिल 5 शूटरों पर ढाई-ढाई लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया है.

राम मंदिर निर्माण: चंद्रपुर से भेजी जाएगी सागौन की लकड़ी

चद्रपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सागौन की लकड़ी महाराष्ट्र के चंद्रपुर से भेजी जाएगी. ये जानकारी महाराष्ट्र सरकार में सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार दी. उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है. हम महाराष्ट्र से राम मंदिर के लिए बड़ी धूमधाम से लकड़ी भेजेंगे और इस मौके पर पूजा भी करेंगे.मुनगंटीवार कहा कि इस दौरान 29 या 30 मार्च को बड़ी रैली का आयोजन किया जाएगा. राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री मुनगंटीवार ने लोगों से राम मंदिर निर्माण में चंद्रपुर के योगदान के मौके पर आयोजित रैली में बड़ी संख्या में भाग लेने का आग्रह किया. उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि बल्लारपुर डिपो से सागौन की लकड़ी की खेप अयोध्या भेजे जाएंगे. मुनगंटीवार ने एबीपी से बात करते हुए कहा कि एक या दो दिन में अयोध्या की एक टीम आएगी, वे हमें बताएंगे कि लकड़ी का क्या करना है. हम चाहते हैं कि मंदिर का मुख्य द्वार इस सागौन से बनाया जाए. टीम बताएगी कि उन्हें कितने टन लकड़ी की जरूरत है. उन्होंने कहा कि हम महाराष्ट्र से राम मंदिर के लिए बड़ी धूमधाम से लकड़ी भेजेंगे और लकड़ी भेजने के मौके पर पूजा-पाठ भी करेंगे.

'गुंडों का इलाज पुलिस की गोली और डंडे ...क्यों कह रहे हैं हिंदू और मुसलमान

बीजेपी सांसद साक्षी महाराज का दावा

उन्नाव, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित उन्नाव से बीजेपी सांसद साक्षी महाराज अपने एक हालिया बयान को लेकर सुर्खियों में हैं. अब उन्होंने यूपी पुलिस के एनकाउंटर एक्शन पर बड़ा दावा कर दिया है. इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव राम गोपाल यादव के बयान पर भी पलटवार किया है. राम गोपाल यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी सांसद ने कहा, ये बयान जो है वहीं हिंसा और आतंकवाद को बढ़ाने वाला है. आप अपराधी को अतीक अहमद का बेटा क्यों कह रहे हैं. अपराधी को आप हिंदू और मुसलमान क्यों कह रहे हैं. अपराधी केवल अपराधी है. राजू पाल की हत्या हुई है या नहीं. किसने की ये जगजाहीर है. उमेश पाल की हत्या हुई है या नहीं. किसने की है?

सपा नेता पर भड़के बीजेपी सांसद

सांसद ने आगे कहा, हत्यारों का एनकाउंटर होना चाहिए. हत्यारे तो मारे जाने चाहिए. इसका मतलब है कि राम गोपाल यादव पढ़े लिखे हैं इस वजह से उनको पता है कि अतीक अहमद के बेटे पढ़े लिखे हैं. अगर दोषी हैं तो दोषी को दंड मिलना चाहिए.

क्या प्रोफेसर साहब ये कहना चाहते हैं कि हत्यारों को दंड नहीं मिलना चाहिए. आप बीजेपी से अपेक्षा करते हैं कि हम हत्यारों के गले में माला डालेंगे. जैसे उनकी पार्टी की सत्ता में पहनाई जाती थी दरअसल, उमेश पाल हत्याकांड में रामगोपाल ने कहा था कि अतीक के एक बेटे की एक-दो दिन में हत्या हो जाएगी. इस बयान के बाद उन्नाव सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि ये कथन ही आतंकवाद और अपराध को बढ़ाने वाला है. सपा नेता के इस बयान के बाद से विरोधी दलों के प्रतिक्रिया आ रही है. बता दें कि उमेश पाल की हत्या बीते 24 फरवरी को प्रयागराज में हुई थी. जिसके बाद से बयानबाजी जारी है.

कानपुर देहात में बड़ा हादसा: शार्ट सर्किट से झोपड़ी में लगी आग

दंपती और तीन बच्चे जिंदा जले; बुजुर्ग झुलसी

कानपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर देहात के रूरा थाना इलाके के एक गांव में रात एक झोपड़ी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हादसे में दंपती और उनके तीन मासूम बच्चों की जिंदा जलने से मौत हो गई। आगे में दंपती की मां भी झुलस गई। घटनास्थल का डीएम और एसपी ने जायजा लिया। डीएम ने मृतक परिवार को दैवीय आपदा के तहत मदद दिलवाने की बात कही है। जानकारी के अनुसार, रूरा के हारामऊ बंजारन डेरा निवासी मजदूर सतीश (25) के परिवार में पत्नी काजल (22), बेटा सन्नी (7), संदीप (4) और बेटी गुड़िया (2) और मां रामश्री (49) हैं।

पूरा परिवार झोपड़ी में रह रहा था।

रात दो बजे मां रामश्री झोपड़ी के बाहर सो रही थी। जबकि सतीश अपने परिवार के साथ झोपड़ी के अंदर सो रहा था। इस दौरान शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी के अंदर आग लग गई। देखते-देखते झोपड़ी आग का गोला बन गई। झोपड़ी के अंदर सो रहे दंपती और तीनों बच्चे जिंदा जल गए। सूचना के आधे घंटे बाद पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने एक के बाद एक शवों को झोपड़ी से बाहर निकाला।

बुजुर्ग मां ने किया बचाने का प्रयास, बुरी तरह झुलसी

वहीं आग में परिवार को जलता देख रामश्री ने भी आग में कूदकर बचाने का प्रयास किया। इस दौरान वह भी बुरी तरह से झुलस गई। सूचना पर डीएम नेहा जैन, एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड पहुंच गए। सभी शव को लोडर से जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

झोपड़ी में आग लगने से दंपती और उनके तीन बच्चों की मौत-डीएम

साथ ही झुलसी बुजुर्ग का इलाज भी जिला अस्पताल में चल रहा है। डीएम नेहा जैन ने बताया कि झोपड़ी में आग लगने से दंपती और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई थी। झुलसी बुजुर्ग का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। वहीं, एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि जांच पड़ताल की ज रही है।

मुजफ्फरपुर में लाखों की शराब के साथ सास-बहू गिरफ्तार

मुजफ्फर, 12 मार्च (एजेंसियां)। पुरबिहार में मुजफ्फरपुर शहर में अवैध शराब कारोबारी सास-पतोहू को लाखो की शराब के साथ बीते देर रात को गिरफ्तार किया गया है। पूर्ण शराब बंदी वाले बिहार में आए दिन अवैध शराब पकड़ी जा रही है और नए-नए शराब कारोबारियों की करतूतें सामने आ रही है। ताजा मामला मुजफ्फरपुर से है। जहां पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर एक घर में छापेमारी कर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब को बरामद किया है। घटना मिठनपुरा थाना क्षेत्र के बावन विघा 14 नम्बर रोड की है। पुलिस ने जब इससे मकान की तलाशी ली तो एक कमरे में बंद 70 कार्टून शराब बरामद किया। जब्त शराब की कीमत करीब 20 लाख रुपये बतायी गई है। शराब की इस खेप एक दिन पहले ही मंगवाई गई थी। इसके साथ ही मौके से पुलिस ने सास और बहू को गिरफ्तार किया है। घर के पुरुष छापेमारी की भनक लगते ही घर के पीछे वाले दरवाजे से भागने में सफल रहे।पुलिस की माने तो शराब कारोबारी की पत्नी और मां मिलकर शराब बेच रहे थे।

छपरा में 3.30 फीट के दूल्हे ने तीन फीट की दुल्हनिया संग लिए सात फेरे

सारण, 12 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सारण में एक शादी की चर्चा जोरों पर है. यहां तीन फीट के दूल्हे को 3.30 फीट की दुल्हन मिली है और दोनों ने हंसी खुशी विवाह रचाया. बताया जाता है कि जाति के बंधन को तोड़ कर मढ़ोरा के गढ़देवी मंदिर में सात फेरे लिए जिसके बाद वर-वधू को परिवार वालों ने आशीर्वाद दिया. इस शादी में दोनों परिवार बेहद खुश हैं. शादी की कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे. कहते हैं कि जोड़ियां ऊपर वाला बना कर भेजता है जिसका एक और उदाहरण सारण में देखने में मिला. शादी के पावन बंधन बंधे वर वधु को परिवार के बड़े लोगों को आशीर्वाद दिया. इस दौरान शादी में दूल्हा-दुल्हन के परिजनों के अलावा उनके दोस्त और पड़ोसी भी शामिल हुए. बताया जाता है कि चंचौरा के रामकोलवा गांव की रहने वाली 23 वर्षीय श्याम कुमार की हाइट महज साढ़े तीन फीट है जिसको लेकर उनकी शादी नहीं हो पा रही थी. मढ़ोरा अनुमंडल के भागलपुर की रहने वाली 20 वर्षीय रेनू की हाइट तीन फीट बताई गई. उसकी भी कम हाइट के कारण कहीं शादी नहीं हो पा रही थी.

फरिश्ता बनकर आए शख्स ने लगाया विवाह

दोनों के बीच शैलेश सिंह नामक शख्स फरिश्ता बनकर आए. दोनों परिवार के लोग इस बात को लेकर परेशान थे कि बच्चों की शादी नहीं हो पा रही है. इसू बीच शैलेश ने आपस में दोनों परिवार को मिलाया जिसके बाद रिश्ता तय हो गया. शुक्रवार को परिजनों और मित्र गणों के बीच दोनों ने गढ़ देवी मंदिर में शादी कर ली.

आप गोली चलाएंगे तो हम भी चलाएंगे

नागमणि बोले- हमारी सरकार बनी तो फ्री रिवॉल्वर देंगे सबको

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि ने सरकार से कुशवाहा समाज के लोगों को राइफल का फ्री लाइसेंस देने की मांग की. उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार की सरकार पर भरोसा नहीं है. कुशवाहा समाज के उभरते नेता और लोगों की हत्या हो चुकी और हो रही है. कहा कि साल 2025 में अगर उनकी सरकार बनेगी तो सभी को लाइसेंस फ्री राइफल देंगे ताकि लोग अपनी सुरक्षा खुद कर सकें. बिहार सरकार और सूबे में लॉ एंड ऑर्डर पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में कम से कम 50 उभरते कुशवाहा समाज के लोगों को हत्या हुई है. कुछ दिन पहले पटना सिटी में कुशवाहा के एक उभरते नेता की हत्या कर दी गई. ऐसा क्यों हो रहा उनके साथ? लोग मान के चलते हैं कि उनके पास सुरक्षा का सही इंतजाम नहीं है इसलिए उनको टारगेट किया जा रहा. अगर जरूरत हो और पैसे की कमी भी हो तो जमीन बेंच दें और लाइसेंस वाला राइफल लें. कुशवाहा समाज से अपील करते हुए ये बातें कहीं. कहा कि इससे वो अपनी सुरक्षा खुद कर सकते. सरकार और प्रशासन अगर सुरक्षा देती तो इतने बड़े पैमाने पर उनके समाज के लोगों की हत्या नहीं होती. साफ तौर पर कहा कि सरकार सक्षम नहीं है इसलिए सुरक्षा नहीं दे पा रही.

अमेरिका वाला सिस्टम लाएंगे

आगे कहा कि अगर हमारी 2025 में सरकार बनेगी तो जिस तरह से अमेरिका में फ्री लाइसेंस है. रायफल, बंदूक मार्केट से खरीदिए और अपनी सुरक्षा खुद कीजिए. अगर हमारी सरकार आएगी तो हम लोग भी रिवॉल्वर फ्री करेंगे. क्योंकि आपके हाथ में राइफल होगा, हमारे हाथ में होगा. अगर आप गोली चलाएंगे तो हम गोली चलाएंगे. लोग अपनी सुरक्षा खुद कर सकेंगे.

कुशवाहा वोट बैंक का सहारा

बता दें कि नीतीश कुमार के महागठबंधन में जाने के बाद कुशवाहा समाज पर राजनीति तेज हो गई है, उसकी मुख्य वजह है कि जातीय राजनीति समीकरण देखें तो बिहार में लगभग 16% यादव हैं तो 8% कुशवाहा समाज के लोग हैं. कुशवाहा समाज बिहार में दूसरी सबसे बड़ी जाति के रूप में है. ऐसे में उपेंद्र कुशवाहा ने पहले ही नीतीश कुमार से दूरी बना ली है और अब नागमणि भी कुशवाहा वोट बैंक के सहारे अपनी राजनीति को चमकाने में जुट गए हैं.

किशनगंज में मंदिर में लगी आग

भगवान की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, दीवार भी टूटी तोड़फोड़ की आशंका से आक्रोशित लोग

किशनगंज, 12 मार्च (एजेंसियां)। किशनगंज जिले के कोचाधामन प्रखंड स्थित बगलबाड़ी पंचायत मस्तान चौक पर बीती रात दुर्गा और हनुमान मंदिर में आग लगने का मामला सामने आया है। घटना में भगवान की मूर्ति सहित मंदिर जलकर नष्ट हो गया। आग लगने से मंदिर में स्थापित शिवलिंग और अन्य भगवान की मूर्तियां क्षत-विक्षत हो गईं। घटना में मंदिर के आसपास की दो-तीन दुकानें भी जलकर बर्बाद हो गई। मंदिर में आग लगने की सूचना मिलते ही लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन द्वारा आग पर काबू पाया गया।

मंदिर की दीवार भी क्षतिग्रस्त है, जिससे आशंका है कि किसी ने तोड़फोड़ की घटना के बाद मंदिर में जानबूझकर आग लगाई। घटना से आक्रोशित लोगों ने अहले सुबह ही किशनगंज-बहादुरगंज पथ पर मस्तान चौक को जाम कर दिया। आग लगाने वालों की पहचान कर उसके विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग करने लगे।

हरियाणा-यूपी के दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

दोनों के ऊपर 65 हजार का इनाम था; एक पर 12 तो दूसरे के खिलाफ 5 केस

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अलग-अलग घटनाओं में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी पर उत्तर प्रदेश और हरियाणा में 65 हजार रुपए का इनाम था। गिरफ्तार किए गए बदमाशों में एक 40 हजार रुपए का इनामी और दूसरा 25 हजार का इनामी था। हरियाणा पुलिस के अनुसार गुरुग्राम एसटीएफ की एक टीम ने पहले अभियान में बंधवारी, गुरुग्राम निवासी महेश उर्फ ढोलू को उसके पैतृक गांव से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ हरियाणा और उत्तर प्रदेश में विभिन्न धाराओं के तहत 12 से अधिक संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। यूपी पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 40 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। आरोपी ढोलू को आगे की कार्रवाई के लिए ट्रोनिका सिटी थाना नोएडा यूपी को सौंप दिया जाएगा।

अवैध कनेक्शन पर एक्शन: पूर्व सीएम आजाद भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना समेत कई की बिजली कटी

जम्मू, 12 मार्च (एजेंसियां)। बिजली निगम ने पूर्व सीएम एवं डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना और भाजपा के ही पूर्व विधायक नीलम लंगेह समेत जम्मू में कई लोगों के बिजली कनेक्शन काट दिए हैं। रविंद्र रैना का कनेक्शन अवैध पाया गया है। एक साल से मीटर रीडर कनेक्शन को काटने के लिए कह रहा था, लेकिन इसे नहीं हटाया गया। आजाद ने चार लाख रुपये का बिल नहीं भरा है। इसी तरह लंगेह ने 1 लाख रुपये बिल का भुगतान नहीं किया है। इस पर कार्रवाई करते हुए बिजली निगम ने कनेक्शन काट दिए हैं। मौजूदा समय में रविंद्र रैना सरकारी आवास गांधीनगर 14ए में, नीलम लंगेह गांधी नगर, जबकि आजाद बंगला नंबर-1 गांधी नगर में रह रहे हैं। बिजली निगम के अनुसार उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। इससे पहले इन सभी नेताओं को नोटिस जारी किया गया था। इसमें तीन दिन का समय दिया गया। इस अवधि में कुछ नहीं हुआ। बिजली निगम ने पूर्व सीएम एवं डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना और भाजपा के ही पूर्व विधायक नीलम लंगेह समेत जम्मू में कई लोगों के बिजली कनेक्शन काट दिए हैं। रविंद्र रैना का कनेक्शन अवैध पाया गया है। एक साल से मीटर रीडर कनेक्शन को काटने के लिए कह रहा था, लेकिन इसे नहीं हटाया गया। आजाद ने चार लाख रुपये का बिल नहीं भरा है। इसी तरह लंगेह ने 1 लाख रुपये बिल का भुगतान नहीं किया है। इस पर कार्रवाई करते हुए बिजली निगम ने कनेक्शन काट दिए हैं। मौजूदा समय में रविंद्र रैना सरकारी आवास गांधीनगर 14ए में, नीलम लंगेह गांधी नगर, जबकि आजाद बंगला नंबर-1 गांधी नगर में रह रहे हैं। बिजली निगम के अनुसार उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। इससे पहले इन सभी नेताओं को नोटिस जारी किया गया था। इसमें तीन दिन का समय दिया गया। इस अवधि में कुछ नहीं हुआ। बिजली निगम लोगों को बिल भरने के अवसर देता रहा है। अमेस्टी योजना के तहत भी बिलों को आसान किस्तों में अदा करने के लिए पहल की जा चुकी है अभी तक लोगों ने इसमें रुझान नहीं लिया है। अब निगम ऐसे बिजली उपभोक्ताओं पर कार्रवाई कर रहा है। प्रदेश के तीन बड़े नेताओं के कनेक्शन कटने के बाद शहर में चर्चाओं का बाजार गरमाया है। अभी मध्यम वर्गीय लोगों के ही कनेक्शन काटे जाते थे, लेकिन इस बार राजनेताओं के भी कनेक्शन काटे गए हैं।

कुल 400 कनेक्शन काटे गए, सरकारी विभागों की बिजली भी काटी

देर रात को कार्रवाई करते हुए बिजली निगम के अधिकारियों ने वाल्मीकि कॉलोनी में 400 से ज्यादा कनेक्शन काटे हैं। साथ ही 400 केवी के दो ट्रांसफार्मर से भी बिजली काटी गई है। यहां पर सफाई कर्मचारी रहते हैं। इसके अलावा एस्टेट विभाग और फ्लोरीकल्चर विभाग का भी कनेक्शन काट दिया गया है।

गार्ड रूम की बिजली कटी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना ने कहा कि वह राजोरी-पुंछ के दौरे पर हैं। उन्हें पता चला है कि सुरक्षागार्ड रूम की बिजली काटी गई है। रैना के अनुसार वह अकेले रहते हैं। ज्यादातर समय उनका विभिन्न क्षेत्रों में ही गुजरता है। वह बिजली का भुगतान भी दो से तीन माह के अंतराल में करते हैं। जम्मू पहुंचकर वास्तविक स्थिति पता चल पाएगी।

गलती से काटी गई बिजली

डीपीएपी प्रमुख गुलाम नबी आजाद के पीए दिल नवाज ने बताया कि बिजली निगम ने गलती से आजाद के सरकारी आवास की बिजली काटी है, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया। संपदा विभाग की ओर से बिजली के बिल का भुगतान किया जा रहा है।

जेल में बंद सश्रम कारावास के 21 हजार बंदियों की मजदूरी बढ़ाई

भोपाल, 12 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार ने जेलों में बंद कैदियों की मजदूरी में बढ़ाई है। सश्रम कारावास की सजा काट रहे 21 हजार कैदियों की मजदूरी में इजाफा किया है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को बताया कि कुशल कैदियों की मजदूरी 120 रुपए से बढ़ाकर 154 रुपए प्रतिदिन की गई। वहीं, अकुशल कैदियों को 72 रुपए की जगह 92 रुपए प्रतिदिन मजदूरी दी जाएगी। मिश्रा ने कहा कि 21 हजार कैदियों को लाभ होगा। बता दें प्रदेश में 11 केंद्रीय जेल, 41 जिला जेल, 73 सब जेल एवं 6 खुली जेल कुल 130 जेलें संचालित है। इनकी क्षमता 29 हजार 575 कैदियों की रखने की है। जबकि इसके विरुद्ध जेलों में 48 से 50 हजार कैदी बंद रहते है। कांग्रेस सोमवार को राजभवन का घेराव करने वाली है। इसको लेकर गृहमंत्री ने कांग्रेस और पीसीसी चीफ कमलनाथ पर तंज कसा। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मैने भी सुना है कि कांग्रेस कोई प्रदर्शन/घेराव करने जा रही है।

भोपाल सांसद बोलीं- राहुल को देश से निकाल देना चाहिए

प्रज्ञा ठाकुर ने कहा- विदेशी महिला से पैदा बेटा देशभक्त नहीं हो सकता

भोपाल, 12 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए कहा- विदेशी महिला से पैदा बेटा कभी देशभक्त नहीं हो सकता। राहुल विदेश में बैठकर कह रहे हैं कि हमें संसद में बोलने का मौका नहीं मिल रहा। इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। मैं ऐसे राहुल को दुत्कारती हूं। इन्हें अब राजनीति में मौका नहीं दिया जाना चाहिए। देश से बाहर निकाल दिया जाना चाहिए। भोपाल सांसद शनिवार को भोपाल-दाहोद ट्रेन को हरी झंडी दिखाने पहुंची थीं। सांसद ने राहुल गांधी की देशभक्ति पर सवाल उठाया। संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) रेलवे स्टेशन पर शनिवार से पांच ट्रेन को हॉल्ट दिया गया है।

कहा- कांग्रेसी सरकार को संसद चलाने नहीं दे रहे

संसद में कार्य अच्छा हो रहा है। सबकुछ अच्छा है, लेकिन कांग्रेसी लोग सरकार चलाने नहीं दे रहे। संसद चलने नहीं दे रहे हैं। उनका प्रयास है कि अगर इनकी संसद चली तो कार्य ज्यादा होंगे। ज्यादा होंगे तो हमारा अस्तित्व बचेगा ही नहीं। उनका अस्तित्व को खत्म होने की कगार पर आ गया है, लेकिन उनकी बुद्धि भी भ्रष्ट होती जा रही है। आप (राहुल गांधी) अपने देश के नेता हैं। आपको जनता ने चुना है। आप जनता और देश का अपमान कर रहे हैं'। आप भारत के नहीं हो, मान लिया हमने, क्योंकि आपकी माताजी इटली की हैं। हमने नहीं कहा, यह चाणक्य ने कहा है कि विदेशी महिला से उत्पन्न पुत्र कभी देशभक्त नहीं हो सकता। यह राहुल गांधी ने तय कर दिया है, क्योंकि भारत की संसद और जनता ने आपको सांसद चुना है। इतने वर्ष तक कांग्रेस की सरकार रही। आपने देश को खोखला कर दिया। आप विदेश में कहते हो कि हमें संसद में बोलने का अवसर नहीं मिल रहा। इससे शर्मनाक बात और कुछ नहीं हो सकती। मैं ऐसे राहुल गांधी को दुत्कारती हूं।

इन्हें देश से निकालकर फेंक देना चाहिए

सांसद ने कहा- राहुल गांधी पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए जाने चाहिए कि ये देश में कैसे राजनीति कर रहे हैं। इन्हें अब राजनीतिक अवसर नहीं देना चाहिए। इन्हें देश से निकालकर फेंक देना चाहिए।

संत हिरदाराम नगर में पांच ट्रेन का स्टॉपेज

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर पांच ट्रेनों को हॉल्ट यानी स्टॉपेज दिया गया है। लंबे समय से रहवासी रेल सुविधा की मांग कर रहे थे। आखिरकार इनके स्टॉपेज की मंजूरी दी गई। शनिवार से ट्रेनों को स्टेशन पर रोका जाने लगा है। सांसद ठाकुर ट्रेनों के ठहराव शुभारंभ अवसर पर स्टेशन पहुंची थीं। उक्त स्टेशन पर जयपुर-कोयंबटूर एक्सप्रेस, भोपाल-इंदौर एक्सप्रेस, भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस, पंचवेली एक्सप्रेस और मदुरै बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज होगा।

वन कर्मियों पर तीर और गोफन से हमला, एक ग्रामीण समेत 15 लोग घायल, भारी पुलिस बल तैनात

बुरहानपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले से 25 किलोमीटर दूर स्थित नेपानगर के घाघराला के जंगलों में अतिक्रमणकारियों और वन अमले के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में अतिक्रमणकारियों ने वन अमले पर तीर और गोफन से हमला कर दिया। अतिक्रमणकारियों के तीर और गोफन लगने से एक ग्रामीण सहित 14 वन कर्मी भी घायल हुए हैं। घायल हुए ग्रामीण को रेडक्रॉस सोसाइटी के जरिए 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि भी दी गई है। वहीं, बुराहनपुर कलेक्टर और एसपी ने भी मौके पर जाकर स्थिति देखी और आगे कार्रवाई के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने की बात कही है। बुरहानपुर के घाघराला के जंगलों में शनिवार को कार्रवाई करने पहुंची वन विभाग की टीम पर वन अतिक्रमणकारियों ने हमला कर दिया। इस हमले में वन कर्मियों सहित ग्रामीण भी घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि एक ग्रामीण की पीठ और वन कर्मी के हाथों में तीर लगने से जख्म भी हुए हैं।

जेपी नड्डा करेंगे बीजेपी के नए ऑफिस का भूमिपूजन

भोपाल, 12 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल के सात नंबर स्थित बीजेपी के प्रदेश कार्यालय के नए भवन का काम जल्द शुरु हो जाएगा। 27 मार्च को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भूमिपूजन करने भोपाल आएंगे। करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से बीजेपी का नया प्रदेश कार्यालय बनाया जाएगा। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने इसकी जानकारी दी है। बीजेपी का नया ऑफिस ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर बनाया जाएगा। करीब 100 करोड की लागत से बनने वाले इस ऑफिस में ज्यादा से ज्यादा नेचुरल एनर्जी सोर्सेज का यूज किया जाएगा। जैसे पूरी बिल्डिंग में रोशनी, हवा और हरियाली होगी। बिल्डिंग में अधिकांश बिजली की आपूर्ति सोलर पावर सिस्टम से की जाएगी। इसके लिए पूरी बिल्डिंग सोलर पैनल लगाए जाएंगे। इस ऑफिस में ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। 10 मंजिला इमारत की छत पर हैलीपैड बनाने का भी प्लान बनाया जा रहा है।

अब नहीं होगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

बीजेपी के मौजूदा प्रदेश कार्यालय के भवन से सटा हुआ कमर्शियल कॉप्लेक्स भी बना हुआ था। लेकिन अब नए ऑफिस में किसी भी प्रकार की कोई दुकान या कमर्शियल कॉम्प्लेक्स नहीं बनाया जाएगा। पुरानी इमारत में 20 हजार वर्ग फीट पर कार्यालय और 27 हजार वर्गफीट पर दुकानें बनी हुई थीं। पुराने भवन में संचालित दुकानों के मालिकों ने इसको लेकर काफी विरोध भी किया था।

कैथल में ज्वेलर ने युवती से किया रेप

कैथल, 12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल में ज्वेलर द्वारा युवती से रेप करने का मामला सामने आया है। युवती जालंधर से अपनी बहन के ससुराल सीवन आई थी। पहले ज्वेलर ने आभूषण पसंद करने के बहाने युवती को अपना मोबाइल नंबर दिया। इसके बाद उसने आभूषण को लेकर बात की। इसके बाद 2 मार्च को एक होटल में ले जाकर उसके साथ रेप किया। महिला थाना पुलिस को दी शिकायत में जालंधर निवासी युवती ने बताया कि कुछ दिन पहले वह सीवन में अपनी बहन के घर आई थी। उस समय वह सीवन में ही अपनी बहन के साथ ज्वेलर की एक दुकान में आभूषण देखने गई थी। वहां उसकी दुकानदार साहिल से मुलाकात हुई थी। साहिल ने उसे वहां अपना मोबाइल नंबर दे दिया। वहां जाकर वे फोन के माध्यम से आपस में बात करने लगे। एक मार्च को वह फिर सीवन में अपनी बहन के घर आई। अगले दिन 2 मार्च को साहिल उसे कैथल में एक होटल में ले आया। फिर खाना खाने के बहाने उसके साथ रेप किया।

हरियाणा में पारा चढ़ा: सिरसा का दिन सबसे गर्म

34.6 डिग्री पहुंचा, 5 दिन तक बारिश के आसार नहीं

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में मौसम करवट ले चुका है। राज्य के कुछ जिले ऐसे चिह्नित किए गए हैं जिनमें अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। सिरसा जिले के दिन सबसे गर्म दर्ज किए गए हैं। यहां का पारा 34.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। हालांकि दिन और रात में 40 से 50 किलोमीटर की स्पीड चलने वाली हवाएं लोगों को जरूर गर्मी से राहत देंगी।

इन जिलों का पारा 30 के पार

हरियाणा के कुछ जिले ऐसे हैं जिनका अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार रिकॉर्ड किया गया है। इनमें हिसार (32.8), महेंद्रगढ़ (33.8), भिवानी (32.0), अंबाला (31.0), फरीदाबाद (33.2), फतेहाबाद (30.7), गुरुग्राम

(31.3), बालसमंद (34.2), झज्जर (31.0), जींद (32.0) मेवात (32.5) और रेवाड़ी शामिल हैं।

दोपहर में सता रही है गर्मी

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बार-बार मौसम में परिवर्तन आ रहा है। जिसकी वजह से सुबह जहां हल्की ठंड हो रही है तो वहीं दोपहर में पसीने वाली गर्मी सता रही है। मौसम विभाग ने आने वाले 2-3 दिनों में तेज हवाओं के चलने की संभावना जताई है। हालांकि कुछ स्थानों पर बादल छाए रहने का अनुमान है, लेकिन बारिश की बहुत कम संभावना बनी हुई है।

गेहूं को पहुंचा सकता है नुकसान

होली के बाद सरसों की कटाई शुरू हो गई है तो वही गेहूं की फसल अभी पकाव पर है। इसकी अप्रैल महीने में कटाई शुरू हो जाएगी। गेहूं की फसल के पकाव के लिए थोड़ा कम तापमान अच्छा रहता है, लेकिन दिन-प्रतिदिन बढ़ती गर्मी से गेहूं की फसल पर भी असर पड़ सकता है।

नौशेरा में हथियार-नशीला पदार्थ व विस्फोटक उपकरण की खेप बरामद, एलओसी पर सेना की कार्रवाई

जम्मू कश्मीर, 12 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के नौशेरा में नार्कों आतंक का भंडाफोड़ हुआ है। भारतीय सेना ने नौशेरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अग्रिम क्षेत्र से हथियार और नशीले पदार्थों के साथ-साथ विस्फोटक उपकरण की खेप बरामद की है अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा पर तैनात भारतीय सेना की बटालियन ने ऑपरेशन के दौरान इस खेप को बरामद किया है। बरामद सामग्री में दो पिस्टल, करीब दो किलो नशीला पदार्थ और दो किलो की आईईडी शामिल है। सेना की तरफ से इलाके में तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों ने कहा कि इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि यह नियंत्रण रेखा के पार तस्करी का प्रयास है। उधर, रविवार को उत्तरी कश्मीर के हंदवाड़ा में पुलिस ने आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने बताया कि हंदवाड़ा के हंगनीकूट इलाके में पुलिस ने रविवार को बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि शालनार हंगनीकूट में तलाशी अभियान चलाया गया। क्षेत्र की तलाशी के दौरान हथियारों और गोला-बारूद का एक पुराना डंप मिला। इसमें एक एके 47 राइफल के साथ दो मैगजीन और 75 राउंड, 10 ग्रेनेड, 26 यूबीजीएल ग्रेनेड, आठ यूबीजीएल बूस्टर, दो फ्लेम थ्रोअर, पांच रॉकेट शेल और तीन रॉकेट बूस्टर शामिल थे। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

जदयू की पूर्व सांसद मीना सिंह भाजपा में, बोलीं- नीतीश ने अपनी पार्टी को धोखा दिया तो छोड़ आई

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की पूर्व सांसद मीना सिंह ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। भोजपुर-शाहाबाद के कद्दावर नेता और सांसद रहे अजीत कुमार सिंह की 2007 में हादसे में मौत के बाद उनकी पत्नी मीना सिंह को जदयू ने संसदीय चुनाव में उतारा था। 2008 से 2014 तक, दो टर्म जदयू से सांसद रहीं मीना सिंह ने रविवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी समेत प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में अपने बेटे विशाल सिंह के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। मीना सिंह ने कहा कि वह नीतीश कुमार का साथ नहीं छोड़तीं, लेकिन वही जब अपनी पार्टी जदयू को धोखा देकर राजद के जंगलराज को लाने में जुट गए तो कोई रास्ता नहीं बचा। पूर्व सांसद मीना सिंह ने तीन मार्च को जदयू छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने जदयू छोड़कर नई पार्टी 'राष्ट्रीय लोक जनता दल' बनाने वाले उपेंद्र कुशवाहा की तरह कहा था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति उनकी पूरी आस्था थी, लेकिन अब वह अपनी पार्टी के प्रति आस्थावान नहीं हैं। उन्होंने जंगलराज के युवराज के साथ इस बार केवल हाथ नहीं मिलाया, बल्कि सत्ता पूरी तरह सौंप दी है। कुर्सी पर नीतीश कुमार भले बैठे हैं, लेकिन राज राजद और उसके राजकुमार तेजस्वी यादव का चल रहा है। रविवार को बापू सभागार में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करते हुए मीना सिंह ने कहा कि भाजपा ने जदयू के साथ मिलकर बिहार को जंगलराज से मुक्त कराया था और अब राजद के जंगलराज में साथ दे रहे जदयू को सत्ता से हटाने के लिए वह भाजपा के साथ आई हूं। बिहार के लोगों को चिंताएं घटाने के लिए और कानून का राज स्थापित करने के लिए भाजपा ही बिहार में इकलौता विकल्प है।

कांग्रेस का राजभवन घेराव और विशाल मार्च आज

गृहमंत्री का कमलनाथ पर तंज, बोले- दुबई में बना रहे रणनीति

भोपाल, 12 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोमवार को राजभवन का घेराव करेगी। कांग्रेस बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और उद्योगपति अडाणी के मुद्दे को लेकर बीजेपी को घेरेंगी। इस प्रदेश में कांग्रेस के सभी विधायक और पदाधिकारी उपस्थित रहेगी। इस प्रदर्शन को लेकर बीजेपी ने भी कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस और कमलनाथ पर तंज किया। मिश्रा बोले- उनके अध्यक्ष दुबई में आंदोलन की रणनीति बना रहे है। भोपाल के जवाहर चौक पर राजभवन के घेराव से पहले जनसभा का आयोजन किया गया है। इसके बाद दोपहर में पैदल मार्च कर राजभवन का घेराव किया जाएगा। इस घेराव में पीसीसी चीफ कमलनाथ, प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल, विधायक, पूर्व विधायक और सांसद समेत सभी मोर्चा के पदाधिकारी शामिल होंगे। कांग्रेस संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण जनता परेशान है। एक उद्योगपति गौतम आडानी के लिए अपनाई गई नीति के कारण आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है। देश में महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध से जनता त्रस्त है। संविधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसके खिलाफ ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर घेराव और प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। कांग्रेस सोमवार को राजभवन का घेराव करने वाली है।

दिल्ली में खौफनाक घटना कुत्तों ने दो सगे भाइयों को नोच-नोचकर मार डाला शरीर के किए कई टुकड़े

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पांच से छह लावारिश कुत्तों ने दो सगे भाइयों को नोच -नोच कर मार डाला। बड़े भाई को 2 दिन पहले नोचा था जबकि छोटे भाई को कुत्तों ने नोच- नोच कर रविवार को मार डाला। बड़े भाई की उम्र 7 वर्ष और छोटे भाई की उम्र 5 वर्ष है। तीन भाइयों में दोनों सबसे छोटे भाई थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है। हालांकि बड़े भाई के शव का पोस्टमार्टम हो चुका है। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने बताया कि बच्चे के शरीर पर कुत्तों के काटने के बहुत सारे निशान पाए गए हैं। शरीर के कई अंग करीब करीब अलग हो गए थे। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार सुषमा अपने 9 वर्षीय बड़े बेटे, 7 वर्षीय बेटे आनंद और 5 वर्षीय आदित्य के साथ सिंधी कैंप, वसंत कुंज इलाके में रहती है। बताया जा रहा है कि सुषमा का पति इलाहाबाद यूपी में रहता है।

कश्मीर: बडगाम में श्रद्धा हत्याकांड जैसी वारदात

महिला की हत्या कर अलग-अलग जगह फेंके शव के टुकड़े

बडगाम, 12 मार्च (एजेंसियां)। मध्य कश्मीर के बडगाम में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने यहां एक युवती की हत्या करने और फिर उसके शव के टुकड़ों को अलग-अलग जगह फेंकने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि 30 वर्षीय महिला शिक्षा में स्नातक की पढ़ाई कर रही थी। सात मार्च से वह लापता हो गई थी। महिला की कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने आठ मार्च को शब्बीर अहमद को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने शनिवार को अपना अपराध कबूल कर लिया है। 45 वर्षीय आरोपी शब्बीर शादीशुदा है और बडगाम जिले के ओमपोरा इलाके का रहने वाला है। वह बढ़ई का काम करता है। हालांकि पुलिस अभी तक हत्या के मकसद का खुलासा नहीं कर पाई है, लेकिन महिला के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि पुरुष ने पहले शादी के लिए उसके परिवार से संपर्क किया था, लेकिन महिला ने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। पुलिस ने बताया, 'महिला पिछले चार दिनों से अपने घर से लापता थी। आरोपी ने खुलासा किया कि उसने महिला की हत्या कर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और उन्हें रेलवे ब्रिज ओमपोरा और सेबदेन समेत अलग-अलग जगहों पर ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने शनिवार की रात पीड़िता के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों को बरामद किया है। मामले में पुलिस की आगामी जांच जारी है। उधर, महिला के परिवार का कहना है कि आरोपी अहमद टाइल से संबंधित किसी काम के लिए उसके घर आया था। यह मामला दिल्ली में श्रद्धा वाकर हत्याकांड की तरह ही जघन्य है, जहां 27 वर्षीय महिला की उसके लिव-इन पार्टनर आफताब अमीन पूनावाला ने गला घोंट कर हत्या कर दी थी। फिर उसने उसके शरीर को 35 टुकड़ों में काट दिया और अवशेषों को दिल्ली के जंगल में फेंकने से पहले रेफ्रिजरेटर में जमा कर दिया था।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 13 मार्च- 2023

उपेक्षित बुजुर्ग

आजकल कुछ ऐसी बयार चली है कि लोग अपने घरों में ही बुजुर्गों को एक बोझ की तरह देखने लगे हैं। देखभाल और संवेदना के अभाव से उपजी निराशा और पीड़ा से असमय ही वे कई तरह की मनोवैज्ञानिक समस्याओं में उलझकर रह जाते हैं। जिसका दुष्प्रभाव उनके जीवन पर भी पडता है। देखा जाए तो लगभग सभी समाजों में बुजुर्गों के जीवन को आसान बनाने और उनका खयाल रखने के लिए सरकारों ने कई कल्याणकारी योजनाएं बनाई हैं, परिवारों में भी उनके लिए अलग से उपाय किए जाते हैं। लेकिन इस सच से कौन इनकार कर सकता है कि वृद्धावस्था में पहुंचे लोगों को कई बार अपनों के हाथों ही उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। ऐसे में उस स्थिति का अंदाजा लगाना कठिन नहीं है, जिसमें बहुस्तरीय मुश्किलों से जूझते बुजुर्ग स्मृतिलोप या मतिभ्रम का भी शिकार हो जाते हैं। सामान्य वृद्धावस्था को भी बोझ की तरह देखने वाले परिवार इस समस्या से घिर जाने वाले अपने ही बुजुर्गों के प्रति बेहद क्रूर व्यवहार करने लगते हैं। जबकि परिवार या व्यक्ति का सकारात्मक और संवेदनशील रवैया स्मृतिलोप की मुश्किल से घिरे किसी वृद्ध व्यक्ति के भीतर जीवन का संचार कर सकता है। मगर व्यवहार के स्तर पर संवेदनशीलता या फिर प्रशिक्षण के अभाव की व्यापक सामाजिक समस्या की वजह से बुजुर्गों का जीवन अपने आखिरी दौर में बेहद मुश्किल हो जाता है। बता दें कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सहित दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की ओर से किए गए एक शोध में यह बताया गया है कि आने वाले वक्त में भारत में साठ साल या उससे ज्यादा के एक करोड़ से भी अधिक लोगों के डिमेंशिया यानी स्मृतिलोप की चपेट में आने की आशंका है। जर्मन नेचर पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी कलेक्शन में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक सन 2050 तक भारत की कुल आबादी में साठ साल से ज्यादा उम्र वालों की संख्या करीब उन्नीस फीसद होगी। ऐसे में यदि एक करोड़ से ज्यादा बुजुर्ग स्मृतिलोप जैसी समस्या के शिकार हो जाएं, तो व्यापक पैमाने पर उनका सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन किस तरह की त्रासदी का शिकार होगा, इसका अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। हालांकि भारत में पहली बार हुए इस तरह के अध्ययन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल किया जा चुका है। यों आधुनिक तकनीकी की क्षमता में लगातार बढ़ोतरी के दौर में कृत्रिम मेधा या बुद्धिमत्ता के आकलन को विश्वसनीय माना जाता है, लेकिन अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि क्या इसके जरिए मनुष्य के विवेक और बौद्धिकता के मुकाबले ज्यादा विश्लेषणपरक नतीजे हासिल किए जा सकते हैं! स्मृतिलोप से ग्रस्त बुजुर्गों के भीतर किसी चीज या बात के बारे में भूलने की समस्या पैदा हो जाती है। इससे गंभीर रूप से परेशान वृद्ध के लिए सामने खड़े व्यक्ति को पहचान पाना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन जिन परिवारों में बुजुर्गों के प्रति पर्याप्त सम्मान, प्यार और संवेदनशीलता बरत पाने वाले लोग होते हैं, उनमें ज्यादा उम्र की अशक्तता के बावजूद किसी वृद्ध व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक सेहत बेहतर बनी रहती है। फिर यह पारंपरिक धारणा भी समस्या बनती जा रही है कि बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति को ज्यादा आराम करना चाहिए। निश्चित रूप से शरीर की सीमा और क्षमता का ध्यान रखना एक अनिवार्य पहलू है। लेकिन सच यह है कि समस्या के स्रोतों की पहचान, बेहतर खानपान के साथ-साथ शरीर और मन-मस्तिष्क की सक्रियता या व्यायाम आदि के सहारे स्वस्थ रहना संभव है। इसलिए यह बढ़ती उम्र के लोगों के भी उतना ही जरूरी है जितना युवाओं के लिए। अगर ऐसी स्थितियां निर्मित की जाएं, जिसमें बुजुर्गों की रोजमर्रा की जिंदगी को खुश और सेहतमंद बनाए रखने के इंतजाम हों, तो उन्हें न केवल स्मृतिलोप जैसी कठिनाइयों से बचाया जा सकेगा, बल्कि उनके लंबे जीवन-अनुभवों का लाभ भी समाज और देश को मिल सकेगा। लेकिन सवाल है कि परिवार में उनके प्रति आदर का भाव कब उपजेगा?

सांस्कृतिक- पारिवारिक लोकपर्व गणगौर

सुनील कुमार महला

गणगौर राजस्थान की संस्कृति से जुड़ा प्रसिद्ध त्योहार हैं, जो भगवान शिव व देवी पार्वती को समर्पित है। गणगौर त्योहार को हिंदू कैलेंडर के अनुसार तृतीया तिथि, शुक्ल पक्ष, चैत्र माह में मनाया जाता है। गणगौर महोत्सव-2023 08 मार्च 2023 - 24 मार्च 2023 को मनाया जा रहा है। मालवा की शान 'गणगौर' वैसे तो राजस्थानियों का विशुद्ध लोकपर्व है, लेकिन राजस्थान के अलावा भी यह लोकपर्व देश के अनेक भागों में हर्षोल्लास, खुशी के साथ मनाया जाता है। यह लोकपर्व वास्तव में राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति में रमा-बसा हुआ लोकपर्व है और खुशहाल दाम्पत्य जीवन से जुड़ा हुआ है। जानकारी देना चाहूंगा कि आज देश में राजस्थानियों के अलावा इसे उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बुंदेलखंड और ब्रज, गुजरात, पश्चिमी बंगाल क्षेत्र में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यदि हम इस त्योहार(लोकपर्व) के मनाये जाने की बात करें तो यह होलिका दहन के दूसरे दिन यानी कि चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से यानी कि छरंडी के दिन से या यूं कहें कि रंगों से खेलने के दिन से चैत्र शुक्ल तृतीया तक इसे मनाया जाता है। बुजुर्ग बताते हैं कि यह अट्ठारह दिनों तक चलने वाला लोकपर्व है। माना जाता है कि माता गवरजा(पार्वती मां) होली के दूसरे दिन अपने पीहर आती हैं तथा अठारह दिनों के बाद ईसर (भगवान शिव) उन्हें फिर लेने के लिए आते हैं और चैत्र शुक्ल तृतीया यानी कि 'तीज' को उनकी विदाई होती है। वैसे तो यह विवाहित महिलाओं का लोकपर्व है लेकिन कुंवारी लड़कियाँ भी इस दिन माता गौरी(पार्वती जी) और भगवान शिव(ईसर) की पूजा-अर्चना करतीं हैं।जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। अक्सर यह बात कही जाती है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्योहार मनाया जाता है।कामदेव की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर 'नेगचार' की रस्में भी अदा की जाती हैं। कहते हैं कि छरंडी के दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होलिका दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर काजल और रोली की टीका लगाती हैं और शीतलाष्टमी के त्योहार तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुए गीत गाती हैं- 'गौर ये गणगौर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।' गणगौर पर गणगौर की कहानी सुनने की भी परंपरा है। गणगौर को भोग लगाया जाता है।लड़कियां कुंए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं-'म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो,बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो,म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो।' गणगौर का 'बिंदौरा' भी निकाला जाता है और गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का 'सिंजारा'

क्या यूक्रेन विश्वयुद्ध का कारण बनेगा?

रघु ठाकुर

पिछले दिनों अचानक अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन यूक्रेन पहुंचे और उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात कर उन्हें पूरी मदद का आश्वासन दिया। उनकी यात्रा गोपनीय रखी गई थी और यूक्रेन की राजधानी कीव को अमेरिकी सुरक्षा विमानों से घेर दिया गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति की सुरक्षा किया जाना स्वभाविक है। और यह इस बात का भी संकेत है कि अमेरिकी प्रशासन रूस से कितना भयभीत है। जो बाइडन के दौरे की सूचना मिलने के तत्काल बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने अमेरिका के साथ 13 वर्ष पहले की गई परमाणु अप्रसारण संधि जो परमाणु परीक्षण पर रोक लगाने की थी को एक तरफा निरस्त करने की घोषणा कर दी। सन्धियों को एक तरफा निरस्त किया जाना अंतराष्ट्रीय कानूनों के द्रष्टिकोण से भी गलत है और संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर व प्रस्ताव के भी खिलाफ है। परंतु पुतिन ने 21 फरवरी को ही अपने इस कदम की सफाई देते हुए कहा कि शुरूआत से जंग नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि मास्को ने तमाम कूटनीतिक प्रयास किये और नाटो के साथ शांति वार्ता का प्रस्ताव दिया लेकिन नाटो और अमेरिका ने इन्हें मंजूर नहीं होने दिया। इस घोषणा से रूस ने यह भी संकेत अमेरिका, यूरोप व दुनिया को दे दिया कि अगर अमेरिका व यूरोप खुले तौर पर यूक्रेन का समर्थन करते रहेंगे या युद्ध में हिस्सेदारी करेंगे तो अब रूस परमाणु हथियारों के प्रयोग करने के लिये स्वतंत्र है। यह आश्चर्य की बात है कि रूस की इस घोषणा के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने कोई युद्ध को रोकने का स्पष्ट निर्देश नहीं दिया। इतना अवश्य हुआ कि संयुक्त राष्ट्र संघ में रूस की सेनाओं की यूक्रेन से वापिसी का प्रस्ताव आया। इस प्रस्ताव पर लगभग 142 देशों ने अपना समर्थन व्यक्त किया कि रूसी सेनाओं को यूक्रेन से वापिस बुलाया जाना चाहिये परन्तु यह आश्चर्यजनक है कि भारत जिसके शासक अपने आपको विश्व गुरू या विश्व नेता होने का दावा करते हैं

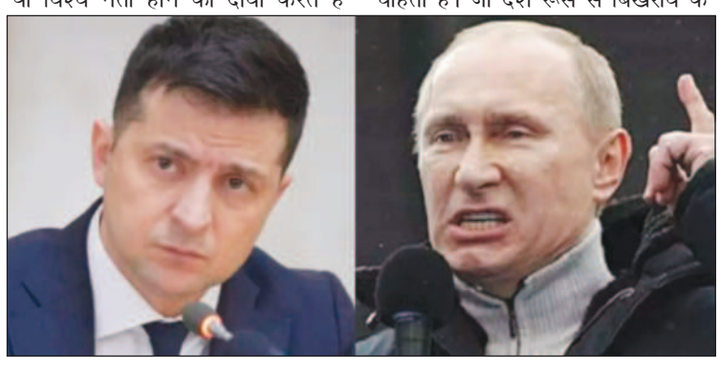

उन्होंने इस प्रस्ताव पर मतदान से अलग रहने का निर्णय किया। यह एक प्रकार से विश्व जनमत से अलग होना है। इसकी प्रतिक्रिया विश्व में सरकारी स्तर पर कितनी हुई इसका आंकलन करना अभी कठिन है। क्योंकि सरकारें अमूमन अपने हितों के आधार पर तय करती है, परन्तु विश्व जनमत में अवश्य इसकी प्रतिक्रिया भारत व भारत के शासकों के खिलाफ हुई है। अब दुनिया का आम इंसान युद्ध नहीं चाहता और अपनी आजादी को भी कायम रखना चाहता है। रूस में राष्ट्रपति पुतिन के द्वारा संविधान संशोधन कर 2035 तक राष्ट्रपति बने रहने का प्रस्ताव एक प्रकार से लगभग आजीवन बने रहने का प्रस्ताव है। और चूंकि रूसी व्यवस्था एक अर्थ में सैन्य नियंत्रण व्यवस्था है। अतः जनमत का असंतोष या विरोध सार्वजनिक रूप से उजागर नहीं हो पाता। दूसरे रूसी समाज के मन में छिपा राष्ट्रवाद भी पुतिन का मानसिक सहायक है क्योंकि आम रूसी पुराने यू.एस.स.आर. के (व्यापक रूस के) पुराने स्वरूप को पुनः हासिल करना चाहता है। जो देश रूस से बिखराव के बाद अलग हुये उन्हें किसी भी तरह या बल प्रयोग के द्वारा रूस में वापिस मिलाने के प्रति उनकी मूक सहमति है, इसलिये भले ही यूरोप या अमेरिका नियंत्रित मीडिया कितना भी प्रचार करे अभी तक रूस में पुतिन के खिलाफ कोई सशक्त आवाज नहीं उठ पाई है।

चीन ने भी रूस का समर्थन किया है क्योंकि जिस प्रकार रूस अपने अलग हुये धड़ों को मिलाना चाहता है उसी प्रकार चीन भी अपने पड़ोसी देशों के संबंध में यही कर रहा है। उसने तिब्बत को हड़पा उसने हांग-कांग पर कैंजा किया-ताईवान आदि कई देश उसके निशाने पर है, याने एक अर्थ में अलग-अलग क्षेत्रों में रूस व चीन का एक ही एजेंडा है। परन्तु भारत को इस विश्व जनमत के अलगाव से भौतिक या नैतिक क्या लाभ होगा यह कहना कठिन है? मान लेते है कि रूस भारत को बड़ी मात्रा में और कम दरों पर गैस उपलब्ध करा रहा है, परन्तु अपने स्वार्थ के लिये इस 21वीं सदी में किसी देश की आजादी को बलात छिनते देखना द्रोपदी के चीर हरण और भीष्म पितामह की मूक दर्शक जैसी वैश्विक पुनरावृत्ति है।

इसी बीच श्री एस. जय शंकर विदेश मंत्री ने यह कहकर कि चीन की अर्थ व्यवस्था भारत से कई गुना बड़ी है इसलिये चीन से लड़ना संभव नहीं है चीनी शासकों के मनोबल को और बढ़ा दिया है। भारतीय सेना में निराशा का वातावरण पैदा हुआ है। यह एक प्रकार से भारत की सीमाओं पर चीन के द्वारा 1962 के बाद किये गये कैंजे को वापिस लेने के संकल्प से पीछे हटना है। एक राष्ट्र के विदेश मंत्री के नाते उनका यह बयान अपरिपक्व और कूटनीति के खिलाफ माना जायेगा। श्री एस. जयशंकर की छवि पिछले दिनों एक बेबाक मंत्री के रूप में सामने आई थी जब उन्होंने यूरोप अमेरिका को स्पष्ट शब्दों में उत्तर देकर आईना दिखाया था। अब उनके कथन से न केवल उनकी छवि एक कमजोर विदेश मंत्री की बनी है बल्कि समूची सरकार ही कठघरे में खड़ी हो गई है। अफगानिस्तान में भी भारत तालिबान को विभिन्न प्रकार से आर्थिक मदद देकर शांति खरीद रहा है। हालांकि यह सौदा कब तक लाभकारी होगा यह कहना कठिन है। भारत सरकार के बयानों व कदमों से भारत की वैश्विक छवि अमेरिका के पिछ लग्गू देश की बनी है और भारत विश्व गुरू बनने के बजाय विदेश नीति के मामले में अमेरिका का शिष्य बन रहा है। यूक्रेन में अभी तक लगभग 9100 से अधिक सैनिक मारे जा चुके है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय का अनुमान है कि युद्ध शुरू होने के बाद से अभी तक करीब 3 लाख लोग मारे गये हैं। यूक्रेन के अधिकांश जिले शहर रूसी हमलों में तबाह हो चुके है। यूक्रेन का संरचनात्मक ढांचा बहुत हद तक क्षतिग्रस्त हो चुका है। अमेरिका व यूरोप की आर्थिक सहायता से कब तक यूक्रेन लड़ता रहेगा यह कहना कठिन है क्योंकि अंततः मरना तो यूक्रेन को ही पड़ रहा है। यूक्रेन के नागरिकों की राष्ट्रीयता व बहादुरी को सलाम किया जाना चाहिये कि वह अपने मुल्क की आजादी के लिये सब कुछ कुर्बान करने को तैयार है। रूस के दूसरे देशों को कैंजाने के कदमों को रोका जाना चाहिये। क्योंकि यह नहीं हुआ तो इन्हीं की पुनरावृत्ति के लिये चीन तैयार बैठा है। विश्व के स्तर पर मानवता और स्वतंत्रता पीड़ित है और पराजय की ओर है। हिंसा और ताकत विजय और विस्तार की ओर है। यह एक ऐसा बड़ा वैश्विक संकट है जो समची दुनिया को युद्ध के खतरों में ढकेल सकता है। भारत और सारी दुनिया को इस पर गहन चिंतन मनन करना चाहिये वरना 21वीं सदी दुनिया के नये राजाओं की मालकियत जैसी बन जायेगी। विश्व पूँजीवाद के बाद यह विश्व सामंतवाद का रूपांतरण दुनिया में लोकतंत्र व्यवस्था को ही असफल सिद्ध कर सकता है।

क्या कांग्रेस ने अपने असली समर्थकों की पहचान कर ली है ?

श्रवण गर्ग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को 23 फ़रवरी के दिन रायपुर अधिवेशन में भाग लेने जाने से रोकते हुए विमान से उतरवाकर असम पुलिस के हवाले किए जाने के विरोध में जब उनके साथ यात्रा कर रहे पार्टी के अन्य नेता-कार्यकर्ता इंडिगो के पास ही धरने पर बैठ नारेबाज़ी करने लगे तो कुछ मुखर सहयात्री नाराज़ हो गए। इन यात्रियों की नाराज़गी खेड़ा की कथित तौर पर अनुचित तरीक़े और आनन-फ़ानन में की गई गिरफ़्तारी अथवा क़ानून के राज की खुले आम भर्त्सना को लेकर क़तई नहीं थी। न ही वे खेड़ा के प्रति सार्वजनिक तौर पर समर्थन व्यक्त करने की हिम्मत सरकार को दिखाना चाहते थे।

इन सहयात्रियों का ग़ुस्सा इस बात को लेकर था कि खेड़ा की गिरफ़्तारी के ख़िलाफ़ उनके साथियों के विरोध-प्रदर्शन से विमान के प्रस्थान में देरी हो रही है जबकि रायपुर में घरों पर बच्चे उनका बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। कौन थे ऐसे नागरिक-सहयात्री जो कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ उस विमान में रायपुर तक यात्रा करने की जोखिम उठा रहे थे ? क्या वे वही थे जो राहुल गांधी को उनकी बहु-चर्चित 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सड़कों पर प्राप्त हुए थे ? या कि विमान पर सवार इन संभ्रांत नागरिकों के चेहरे सड़क पर चलने वाले उन हाड़-मांस के शरीरों से अलग थे ? तो फिर इन यात्रियों के चेहरे किनसे मेल खाते होंगे ?याददाश्त अगर धोखा नहीं दे रही है तो रायपुर जाने वाले इन मुखर मुसाफ़िरों की नाराज़गी का उन सैंकड़ों यात्रियों के परिवारजनों के चेहरों से मिलान किया जा सकता है जिनके विमान को 24 दिसंबर 1999 की सुबह पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा काठमांडू से हाईजैक कर अमृतसर, लाहौर और दुबई होते हुए अंत में कंधार (अफ़ग़ानिस्तान) में उतारा गया था। बंधक यात्रियों की नए साल की पूर्व-संध्या (31 दिसंबर) पर रिहाई के पहले देश ने सात-आठ दिनों तक जो अभूतपूर्व हंगामा और ड्रामा देखा था उसकी अखबारी कतरनें आज भी तलाश की जा सकतीं हैं। सौभाग्य से आज जैसा गोदी मीडिया उस समय देश में नहीं था। अपहरणकर्ताओं ने बंधक बनाए गए यात्रियों की आज़ादी के बदले भारत की जेलों में क़ैद अपने तीन ख़ूँख़ार आतंकी साथियों को रिहा कर उन्हें अफ़ग़ानिस्तान लाने की माँग की थी। अटल जी के नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार उस समय केंद्र की सत्ता में थी और बंधकों की मुक्ति के लिए हर संभव विकल्प पर काम कर रही थी । यात्रियों के परिजन सरकार की कार्रवाई पर यक़ीन करने को तैयार नहीं थे। उनका धैर्य टूटता जा रहा था। ऐसे तनावपूर्ण वक्त के दौरान जब एक दिन विदेश मंत्री जसवंतसिंह की प्रेस कांफ्रेंस चल रही थी बंधक यात्रियों के कुछ रिश्तेदार उसमें घुस गए। इन रिश्तेदारों का कहना था कि उन्हें इस बात से मतलब नहीं कि यात्रियों के बदले में किसे छोड़ना, नहीं छोड़ना है। उन्हें तो बस अपने संबंधितों की अपहरणकर्ताओं से मुक्ति चाहिए। वे उनके घर लौटने की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। इतिहास गवाह है कि बंधक यात्रियों के रिश्तेदारों और नागरिकों के प्रभावशाली वर्ग ने अटल सरकार पर तब तक इतना दबाव बना दिया था कि जसवंतसिंह तीनों ख़ूँख़ार आतंकियों की भारतीय जेलों से रिहाई करवा उन्हें एक विशेष विमान से साथ लेकर कंधार पहुँचे और उसके बाद वहाँ बंधक बने विमान यात्रियों को आज़ाद कराया गया। कारगिल युद्ध के हीरो अटलबिहारी वाजपेयी को उनके ही देशवासियों ने हरा दिया था।

समूचे घटनाक्रम की इतने अप्रिय तरीक़े से हुई समाप्ति के बाद के विश्लेषणों में कहा गया था कि परिणामों की चिंता न करते हुए देश के नागरिक अगर कारगिल युद्ध की तरह ही अटल जी का बहादुरी से साथ दे देते और सरकार आतंकियों की माँगें मानने से इंकार कर देती तो सीमा पार के आतंकवाद की समस्या हमेशा के लिए ख़त्म हो जाती। ऐसा नहीं हुआ। हुआ यह कि चार साल बाद 2004 में जब लोकसभा के चुनाव हुए तो इन्हीं नागरिकों ने अटलजी की सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया। इस पराजय से लगे सदमे के बाद अटलजी ने भी अपने आपको सत्ता की राजनीति से आज़ाद कर लिया। आतंकवाद और अधिनायकवाद के प्रवेश द्वार अकेले शासकों द्वारा ही नहीं खड़े किए जाते ! नागरिक भी इस काम में तत्कालीन तानाशाही प्रवृत्तियों की मदद करते हैं। उल्लेखनीय यह है कि नागरिकों को पता ही नहीं चल पता है कि वे किस तरह की तानाशाही को आमंत्रित कर रहे हैं। अधिनायकवाद की तरफ़ बढ़ती हुकूमतें जब नहीं चाहतीं कि लोग अपने पैरों पर खड़े हो सकें तो वह उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं में लगातार इज़ाफ़ा करती जातीं हैं। इन सुविधाओं में मुफ़्त में बंटने वाले अनाज को भी शामिल किया जा सकता है। बिना संघर्ष किए प्राप्त होने वाली सुविधाओं में ज़रा सी कमी नज़र आते ही ये नागरिक बेचैन होने लगते हैं। शिकायतें और नाराज़गी ज़ाहिर करने लगते हैं। असम राज्य के किसी व्यक्ति की शिकायत पर वहाँ की पुलिस द्वारा ताबड़तोड़ तरीक़े से दिल्ली पहुँचकर रायपुर जाते पवन खेड़ा को विमान से उतारकर गिरफ़्तार किए जाने के विरोध में धरने पर बैठे कांग्रेसी नेताओं ने दबी ज़ुबान से भी एक महत्वपूर्ण सवाल का संज्ञान नहीं लिया होगा ! सवाल यह था कि अपनी सुविधाओं की क़ीमत पर जनता का एक बड़ा और प्रभावशाली वर्ग लोकतंत्र की लड़ाई में न सिर्फ़ कांग्रेस का साथ देने के लिए कभी तैयार नहीं होगा ,थोड़ी सी भी असुविधा होने पर विरोध अवश्य ज़ाहिर करने लगेगा। सरकार के ख़िलाफ़ लड़ाई के लिए कांग्रेस को अपनी जनता का चुनाव काफ़ी-सोच-समझकर करना पड़ेगा। मानकर चला जा सकता है कि राहुल और कांग्रेस से लड़ने के लिए प्रधानमंत्री तो अपनी जनता की भर्ती काफ़ी पहले पूरी कर चुके हैं !

सवाल यह था कि अपनी सुविधाओं की क़ीमत पर जनता का एक बड़ा और प्रभावशाली वर्ग लोकतंत्र की लड़ाई में न सिर्फ़ कांग्रेस का साथ देने के लिए कभी तैयार नहीं होगा ,थोड़ी सी भी असुविधा होने पर विरोध अवश्य ज़ाहिर करने लगेगा।

http://shravangarg1717.blogspot.com

समय कीमती है इसका सदुपयोग करना चाहिए

प्रियंका सौरभ

समय एक सी मि त संसाधन है, और हम सभी के पास हर दिन इसकी समान मात्रा होती है। जिस तरह से हम इसका उपयोग करते हैं वह हमारी सफलता, खुशी और जीवन के साथ समग्र संतुष्टि को निर्धारित करता है। समय कीमती है और हमें इसका सदुपयोग करना चाहिए। दुर्भाग्य से, हममें से बहुत से लोग ऐसी गतिविधियों पर समय बर्बाद करते हैं जो हमारे जीवन में कोई मूल्य नहीं लाती हैं। हमारी तेज़-तर्रार दुनिया में, चूहे की दौड़ में फंस जाना और जो वास्तव में महत्वपूर्ण है उसे भूल जाना आसान है। हम अक्सर खुद को यह इच्छा करते हुए पाते हैं कि हमारे पास उन चीजों को करने के लिए अधिक समय है जो हम प्यार करते हैं, या समय सीमा और नियुक्तियों पर जोर देते हैं। लेकिन क्या होगा अगर हम एक कदम पीछे हटें और समय के मूल्य को देखें? ज़रूर, हम सभी सहमत हो सकते हैं कि समय पैसा है।

लेकिन असल में उसका क्या अर्थ है? जब हम इसे तोड़ते हैं, तो समय वास्तव में हमारे पास मौजूद सबसे मूल्यवान वस्तुओं में से एक है। यह एक सीमित संसाधन है जिसे एक बार जाने के बाद हम कभी वापस नहीं पा सकते हैं। इसलिए हर पल का सदुपयोग करना इतना महत्वपूर्ण है। हर दिन अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने और प्रियजनों के साथ स्थायी यादें बनाने का एक नया अवसर है। समय बर्बाद करने के सबसे आम तरीकों में से एक है टालमटोल करना। ये बर्बादी किसी काम को करने में देरी या स्थगित करने की क्रिया है। हम अक्सर महत्वपूर्ण कार्यों को अंतिम समय तक टाल देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप तनाव और चिंता होती है। व्यर्थ जाया न केवल समय बर्बाद करता है, बल्कि यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य और उत्पादकता को भी प्रभावित करता है। एक और तरीका है जिससे हम समय बर्बाद करते हैं वह है सोशल मीडिया पर घंटों बिताना या टीवी देखना। जबकि ये गतिविधियाँ सुखद और मनोरंजक हो सकती हैं, वे हमारे जीवन में कोई वास्तविक मूल्य नहीं लाती हैं। इसके बजाय, वे हमें और अधिक महत्वपूर्ण चीजों से विचलित करते हैं जैसे प्रियजनों के साथ समय बिताना, हमारे लक्ष्यों का पीछा करना, या नए कौशल सीखना। जब हम समय बर्बाद करते हैं, तो हम अवसरों से भी चूक जाते हैं। समय किसी का इंतजार नहीं करता और एक बार चला गया तो हमेशा के लिए चला गया। प्रत्येक क्षण जब हम कोई अनुत्पादक कार्य करने में व्यतीत करते हैं, वह एक ऐसा क्षण होता है जिसका उपयोग हम अपने लक्ष्यों की दिशा में प्रगति करने या किसी तरह से अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कर सकते थे। चाहे वह एक नया कौशल सीखना हो, एक शौक का पीछा करना हो, या प्रियजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना हो, हमेशा कुछ अधिक मूल्यवान होता है जो हम अपने समय के साथ कर सकते हैं। इसके अलावा, समय बर्बाद करने से हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। जब हम सोशल मीडिया पर या टीवी देखने में बहुत अधिक समय बिताते हैं, तो हम गतिहीन और निष्क्रिय हो जाते हैं। इससे वजन बढ़ना, खराब मुद्रा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, अनुत्पादक गतिविधियों पर बहुत अधिक समय व्यतीत करने से अपराध बोध, खेद और कम आत्मसम्मान की भावनाएँ भी पैदा हो सकती हैं। दूसरी ओर, जब हम अपने समय का बुद्धिमानी से उपयोग करते हैं, तो हम आश्चर्यजनक चीजें हासिल कर सकते हैं। समय एक ऐसा संसाधन है जिसकी जीवन में कुछ भी हासिल करने के लिए आवश्यकता होती है, और अगर हम इसका बुद्धिमानी से उपयोग करते हैं, तो हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और जीवन को पूरा कर सकते हैं। स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करके, अपने समय को प्राथमिकता देकर, और उन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करके जो हमारे जीवन में मूल्य लाती हैं, हम अपने समय का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं और अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सकते हैं। डॉ सत्यवान सौरभ ने सही कहा है कि- समय न ठहरा है कभी,रुके न इसके पाँव। संग समय के जो चले, पहुंचे अपने गाँव । समय एक अनमोल संसाधन है जिसे हमें कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। जब हम समय को मारते हैं, तो असल में हम अपने जीवन के एक हिस्से को मार रहे होते हैं। अनुत्पादक गतिविधियों पर समय बर्बाद करना न केवल हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने से रोकता है बल्कि हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। अपने समय का बुद्धिमानी से उपयोग करके और उन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करके जो हमारे जीवन में मूल्य लाती हैं, हम अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सकते हैं और जीवन को पूरा कर सकते हैं।

जीवन का सार जीने के लिए मरने में है

डॉ. सुरेश कुमार

मुझे अकेले खेलने की आदत हो गई है। कोई मेरे साथ खेलने वाला नहीं है। शब्दों के कुएँ से शब्द सींच रहा हूँ। इन्हीं शब्दों से कविता की बाल्टी भर रहा हूँ। हर कोई उखड़ा-उखड़ा हुआ है। मेरे अहं ने मुझे अकेला बना दिया है। कविता की बाल्टी में शब्दों का पानी मेरी प्यास नहीं बुझा पा रहा है। जहाँ देखूँ वहाँ मैं ही मैं दिखाई देता हूँ। जो भी सुनूँ मेरी मैं...मैं ही सुनाई देती है। कभी लगता है कि बकरियों की मैं-मैं मुझसे ही उपजी है। जीवन चलता ही रहता है। पैरों पर न सही घुटनों के बल ही सही। जीने के लिए जीवन और जीवन के लिए जीना दोनों की समझ मेरी समझ से परे है। चूंकि मेरी समझ के दरवाजे बंद रहते हैं, इसलिए अच्छे-बुरे की हवा भीतर आने की हिम्मत नहीं कर पाती। ऐसा नहीं है कि अच्छे-बुरे की हवा दरवाजा खटखटाती नहीं है, खटखटाती तो जरूर है लेकिन वह मेरी किटकिटाहट और चिल्लाहट को सुन दबे पैर लौट जाती है। मेरी परछाई जीवन की ताजा खबर देती रहती है। यूरोप में बर्फीली बारिश, भारत में लुढ़कती जिंदगियों की सुगबुगाहट, लेबनान में विद्रोही चूहों की महामारी, लिबिया में गोलियों की बरसात और कैरो में उपद्रवी अग्निभीषणकांड की उथल-पुथल में कराहते जीवन का क्रंदन। ताजा खबर के बहाने बासी कब्र की मिट्टी में छिपी अहं की गरमाहट मेरे पास क्यों नहीं फटकती? विकास का भूत असमय मौतों का भविष्य देखकर थर-थर कांप रहा है। पखेरुओं से लुप्त होती जमीन गरीब, बेरोजगारों के लिए प्राण पखेरुओं का गढ़ बनता जा रहा है।

ऐसे शून्य संगीत में पल-पल का जीवन कभी पठार तो कभी शिखर सा प्रतीत हो रहा है। शरीर और आत्मा के बीच समय का अंग जीर्ण होता जा रहा है। मानो जीवन की उंगली थामने मौत अपना हाथ आगे बढ़ा रहा हो। न जाने यह एकांत कब मिटेगा? मेरा अहं कब समाप्त होगा? क्या समय के पेड़ पर लमहों के पत्ते झड़ने से पहले मेरी जीवन की कविता बाल्टी सुंदर शब्दों के पानी से भर पाएगी? मैं अनुभव के पत्थर पर जीवन का कपड़ा धोने के प्रयास में जीर्ण होता जा रहा हूँ। भगवान से मेरी अब यही प्रार्थना है कि ताजा खबरों के बीच मैं कहीं बासी कब्र बनकर अपने अहं का शिकार न बन जाऊँ। मैं अभी से रोने का अभ्यास कर रहा हूँ। जानता हूँ कि जाने के बाद रोने वालों की आँखों में पानी नहीं बचेगा। शर्म और प्रेम का पानी धरती के पानी से पहले खत्म हो जाएगा। शायद जीवन का सार जीने के लिए मरने में है।

ये हैं मध्य प्रदेश के पांच सबसे प्रसिद्ध मंदिर

बाबा महाकाल मंदिर (उज्जैन)

देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक उज्जैन में स्थित बाबा महाकाल का प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग मंदिर मध्य प्रदेश का सबसे प्रसिद्ध मंदिर माना जाता है। यहां सुबह पांच बजे होने वाली भस्मआरती पूरी दुनिया में फेमस हैं, जहां लाइव टेलीकास्ट भी किया जाता है। हाल ही में बाबा महाकाल मंदिर विस्तारीकरण योजना के तहत उज्जैन में "श्री महाकाल लोक" का निर्माण किया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। "श्री महाकाल लोक" भक्तों के लिए खोल दिया गया है। बाबा महाकाल कि महिमा की वजह से उज्जैन को बाबा महाकाल की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। महाशिवरात्रि के दिन, हर साल मंदिर के पास एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है और मंदिर पूरी रात खुला रहता है। इसके अलावा सावन के महीने में यहां बाबा महाकाल की शाही सवारियां भी निकाली जाती है, जो आर्कषण का बड़ा केंद्र होती हैं। ऐसे में अगर आप किसी मंदिर में घूमने की योजना बना रहे हैं तो आपके लिए उज्जैन में स्थित बाबा महाकाल मंदिर एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। उज्जैन आप सड़क, रेल और वायु तीनों मार्गों से पहुंच सकते हैं।

ओरछा का रामराजा मंदिर (निवाड़ी)

निवाड़ी जिले में स्थित ओरछा शहर मध्य प्रदेश का न केवल एक बड़ा पर्यटन केंद्र बल्कि यहां प्रसिद्ध रामराजा मंदिर भी हैं। रामराजा मंदिर की खासियत यह है कि यहां भगवान श्रीराम राजा के रूप में विराजे हैं, जहां उनको शस्त्र सलामी भी दी जाती है। ओरछा के राजा केवल राम हैं, इसलिए यहां को भी बड़ा नेता या अधिकारी बिल्कुल सरल तरीके से अपना पद छोड़कर आता है। ओरछा बेतवा नदी के किनारे बसा हैं, जहां कई अन्य कई पर्यटन केंद्र है। ओरछा में हर साल ओरछा महोत्सव का आयोजन भी होता है, जिसमें देश विदेश के लोग जुटते हैं। इसके अलावा यहां आपको बुंदेलखंड की संस्कृति भी देखने को मिलेगी। इसलिए आप अगर कही घूमने का प्लान बना रहे हैं तो ओरछा आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

ओंकारेश्वर मंदिर (खंडवा)

खंडवा जिले में स्थित ओंकारेश्वर मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में स्थित है। यह मंदिर मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध पवित्र नदी मां नर्मदा के किनारे स्थित हैं। जहां सालभर भक्तों की भारी भीड़ जुटती है। कहा जाता है कि माता पार्वती और भगवान भोलेनाथ दिन भर कही भी रहें लेकिन रात्रि विश्राम वह

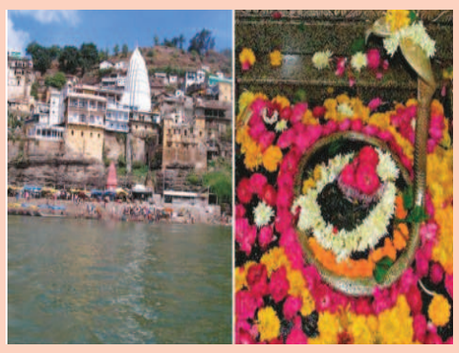

ओंकारेश्वर में ही करते हैं, कहा जाता है कि दोनों यहां चौसर खेलते हैं। इसलिए यहां भगवान के सामने चौसर सजाई जाती है। इसके अलावा बताया जाता है कि ओंकारेश्वर ओम पर्वत पर बसा हुआ है। जब इसे आप दूर से देखते हैं तो यह ओम आकार का नजर आता है। ऐसे में अगर आप घूमने का प्लान बना रहे हैं तो नर्मदा के सौंदर्य के साथ-साथ आपको प्रसिद्ध भगवान ओंकारेश्वर के दर्शन भी होंगे।

मैहर माता मंदिर (सतना)

मध्य प्रदेश के सतना जिले में स्थित मैहर माता मंदिर प्रसिद्ध देवी स्थान होने के साथ-साथ खूबसूरत पर्यटन स्थल भी हैं। मैहर देवी मंदिर देवी पार्वती के 51 शक्तिपीठों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि जब शिव जी जब माता सती का मृत शरीर ले जा रहे थे तब उनका हार इस जगह पर गिर गया था और इसलिए इस जगह का नाम मैहर यानि (माई का हार) पड़ गया। खास बात यह है कि यह मंदिर त्रिकूट पहाड़ी के ऊपर बना हुआ है, जहां तक पहुंचने के लिए भक्तों को 1063 सीढ़ियां चढ़ना पड़ता है। हालांकि अब यहां रोपवे की सुविधा भी शुरू हो गई है, जबकि ऊपर तक वाहन भी पहुंच सकते हैं। चारों और पहाड़ों से घिरा यह मंदिर एक खूबसूरत पर्यटन स्थल भी हैं, ऐसे में यहां एक बार जरूर घूमने जाना चाहिए।

पीतांबरा मंदिर (दतिया)

मध्य प्रदेश के दतिया जिले में स्थित पीतांबरा मंदिर पूरे देश में फेमस है, यहां विराजमान माता बंगुलामुखी को राजसत्ता की देवी भी कहा जाता है। देश के लगभग सभी बड़े राजनेता एक बार इस मंदिर में माथा टेकने जरूर आते हैं।

वैसे तो माता के इस दरबार में सभी प्रकार के लोग आते हैं, लेकिन राजनीति से जुड़े लोग विशेष रूप से इस मंदिर से जुड़े हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस देवी को 'सत्ता की देवी' भी कहा जाता है। लेकिन यहां एक बार सबको जरूर जाना चाहिए, क्योंकि मान्यता है कि यहां माथा टेकने के बाद इंसान की सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। तो इस बार क सर्दियों में बांध लीजिए अपना बैग और अपने परिवार के साथ इन बेहतरीन मंदिरों के दर्शन के लिए निकल जाइए।

पिता के लिए 4 जन्म तारीख वाली लड़कियां होती हैं सौभाग्यशाली

आपने कई बार सुना होगा कि कुछ बच्चे अपने पेरेंट्स के लिए लकी होते हैं और उनके जन्म के बाद घर में धन-दौलत और सुख-शांति की कमी नहीं होती। ज्योतिष शास्त्र और अंक ज्योतिष में भी इस बात को सही माना जाता है। अंक ज्योतिष का हमारे जीवन में काफी महत्व है। जिस तरह वैदिक ज्योतिष नव ग्रहों, नक्षत्रों के आधार पर भविष्य की जानकारी देता है। उसी तरह अंक ज्योतिष में व्यक्ति जिस तारीख को जन्म लेता है उसके अनुसार मूलांक के आधार पर भविष्य बताया जाता है। इसी तरह कुछ बच्चे अपने माता-पिता के लिए बेहद भाग्यशाली होते हैं। आज आपको बताएंगे खास मूलांक वाली लड़कियों के बारे में बताएंगे, जो अपने पिता के लिए भाग्यशाली साबित होती हैं।

जो बेटियां अपने पिता के लिए बेहद खास होती हैं उनका मूलांक है 3। जी हां जिन लड़कियों की जन्म तारीख 3, 12, 21 और 30 होती है उनका मूलांक 3 माना जाता है, और वह किस तरह से अपने पिता के लिए खास होती हैं। मूलांक 3 की लड़कियों की सबसे अच्छी खासियत है कि वह मजबूत इरादे वाली होती हैं। इनकी एकाग्र शक्ति काफी अच्छी होती है जिसकी वजह से वह अपने मार्ग से कभी भटकती नहीं हैं। अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 3 की लड़कियां एक बार जो ठान लेती हैं उसे करके ही दम लेती हैं।

मूलांक 3 वाली लड़कियां काफी इंटेलिजेंट होती हैं और समाज में अपने माता-पिता का नाम रोशन करती हैं। इनका तेज दिमाग इनको हर जगह प्रशंसा दिलाता है मूलांक 3 की लड़कियां पिता के लिए लकी चार्म साबित होती हैं। उनके कदम जिस घर में पड़ते हैं वहां धन-समृद्धि की कमी नहीं होती।

मूलांक 3 की लड़कियों का व्यक्तित्व काफी प्रभावशाली होता है। इसके कारण इनकी तरफ कोई भी बहुत जल्दी आकर्षित हो जाता है। इन्हें हर जगह बहुत मान सम्मान मिलता है। मां लक्ष्मी की कृपा इन के ऊपर हमेशा बनी रहती है। जिसकी वजह से इन्हें धन दौलत की कमी नहीं होती। यह कैरियर में भी ऊंचा मुकाम हासिल करती हैं।

मूलांक 3 की लड़कियां साहसी और निडर होती हैं। यह चुनौती का डटकर सामना करने में पहले स्थान पर होती हैं। इनमें घर परिवार के लोगों को खुश रखने का सामर्थ्य होता है यह जिस क्षेत्र में अपना हाथ डालती हैं वहां इन्हें विजय ही प्राप्त होती है।

जीवन में चाहते हैं धन की वर्षा तो करें हल्दी के पानी से जुड़े ये उपाय

जैसा कि सभी जानते हैं हल्दी को गुरु का प्रतीक माना गया है और हल्दी से जुड़े आपने कई टोटकों के बारे में सुना भी होगा और उसे अपनाया भी होगा अगर आपको रात में बुरे सपने आते हैं तो आप इससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको एक गिलास हल्दी का पानी अपने सिरहाने रखकर सोना चाहिए। ऐसा करने से आपको बुरे सपने नहीं आएंगे और अच्छी नींद ले पाएंगे।

यदि किसी कन्या के विवाह में अड़चन आ रही है या फिर विवाह में देरी हो रही है, तो उपाय के तौर पर सफेद कपड़े को हल्दी के पानी में रंग कर और सुखा कर गुरुवार के दिन धारण करें और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करें। ऐसा करने से विवाह में जो भी समस्याएं आ रही हैं वो दूर होगी। इतना ही नहीं आपको ये भी बता दें कि गुरुवार के दिन पीले रंग के कपड़ों का दान करना भी शुभ होता है। इससे जीवन में खुशहाली आती है और श्री हरि की अपार कृपा आप पर बनी रहती है।

अगर आप जीवन में पैसों की तंगी के कारण मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं तो धन संबंधी परेशानियों को दूर करने के लिए। गुरुवार के दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा करनी चाहिए और पूजा करने के बाद केले के वृक्ष पर हल्दी वाला जल अर्पित

करना चाहिए। इससे घर में पैसों की बरकत होती है। जीवन की तमाम आर्थिक परेशानियों से निजात मिलती है। केले के पेड़ में भगवान विष्णु जी का वास होता है। ऐसे में केले के पेड़ में हल्दी वाला जल चढ़ाने से श्री हरि के साथ देवी लक्ष्मी भी प्रसन्न होती है।

यदि आए दिन आपको स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या घेर लेती है। तो रोग-दोष से मुक्ति पाने के लिए रोजाना पानी में हल्दी डालकर स्नान करें। इस उपाय को करने से स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर होती है और करियर में सफलता मिलती है।

घर से नकारात्मक शक्तियों को दूर करने के लिए रात में सोने से पूर्व आप एक गिलास में पानी के साथ हल्दी को घोल कर रख लें। फिर आप सुबह उसी पानी का छिड़काव घर के हर कोने में करें इससे घर का वातावरण शुद्ध होता है और नेगेटिव एनर्जी दूर होती है।

घर की खिड़कियां भी तय करती हैं व्यक्ति का भविष्य

कम मेहनत से अन्य स्रोतों से आय होती है। यदि इस तरह की पुरानी जाली उपयोग में लाई जाए तो जिंदगी बहुत कठिन होती है आदमी दाने-दाने को मोहताज होता है या फिर इतना ही कमा पाता है कि जिससे गुजारा हो सके।

भवन के मुख्यद्वार के दाये-बाये की खिड़कियां टूटी-फूटी और पुरानी हो तो परिवार के माता-पिता को स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन पर आरोप लगते रहते हैं और उन्हें विभिन्न प्रकार की परेशानियां आती हैं। बेटे-बेटियों की पढ़ाई-लिखाई पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। जिन घरों के मुख्यद्वार के आस-पास की खिड़कियां टूटी हुई होती हैं, वहां रहने वालों की आंखों में तकलीफ रहने की सम्भावना बहुत बढ़ जाती है।

यदि मुख्यद्वार के दाये हाथ पर कोई खिड़की न हो तो पुत्र संतान प्राप्ति में बहुत कठिनाई होती है। पुत्र संतान होने पर उसके जीवन में खतरनाक हादसा होने की सम्भावना बनी रहती है।

यदि मुख्यद्वार के बाये हाथ पर खिड़की न हो तो कन्या संतान को उपरोक्त समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

यदि खिड़कियां सुबह के समय बंद रखी जाए या खिड़कियां बहुत छोटी हो तो परिवार के बेटे-बेटियों को गंभीर हादसों का शिकार होना पड़ता है।

यदि टी जंक्शन पर सीधे हाथ की खिड़की हो तो उस घर के पुरुषों एवं पुरुष संतान के लिए कठिन समय होता है और उल्टे हाथ की खिड़की हो तो घर की महिला और कन्या संतान के लिए कठिन समय होता है। यह कष्ट निर्भर करता है उन खिड़कियों की संख्या पर। इसलिए टी जंक्शन पर कभी भी खिड़की नहीं लगानी चाहिए।

उत्तर दिशा धन के देवता कुबेर की है। इस दिशा में अधिक खिड़कियां होने से आर्थिक समृद्धि बढ़ती है।

पश्चिम व दक्षिण दिशा में क्रास वेंटिलेशन के लिए खिड़कियां बनानी चाहिए पर ध्यान रहे इन दिशाओं में पूर्व एवं उत्तर दिशाओं की तुलना में खिड़कियां कम रहें ताकि दोपहर बाद की सूर्य से निकलने वाली हानिकारक किरणें घर में प्रवेश न कर सकें।

खिड़कियां सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में सहायक होती हैं, अतः यह पूर्ण रूप से बाहर या अंदर की ओर खुलनी चाहिए। किन्तु आजकल प्लॉट के आकार छोटे होने के कारण उन पर बनने वाले कमरे भी छोटे होते हैं। इसलिए पूरी तरह से खुलने वाली खिड़कियां लगाना व्यावहारिक रूप से सम्भव नहीं होता। अतः स्लाडिंग विण्डो अर्थात खिसकाने वाली खिड़कियां भी लगाई जा सकती हैं। महत्वपूर्ण यह है कि खिड़कियों को हमेशा साफ-सुथरी एवं अच्छी हालत में रखना चाहिए।

जिस घर के मुख्यद्वार के दोनों ओर की खिड़कियां सुंदर ढंग से बनी एवं सजी होती हैं, उस घर में रहने वाले फैशनेबल या ग्लैमर की दुनिया से जुडे.रहते हैं।

यदि खिड़की में सीधी लम्बी लोहे या लकड़ी की छड़ लगी हुई हो तो इसे शुभ माना जाता है और क्रॉसबार लगी हुई हो तो

शादी नहीं हो रही है तो रांची के इस मंदिर में टेकिये माथा

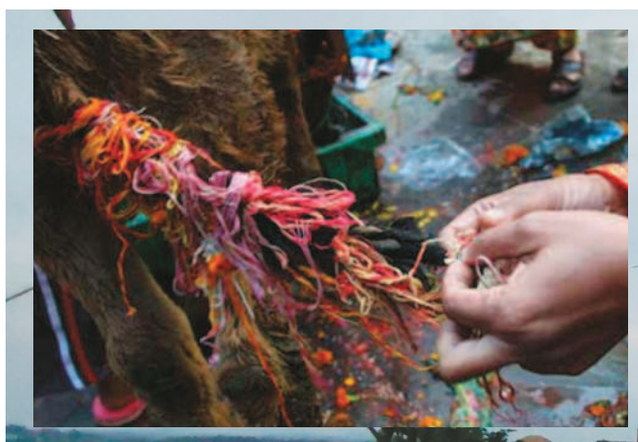

मंदिरों में अक्सर हमें मन्नत के धागे देखने को मिलते हैं, लोगों के कई तरह के मन्नते होते हैं पर सबसे अधिक देखा जाता हैं की शादी नहीं हो रही है इसके लिए भगवान से मन्नत लोग मांगते अक्सर दिखते हैं।कई बार मुराद पूरी होती है तो कई बार नहीं भी होती है।लेकिन झारखंड की राजधानी रांची के नामकोम में स्थित है मराशिलि पहाड़ जहां शिव भगवान का मंदिर हैं,कहा चाहता है यहां पर जो भी अपनी शादी की कामना करता हैं, उसकी चट मंगनी पट ब्याह हो जाती है।

मंदिर कमेटी के सदस्य रुदेश्वर ने बातचीत की व कहा यहां पर हर दिन 10-12 लोग अपनी शादी होने की मन्नत मांगने जरूर आते हैं और उनकी मुराद जरूर पूरी होती है।हमने अपनी आंखों से कई लोगों के शादी होते हुए यहां पर देखा है।मुराद पूरी होने के बाद लोग इसी पहाड़ पर महादेव के समक्ष शादी करना पसंद करते हैं। 10 किलोमीटर पैदल चल कर आते हैं।

लोग शादी की मन्नत मांगते

मंदिर पहुंची नैना ने कहा, 'मैं 10 किमी दूरइतलातू गांव सेपैदल चल कर यहां आई हूं।क्योंकि यहां पर मैंने देखा है जो भी लोग मन्नत मांगते हैं उनकी शादी तुरंत हो जाती है।कुछ लोगों के शादी में तो मैं खुद गयी हूं। इसलिए आज अपने लिए मन्नत मांगेने आई हूं'। 'पिछले महीने ही मेरी शादी हुई है। मेरी शादी नहीं हो रही थी, शादी तय हो कर भी किसी न किसी कारण कट जा रही थी।किसी ने बताया कि महादेव का मंदिर है, वहां जाकर कामना करे तो मुराद जरूर पूरी होगी। जैसे ही मैंने महादेव के दर्शन किए और मन्नत मांगी, 2 महीने के अंदर ही मेरी शादी हो गई। आज महादेव की कृपा से मैं बहुत खुश हू।

लोग कहते हैं चमत्कारी मंदिर

रुदेश्वर ने बताया, 240 एकड़ पहाड़ में फैला यह मंदिर रातों-रात बनकर तैयार हुआ खुद-ब-खुद।इस मंदिर में 4 दरवाजे हैं, जो अक्सर किसी मंदिर में नहीं देखा जाता।साथ ही यह स्वयम्भू है, अपने आप प्रकट हुए हैं। इसलिए इसे बहुत ही शक्तिशाली माना जाता है।ऐसी एक चमत्कार के बारे में रुदेश्वर ने हमें बताया, एक बार चार पहिया गाड़ी में पहाड़ के ऊपर से हम नीचे उतर रहे थे और नीचे एक व्यक्ति सोया हुआ था। जिसे हम देख नहीं पाए व गाड़ी को उसके ऊपर चढ़ा दिया। पर वह लड़का बिल्कुल ठीक था उसे खरोच तक नहीं आई।

महिला बोली-पति ने सतीश कौशिक की हत्या की साजिश रची

उसी के फार्म हाउस पर पार्टी में गए थे सतीश, पुलिस ने जांच शुरू की

एक्टर सतीश कौशिक की मौत पर एक महिला ने दावा किया कि उनकी हत्या की गई है। 8 मार्च की रात सतीश दिल्ली के फार्म हाउस में एक पार्टी में शामिल हुए थे। फार्महाउस के मालिक और बिजनेसमैन विकास मालू की पत्नी ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं।

महिला ने कहा कि उसके पति विकास मालू ने 15 करोड़ रुपए के लेनदेन के लिए सतीश कौशिक की हत्या कर दी। महिला विकास मालू की दूसरी पत्नी है। विकास ने इन आरोपों को गलत ठहराया है। उन्होंने कहा कि पिछले 30 साल से सतीश कौशिक उनके परिवार की तरह थे। पुलिस इस मामले में अब विकास मालू से पूछताछ करेगी।

महिला के आरोप...

1. दवा के जरिए की गई सतीश की हत्या

महिला ने शनिवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त के कार्यालय में शिकायत दर्ज करते हुए आरोप लगाया है कि सतीश उसके पति से पैसे वापस मांग रहे थे, जिसे उसका पति चुकाना नहीं चाहता था। सतीश कौशिक की हत्या कुछ दवाइयों के जरिए की गई, जिसका इंतजाम उसी के पति ने किया था।

2. पति ने ही सतीश कौशिक से मुलाकात कराई थी

एक रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने कहा कि 13 मार्च 2019 को उसकी शादी बिजनेसमैन विकास से हुई थी। पति ने ही उसे सतीश कौशिक से मिलवाया था। इतना ही नहीं सतीश अक्सर पति-पत्नी से दुबई और भारत में मुलाकात भी किया करते थे।

3. पैसों को लेकर सतीश और पति के बीच झगड़ा भी हुआ

महिला के मुताबिक, 23 अगस्त 2022 को सतीश कौशिक दुबई में उनके घर आए थे और इस दौरान उन्होंने उसके पति से 15 करोड़ रुपए मांगे थे। महिला ने कहा- मैं ड्राइंग रूम में मौजूद थी, जहां सतीश और विकास के बीच बहस हो गई थी। कौशिक उससे कह रहे थे कि उन्हें पैसों की सख्त जरूरत है और तीन साल पहले मेरे पति को इन्वेस्टमेंट के लिए पैसे दिए थे। सतीश ने कहा था कि न तो उनके पैसों से कोई निवेश किया गया और न ही उनका पैसा लौटाया गया। इसलिए वह अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

4. पति ने दुबई में पार्टी दी, दाऊद का बेटा वहां मौजूद था

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार महिला ने दुबई में हुई एक पार्टी की फोटो भी शेयर की। महिला ने दावा किया कि उस पार्टी में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का बेटा भी मौजूद था। जब मैंने अपने पति से पूछा कि क्या मामला है, तो उसने कहा कि सतीश के रुपए कोविड के दौरान खत्म हो चुके हैं। मेरे पति ने ये भी बताया कि वो सतीश से छुटकारा पाना चाहता था और उसकी प्लानिंग कर रहा था।

5. ड्रग्स का कारोबार करता था विकास

महिला की तरफ से दावा किया गया है कि उसका पति कई तरह के ड्रग्स का कारोबार करता है। महिला ने बताया कि विकास ने सतीश से ये भी कहा था कि वो पैसे लौटा चुका है, लेकिन उसके पास सबूत नहीं हैं। वो दोबारा भी पैसा चुकाने को तैयार है। उसे समय चाहिए।

6. जहरीली दवा देकर सतीश को मार डाला

महिला ने कहा कि जैसे ही उसने सतीश के निधन की खबर सुनी तो उसका पूरा शक पति पर ही गया। उसने कहा कि मुझे पूरा शक है कि मेरे पति ने अपने साथियों के साथ मिलकर सतीश की हत्या की साजिश रची और उन्हें जहरीली दवा खिलाकर मार डाला, जिससे उनको पैसे न देने पड़े।

करिश्मा कपूर 12 साल बाद 'मर्डर मुबारक' में मचाएंगी धमाल

90 के दशक की हिट हसीना करिश्मा कपूर 12 साल बाद 'मर्डर मुबारक' फिल्म के जरिए धमाल मचाने आ रही हैं। ये मूवी साल 2024 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। वहीं, करिश्मा ने अभिनय की दुनिया में वापस से अपना लोहा मनवाने को लेकर अपनी बात रखी है। साथ ही कमबैक शब्द पर नाराजगी जाहिर करती नजर आई हैं।

'मर्डर मुबारक' को होमी अदजानिया डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें सारा अली खान भी हैं। मर्डर मुबारक से पहले, करिश्मा कपूर को आखिरी बार साल 2012 की अलौकिक थ्रिलर फिल्म 'डेंजरस इश्क' में देखा गया था। इस मूवी में उनके साथ जिमी शेरगिल, दिव्या दत्त और रजनीश दुग्गल जैसे सितारे थे। वहीं, करिश्मा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'मर्डर मुबारक' को लेकर मीडिया से बातचीत की है। साथ ही 'कमबैक' के सवाल पर नाराज होती नजर आई हैं।

एक इंटरव्यू में करिश्मा कपूर से पूछा गया कि वो 'कमबैक' के विचार के खिलाफ क्यों हैं? इसपर करिश्मा कपूर ने कहा, 'हे भगवान! कमबैक शब्द, ईमानदारी से पैक और पार्सल किया जाना चाहिए। हम अभिनेताओं के साथ ऐसा न करें। आप मुझे बताएं कि जब कोई वापस आता है कुछ सालों के बाद कार्यालय में, क्या वह कॉर्पोरेट दुनिया में वापसी कर रहा है? वह काम पर वापस आ गया है या नहीं। और लोग उस व्यक्ति के साथ सामान्य व्यवहार करते हैं। मुझे लगता है कि अभिनेताओं के साथ भी यही तरीका होना चाहिए, चाहे वे पुरुष या महिला हैं। लेकिन विशेष रूप से महिलाओं के लिए। लोग 'कमबैक' लेबल को बहुत बार और बहुत आसानी से संदर्भित करते हैं।'

करिश्मा कपूर ने काम से लिए गए ब्रेक पर अपनी बात रखते हुए कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह मेरी पसंद से बाहर था। मेरे बच्चे छोटे थे। मैं घर पर रहना चाहती थी। मैंने असामान्य रूप से कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। मैं सचमुच स्कूल के ठीक बाहर काम कर रही थी। और मैंने एक के बाद एक कई फिल्में की हैं। मैंने कई सालों तक एक दिन में चार शिफ्ट और एक दिन में तीन शिफ्ट में काम किया है। मेरी हर साल 8 से 10 फिल्में रिलीज होतीं। शुक्र है, उनमें से अधिकतर सफल रहे। लेकिन मुद्दा यह था कि मैंने बहुत काम किया था और मुझे लगता है कि यह एक तरह के बर्नआउट तक पहुंच गया था।'

फिल्मों के अलावा, करिश्मा कपूर ने इंडियन आइडल, डांस इंडिया डांस सहित कई रियलिटी शो को जज किया है। एक्ट्रेस साल 2020 की वेब सीरीज मेंटलहुड में भी नजर आई थीं। इसके अवाला करिश्मा ने जीरो और बॉम्बे टॉकीज जैसी मूवीज में स्पेशल अपीयरेंस दी।

कियारा की राम चरण से हुई मुलाकात तो, एक्ट्रेस बोलीं-स्टार हैं वो

कियारा आडवाणी तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार राम चरण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। एक्ट्रेस ने राम चरण को लेकर बात की है। साथ ही उनकी वैश्विक तौर पर सफल फिल्म आरआरआर को लेकर भी बात की है। इन दिनों राम चरण 2023 के ऑस्कर अवॉर्ड में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका पहुंचे हुए हैं, जहां पर उनकी फिल्म आरआरआर को नॉमिनेट किया गया है। एक्ट्रेस ने राम को लेकर बात करते हुए कहा कि वह आरआरआर के बाद उनसे मिलीं थी और उन्होंने इसकी रिलीज के बाद तेलुगू फिल्म R15 का फिल्मांकन किया था।

राम चरण पहली बार निर्माता शंकर के साथ आने वाली फिल्म में काम करने जा रहे हैं, जिसे फिलहाल आरसी 15 बताया जा रहा है। निर्माता दिल राजू ने बीते दिनों एक इंटरव्यू में कहा था कि फिल्म का टाइटल और फर्स्ट लुक पोस्टर को रिलीज करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा था कि यह राम चरण के जन्मदिन के अवसर पर यानी 27 मार्च को रिलीज करेंगे। इस दिन एक्टर 38 साल के हो जाएंगे।

राम चरण को लेकर बात करते हुए कियारा ने कहा कि राम के साथ काम करना हमेशा प्यारा होता है। वह बहुत ही अच्छे एक्टर हैं और बेहतरीन डांसर हैं। यह फिल्म दोनों के लिए खास है। उन्होंने आगे कहा कि मैं

आरआरआर के बाद उनसे मिली थी। फिल्म की रिलीज के बाद हमने साथ में शूटिंग की थी। वह अभी भी वैसे ही हैं, वह जमीन से जुड़े हुए हैं। राम एक सॉफ्ट और शानदार व्यक्ति हैं। यही चीजें है जो उन्हें स्टार बनाती हैं, जो कि वह हैं भी। राम चरण की पत्नी उपासना भी कियारा के साथ एक करीबी रिश्ता रखती हैं। उन्होंने कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा की शादी के बाद उनके लिए एक माफी संदेश लिखा था। कियारा और सिद्धार्थ की शादी सात फरवरी को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में हुई थी। कियारा ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा की थी, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था-अब हमारी परमानेंट बुकिंग हो गई है। हम अपनी आगे की जर्नी के लिए आपका आशीर्वाद और प्यार चाहते हैं। इसपर राम की पत्नी उपासना ने भी कमेंट किया था-बधाई हो। यह बहुत सुंदर है। माफ करना हमें,हम वहां नहीं आ सके। आप दोनों को ढेर सारा प्यार।

कियारा आडवाणी इसके बाद कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक ड्रामा फिल्म सत्यप्रेम की कथा में दिखाई देंगी। यह फिल्म 29 जून की रिलीज होने वाली है। वह आखिरी बार गोविंदा नाम मेरा में विक्की कौशल और भूमि पेडनेकर के साथ नजर आई थीं।

'तब एक्ट्रेसेस के बीच बहुत कॉम्पिटिशन रहता था':करीना

एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने हाल ही में बताया कि वो अपने 23 साल के बॉलीवुड करियर में कई उतार चढ़ावों से गुजरी हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में बेबो ने कहा- सैफ अली खान से शादी करने के बाद उनकी लाइफ के सबसे बड़े बदलाव आने शुरू हुए। अपनी जर्नी के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा कि पहले के दौर में एक्ट्रेसेस के बीच बहुत कॉम्पिटिशन रहा करता था।

एक इंटरव्यू में करीना ने कहा- मुझे अतीत में लिए गए फैसलों पर कोई पछतावा नहीं है। एक दशक पहले, फिल्म इंडस्ट्री में बहुत ज्यादा कॉम्पिटिशन रहा करता था। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं और मुस्कुराती हूं, क्योंकि मुझे अपनी जर्नी पर प्राउड फील होता है। इतना ही नहीं करीना ने कहा कि वो अब बच्चों को खुद से दूर नहीं रखना चाहती हैं, इसलिए उन्होंने अपनी लाइफ में वर्क बैलेंस बनाकर रखा है।

मैंने अपनी गलतियों से सीखा है

करीना ने आगे कहा- 'मैंने हमेशा अपनी गलतियों से सीखा है और अब मैं पूरी तरह से अलग इंसान बन चुकी हूं। मुझे खुशी है कि मैं एक इंसान के रूप काफी डेवलप हुई हूं। यह मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों जिंदगियों के लिए बहुत जरूरी है।'

लोग एक-दूसरे के खिलाफ रहा करते थे

करीना ने आगे कहा- पहले मैं इस बात की परवाह नहीं करती थी कि वो क्या कर रही हैं या उसके नतीजे क्या होंगे। लेकिन अब मुझे उन चीजों का कोई पछतावा नहीं है। आज मैं ज्यादा ग्राउंडेड हूं। हालांकि, लगभग एक दशक पहले इंडस्ट्री में बहुत कॉम्पिटिशन था और लगातार लोग एक-दूसरे एक खिलाफ रहा करते थे। लेकिन आज, अगर कोई मुझे उकसाने की कोशिश करता है, तो ऐसा नहीं होगा।

अब मैं आराम करना चाहती हूं

लाइफ में आए बड़े बदलावों के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा- मुझमें अब बहुत सारी चीजों पर समय बर्बाद करने की हिम्मत नहीं है। यहां तक कि 20 साल की उम्र में भी मेरे जीवन में बहुत कुछ चल रहा था। लेकिन अचानक मुझमें कई बदलाव आए। आज मैं एक ऐसी जगह पर हूं, जहां मैं आराम करना चाहती हूं और अपनी जिंदगी ठीक वैसे ही जीना चाहती हूं, जैसा मैं सोचती हूं।

वर्क लाइफ बैलेंस बनाना सिर्फ मुझपर डिपेंड करता है

करीना ने वर्क लाइफ बैलेंस पर बात करते हुए कहा- मुझे अपने बच्चों को अकेला छोड़ने का मन नहीं करता है या क्योंकि मैं किसी अवॉर्ड शो में नहीं दिखना चाहती। मैंने अपनी च्वाइस को लेकर क्लियर रहना चाहती हूं, क्योंकि मैं अपने पति के साथ घर पर बैठूंगी और एक शो देखूंगी या एक गिलास शराब पियूंगी। यह फैसला मेरे हाथ में है। यह मेरी लाइफ में आए सबसे बड़े बदलावों में से एक है। सच कहूं तो वर्क लाइफ बैलेंस बनाना सिर्फ मेरे ऊपर है।

शादी के बाद पहली बार रैंप पर दिखीं अथिया शेट्टी

अथिया शेट्टी ने हालही में लक्मे फैशन वीक 2023 में रैम्पवॉक किया है, जिससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस पर्पल आउटफिट में नजर आईं। अथिया इस आउटफिट में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। इस लुक को उन्होंने लाइट मेकअप और ओपन हेयर स्टाइल के साथ कम्पलीट किया। एक्ट्रेस ने डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा के लिए रैम्पवॉक किया है। फैंस को उनका ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है।

केएल राहुल ने किया रिएक्ट

अथिया शेट्टी ने 23 जनवरी को क्रिकेटर केएल राहुल से शादी की थी। कपल की शादी सुनील शेट्टी के खंडाला स्थित फार्म हाउस पर हुई थी। इसी बीच राहुल ने अथिया शेट्टी के लिए खुशी जाहिर करते हुए उनकी रैम्प वॉक करते हुए वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है।

लंबे ब्रेक के बाद श्रुति हसन ने शेयर किया वर्कआउट

एक्ट्रेस श्रुति हसन ने एक लंबे ब्रेक के बाद सोशल मीडिया पर अपने फिटनेस रूटीन का वीडियो शेयर किया है। इस किक-बॉक्सिंग वर्कआउट वीडियो में उनकी फिटनेस और स्टैमिना साफ तौर पर देखी जा सकती है। श्रुति हसन काफी स्ट्रिक्ट फिटनेस रूटीन फॉलो करती हैं।

श्रुति ने वीडियो शेयर कर लिखा- बैक टू ट्रेनिंग!! एक लंबे ब्रेक के बाद मैं अपने ट्रेनर इरफान खान के साथ ट्रेनिंग करने वापस आ गई हूं। इनके साथ वर्कआउट करना मजेदार है। मेरे स्टैमिना और बचपने के साथ इरफान आराम से एडजस्ट कर लेते हैं।

पीसीओडी और एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रहीं हैं श्रुति

बीमारियों से लड़ने और साइड इफेक्ट कम करने के लिए श्रुति स्ट्रिक्ट फिटनेस रूटीन फॉलो करती हैं। श्रुति किक-बॉक्सिंग के साथ हूला हूपिंग और डाइट पर खास ध्यान देती हैं। श्रुति की फिटनेस रूटीन में हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक्सरसाइज, योग सेशन, वेट लिफ्टिंग, कार्डियो और कोर स्ट्रेच जैसी एक्सरसाइज भी शामिल हैं।

श्रुति-शांतनु साथ में करते हैं वर्कआउट

2020 से श्रुति हसन एक्टर शांतनु हजारिका के साथ रिलेशनशिप में हैं। श्रुति और शांतनु 2018 में पहली बार मिले थे। श्रुति ने सोशल मीडिया पर शांतनु हजारिका के साथ मॉर्निंग वर्कआउट करते हुए भी वीडियो शेयर किया था। श्रुति हसन की तेलुगु फिल्म 'वीरा सिम्हा रेड्डी' और 'वाल्टेयर वीरय्या' बॉक्स ऑफिस पर हिट रहीं। इस साल श्रुति प्रभास के साथ प्रशांत नील की फिल्म 'सलार' में नजर आएंगी।

साठ साल की उम्र में इंडियन आइडल 13 के सेट पर थिरकीं जयाप्रदा

बॉलीवुड की खूबसूरत और दिग्गज अदाकारा जयाप्रदा लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। इसी बीच वह रीना रॉय के साथ इंडियन आईडल 13 के सेट पर पहुंची, जिससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस 'मुझे नौलखा मंगा दे रे ओ सैया दीवाने' पर डांस करती नजर आईं, जिसे देखने के बाद हर कोई जयाप्रदा की जमकर तारीफ कर रहा है।

रीना रॉय के साथ पहुंची जयाप्रदा

एक वीडियो को सोनी टीवी चैनल ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में जयाप्रदा स्टेज पर ग्रीन कलर के अनारकली सूट में दिखाई दे रही हैं। उनके डांस स्टेप्स देख साफी हैरान रह गए। दूसरी तरफ रीना रॉय उनके डांस को एंजॉय करती दिखाई दे रही हैं। वीडियो को पोस्ट करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'शिवम ने जया प्रदा जी के साथ डांस करके इंडियन आईडल पर चार चांद लगा दिया'।

खूबसूरती के दीवाने हुए फैंस

इस वीडियो को सोशल मीडिया पर फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'जया जी वक्त के साथ और ज्यादा खूबसूरत हो गई है, उन्हें डांस करता देख काफी अच्छा लग रहा है।' तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'खूबसूरती का असल मायना जया और रीना जी को देखकर ही बनता है।'

जयाप्रदा ने कई हिट फिल्में दी हैं

जयाप्रदा अपने शानदार अभिनय के लिए आज भी जानी जाती हैं। फैंस उनकी फिल्मों को आज भी बड़े शौक से देखते हैं। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मो में सरगम, कामचोर, तोहफा, शराबी, संजोग, आखिरी रास्ता, आज का अर्जुन, थानेदार जैसी फिल्में शामिल हैं।

परीक्षा से पहले पढ़ाई के लिए टाइम टेबल ऐसे बनाएं

चाहे आप स्कूल में हो याफिर कॉलेज में आपके लिए पढ़ाई करना जरूरी है और सभी स्टूडेंट्स अपने हिसाब से पढ़ाई करते भी है लेकिन फिर भी कई सारे स्टूडेंट्स की ये दिक्कत होती है की वो पढ़ाई के लिए अपना समय सही से मैनेज नहीं कर पाते और इस वजह से उन्हें पढ़ाई के लिए पर्याप्त वक़्त नहीं मिल पाता।

कुछ स्टूडेंट्स ऐसी भी होते है जो आपने आलस के कारण पढ़ाई के ऊपर ज्यादा ध्यान नहीं देते और अपना कीमती समय यूँही जाया कर देते है। ऐसे में अगर आप को सारा टाइम सही से मैनेज कर के अपनी पढ़ाई को पूरा करना है तो आप को अपना पढने का समय बनाना होगा जिससे की आप पढ़ाई के लिए अपने टाइम को सही से मैनेज कर पाएंगे और वक़्त पर अपनी सारी पढ़ाई पूरी कर पाएंगे।

1) अपनी दिनचर्या को सही करो

पढने का समय बनाने से पहले आपको अपनी दिनचर्या को सही करना होगा जैसे की समय पर सोना, सुबह जल्दी उठना, योगा, मैडिटेशन और एक्सरसाइज करना, स्वस्थ आहार लेना। इसके अलावा आपको पुरे दिन में जो भी ज़रूरी काम करने है उनकी लिस्ट बनाओ और उस हिसाब से अपने दिन को बिताओ। जब आप अपनी दिनचर्या को सही बनाते हो तब आप अपने समय का सही से इस्तेमाल कर पाते हो और अपने समय को सही कामों में लगा पाते हो और आप अनुशासन में रहने लगते हो।

2) पढ़ाई का समय निश्चित करो

स्कूल/कॉलेज और कुछ अन्य ज़रूरी कामों को छोड़कर आप को अपने दिन भर के समय में पढ़ाई के लिए कितना समय मिल पाता है ये देखो। इसके लिए आप एक क्या करना है की लिस्ट बनाओ जिसमे आप अपनी दिन भर की सभी गतिविधियों को शामिल करो और उसमे से अपने पढ़ाई के लिए एक सही समय निश्चित करो। जैसे की सुबह स्कूल/कॉलेज जाने से पहले दो से तीन घंटे और स्कूल/कॉलेज से आने के बाद दो से तीन घंटे तक आप पढ़ाई कर सकते हो।

3) पढने का टाइम टेबल

यहा पर मैंने दो सिचूएशन के हिसाब से पढने का टाइम टेबल बनाया है ताकि आप को पढने का टाइम टेबल बनाने का अंदाज़ा हो जाए वैसे आप अपने हिसाब से इसमें बदलाव कर सकते हो।

रेगुलर स्कूल/कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए पढने का टाइम टेबल

सुबह 5 से 8 बजे तक पढ़ाई उसके बाद 8 से 10 बजे तक अपना मॉर्निंग रूटीन अपनाना जैसे की ब्रश करना, एक्सरसाइज करना, नहाना और नाश्ता करना और उसके बाद स्कूल जाने की तैयारी में लग जाओ। 10 से 5 (यहां मैंने स्कूल का एक कॉमन टाइम लिया है आप अपने हिसाब से इसमें बदल कर सकते है।) स्कूल से आने के लगभग एक से डेढ़ घंटे बाद आप पढ़ाई के लिए बैठ सकते हो और लगभग रात 7 से लेकर 8.30 तक आप पढ़ सकते हो। उसके बाद रात का भोजन कर के रात 10 से सुबह 5 बजे तक आप नींद ले सकते हो।

जो स्टूडेंट्स स्कूल/कॉलेज नहीं जा रहे है और घर में ही बोर्ड एग्जाम की या फिर किसी गवर्नमेंट एग्जाम की तैयारी कर रहे है उनके लिए पढने का टाइम टेबलः

सुबह 5 से 8 बजे तक पढ़ाई उसके बाद 8 से 10 बजे तक मॉर्निंग रूटीन अपनाया करो जैसे की ब्रश करना, एक्सरसाइज करना, नहाना और नाश्ता करना और फिर सुबह 10 से दोपहर के 1 बजे तक पढ़ाई और फिर दोपहर 1 से 2 तक भोजन, 3 से 5 तक पढ़ाई उसके बाद शाम 5 से 6 तक थोड़ा विश्राम इसमें आप अपने मनोरंजन के लिए टाइम दे सकते है, थोड़ी नींद ले सकते है, बाहर टहलने जा सकते है या फिर अपने पसंद की चीजें खा सकते है। उसके बाद रात 6 से 8 तक पढ़ाई और फिर रा त 8 से 9 तक रात का भोजन और उसके बाद 10 से सुबह 5 तक आप नींद ले सकते हो।

4) सब्जेक्ट के अनुसार टाइम टेबल बनाओः

पढ़ाई का सही समय निश्चित होने के बाद आपको कौनसे सब्जेक्ट की पढ़ाई कब करनी है और कौनसे सब्जेक्ट को कितना समय देना है ये निश्चित करना है और उस हिसाब से अपना पढने का टाइम टेबल बनाना है। अगर आपको कोई सब्जेक्ट थोडासा कठिन लगता है तो उस सब्जेक्ट को पढ़ने के लिए आप ज्यादा समय दे सकते हो और कोई सब्जेक्ट आप को पसंद है और आप को जल्दी समझ में आता है तो आप उसके लिए थोडा कम समय दे सकते हो।

5) पढ़ने का टाइम टेबल बनाते वक्त ये बात ध्यान में रखो

अगर आप सोच रहे हो की ज्यादा समय तक पढ़ाई करने से आपकी पढ़ाई अच्छी तरिके से हो पाएगी तो ये बात पूरी तरिके से गलत है क्योंकि आप चाहे दिन भर में तीन घंटे पढ़ो या दस घंटे पर आप जो पढ़ रहे हो वो अगर अच्छे से सोच समजकर नहीं पढोगे तो उस पढ़ाई का कोई फायदा नहीं है।

कहने का मतलब ये है की अपनी पढ़ाई कितीन की पर नहीं मतलब आपने कितने घंटे पढ़ाई की इससे ज्यादा पढ़ाई के क्वालीटी पर मतलब आपने जो भी पढ़ा है वो आप को कितना समझमें आया है इस पर ध्यान दो तभी आपकी पढ़ाई प्रभावी तरिके से हो पाएगी।

6) एक डायरी रखो

आप को अगले दिन किन किन सब्जेक्ट्स को पढ़ना है और उनमें कौन कौनसे चैप्टर्स को पढ़ना है, उस चैप्टर्स के क्या क्या महत्वपूर्ण पॉइंट्स है इन सबके बारे में रात को सोने से पहले आप डायरी में लिखकर रखें।

इसके अलावा पढ़ाई के दौरान आपको कोई शंकाये आ गयी हो या फिर पढ़ाई से संबंधित कोई महत्वपूर्ण बात हो तो आप उस डायरी में लिख सकते हो और पढ़ाई के अलावा आप अपने दिनचर्या के कुछ महत्वपूर्ण बातें उसमे शामिल कर सकते हो।

बीए के बाद क्या है करियर के लिए बेहतर विकल्प

अक्सर छात्र 12वीं के बाद बीए में स्नातक की डिग्री करते हैं. यह बहुत ही पॉपुलर कोर्स है. इस कोर्स के बाद उच्च शिक्षा तो प्राप्त कर ही सकते हैं साथ में सरकारी नौकरी के भी बहुत विकल्प मौजूद हैं. अगर आपके मन में बीए करने का मन है तो आज हम आपको बताएगे कि इस कोर्स के बाद बहुत से विकल्प मौजूद हैं. बीए एक ऐसा कोर्स है जिसे 12वीं के बाद कर सकते है, यह 3 वर्ष का कोर्स है जिसे कम से कम 50% वाले भी कर सकते हैं.

एम.ए

इस कोर्स का फुल फॉर्म मास्टर ऑफ आर्ट्स है जिसे दो वर्ष में पूरा कर सकते हैं. इस कोर्स में आप अपने चयनित विषय पर गहन अध्ययन करते हैं. इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप अपने विषय से संबन्धित क्षेत्र में नौकरी कर सकते हैं. अधिकतर लोग एम.ए के बाद टीचिंग क्षेत्र में जाना पसंद करते हैं.

बी.एडः

कई छात्र बी.ए के बाद बी.एड कोर्स को चुनते हैं. यह भी दो वर्ष का कोर्स है जिसे करने के लिए आपको एनट्रेंस टेस्ट देना होता है. इस परीक्षा को पास करने के बाद ही आप बी.एड में दाखिला लें सकते हैं. इस कोर्स को पूरा करने के बाद अध्यापक की नौकरी कर सकते हैं.

शॉर्ट टर्म कोर्सः

बहुत से ऐसे छात्र हैं जो 12वीं के तुरंत बाद ही नौकरी करना चाहते है इसलिए वो शॉर्ट टर्म कोर्स करना पसंद करते है. वोकेशनल कोर्स एक या दो वर्ष के होते हैं जिन्हे करने के बाद आप नौकरी कर सकते हैं.

स्नातकोत्तर :

बी.ए के बाद आप एम.सी.ए और एम.बी.ए ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें नौकरी के ढेरो ऑप्शन मौजूद हैं. एमबीए में मैनेजमेंट, मार्केटिंग, बिजनेस आदि के बारे में पढ़ाया जाता है.

आईएएस की तैयारी कर सकते हैः

बी.ए करने के बाद आप सिविल सेवा में जाने वाले इस सेक्टर की तैयारी कर सकते है यह देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक जिसे पास करना थोड़ा मुश्किल होता है लेकिन अगर मेहनत और लगन से तैयारी की जाए तो हर मुश्किल को पार किया जा सकता है.

बैंकिंग कोर्सः

बी.ए के बाद आप बैंकिंग सेक्टर में जाने के लिए प्रतियोगी परीक्षा में बैठ सकते हैं, हर वर्ष केंद्र और राज्य सरकार इस परीक्षा का आयोजन करती है बैंकिंग भी आपके लिए बेहतर करियर विकल्प है.

एलएलबीः

जो भी छात्र वकालत में अपना करियर बनाना चाहते है वो बी.ए करने के बाद एलएलबी मतलब लॉ का कोर्स कर सकते हैं. ये कोर्स भी आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है.

एग्जाम के समय क्यों आती है खूब नींद पढ़ा हुआ हो जाता है याददाश्त से फुर्र

एग्जाम के समय खूब नींद भी आती है. पढ़ा हुआ भूल जाता है. ऐसा क्यों होने लगता है. क्या एग्जाम के दौरान लगातार अलग तरीके से एक्टिव रहने की वजह से दिमाग की क्रियाओं में बदलाव आता है, जिससे माइंड ब्लैंक हो जाता है.

* एग्जाम या टेस्ट के दौरान आपने भी महसूस किया होगा, नींद ज्यादा आ रही है. बार-बार पढ़ने पर भी याद नहीं हो पा रहा. याद करने के बावजूद सारी चीज़ें भूल जा रहे हैं. ऐसा होता है, तो क्यों? आइए इसके पीछे का विज्ञान समझते हैं.

* एग्जाम के समय भूलने की स्थिति को विज्ञान की भाषा में माइंड ब्लैंक हो जाना भी कहा जाता है. मस्तिष्क में तीन हिस्से होते हैं, जिनसे गुजरकर हमें चीज़ें याद होती है. पहला है हाईपोथलमस. ये हिस्सा हमारे इमोशन और फिजिकल सेंसेशन्स के बीच पुल का काम करता है.

* दूसरा हिस्सा होता है हिपोकैंपस . ये हिस्सा याद रखने, फैक्ट्स और कॉन्सेप्ट्स का लॉजिक लगाने में अहम रोल

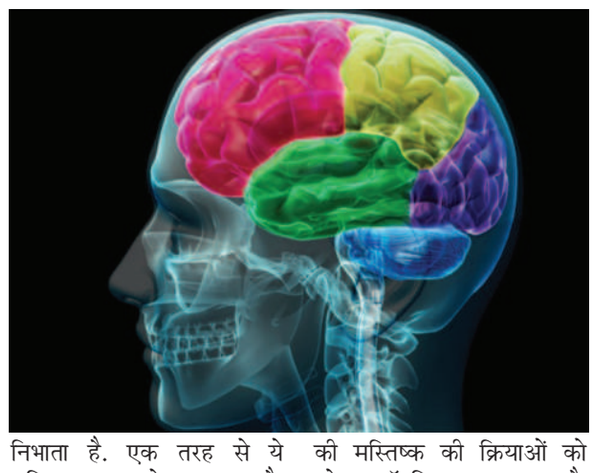

निभाता है. एक तरह से ये मस्तिष्क का वो दरवाजा है, जिसके जरिए ही सारी इन्फॉर्मेशन ज़हन के अंदर जाती और बाहर आती है.

* मस्तिष्क का तीसरा हिस्सा होता है प्रिप्रटर कॉर्टेक्स . ये हिस्सा आंखों के पीछे की ओर होता है. हमारी वो चीज़ें जो इंसान को जानवर से अलग करती हैं, वे सभी ये हिस्सा कंट्रोल करता है. जैसे यादें बनाना और फैसले लेना इत्यादि.

* माइंड ब्लैंक कैसे हो जाता है- एग्जाम की तैयारी के दौरान की मस्तिष्क की क्रियाओं को कोल्ड कॉगनिशन कहा जाता है. ये वो टर्म है, जिसमें लॉजिकल और रेशनल थिंकिंग प्रोसेस काम करता है.

* जब हम अपने कमरे, बिस्तर पर, आरामदायक जगह पर बैठकर, म्यूज़िक सुनते हुए पढ़ते हैं तो हैईपोथलमस प्रोडक्शन की रफ्तार धीमी कर 'की स्ट्रेस हॉर्मोन' रिलीज करता है. इसके उलट जब हम एग्जाम के दौरान अनप्रिडिक्टेबल सिचुएशन में होते हैं तो उस मस्तिष्क क्रिया को हॉट कॉगनिशन कहा जाता है.

* हॉट कॉगनिशन स्ट्रेसफुल सिचुएशन में शुरू होता है. जब ज़हन को स्ट्रेस रिस्पोन्स मिलता है तो वर्किंग मेमोरी काम करना बंद कर देती है. रिकॉल मेकैनिज़म्स भी बाधित होते हैं. जब ज़हन में इन सारे प्रोसेस की क्रियाएं एक साथ होती हैं तो इसी से 'माइंड ब्लॉक' सिचुएशन क्रिएट होती है. इस दौरान लॉजिकल कॉगनिटिव एक्टीविटी के लिए कुछ भी ग्रहण करना मुश्किल हो जाता है.

* एग्जाम के समय ज्यादा नींद क्यों आती है- एग्जाम के समय बहुत ज्यादा प्रेशर और चिंता में रहने से लोगों को नींद सी आने लगती है. ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि पढ़ाई के चलते लोग सही से सोते नहीं है. जिस वजह से वे स्लीप डिप्राइव रहते हैं और उसी वजह से स्ट्रेस में आते हैं.

* जिस तरह का स्ट्रेस, लोग एग्जाम से पहले लेते हैं, वह एग्जाम के दौरान उन्हें महसूस नहीं होता. लंबे समय तक बैठे रहने से बॉडी रिलैक्स भी हो जाती है. शांती में बैठे-बैठे, बिना उथल पुथल के शरीर को लगने लगता है कि हम सो रहे है.

डिजिटल मार्केटर कैसे बनें

डिजिटल मार्केटिंग एक विशाल क्षेत्र है जिसमें विभिन्न प्रकार के कौशल की आवश्यकता होती है। अपनी योग्यता के स्तर को बढ़ाने और एक डिजिटल मार्केटर बनने के लिए आप यहां दिए गए विकप्ल का पालन कर सकते हैं:

डिजिटल मार्केटिंग को समझें: डिजिटल मार्केटिंग में काम करने से पहले इसके मूल तत्वों और विभिन्न पहलुओं को समझना आवश्यक है। आप वेबसाइट डिजाइन, ईमेल मार्केटिंग, सोशल मीडिया, एसईओ और एसईएम जैसी विभिन्न डिजिटल मार्केटिंग तकनीकों को सीख सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग टूल का उपयोग करें: आपको अपने अभियानों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग टूल जैसे Google Analytics, SEMrush, Ahrefs आदि का उपयोग करने की आवश्यकता है।

डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षित हो : आप एक अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षित हो सकते हैं। उनके मार्गदर्शन में, आप विभिन्न तकनीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं और विभिन्न परियोजनाओं पर काम करके व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बनाएं: एक डिजिटल मार्केटर बनने के लिए, आपके पास एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति होनी चाहिए। आप एक ब्लॉग बनाकर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करके और अपने दर्शकों से जुड़कर शुरुआत कर सकते हैं।

किसी विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता: आप डिजिटल मार्केटिंग के किसी विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, जैसे एसईओ, सोशल मीडिया, ईमेल मार्केटिंग या कंटेंट मार्केटिंग आदि।

प्रमाणित हो जाएं: आप विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदान किए जाने वाले डिजिटल मार्केटिंग सर्टिफिकेशन कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। ये पाठ्यक्रम आपको डिजिटल मार्केटिंग में नवीनतम रुझानों और तकनीकों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद करेंगे।

अन्य पेशेवरों के साथ नेटवर्क: आप क्षेत्र में अन्य पेशेवरों के साथ नेटवर्क करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग इवेंट्स, मीटिंग्स और सम्मेलनों में भाग ले सकते हैं। यह आपको नवीनतम उद्योग रुझानों से अपडेट रहने और अपने लिए नए अवसर पैदा करने में मदद करेगा। इन चरणों का पालन करके आप एक डिजिटल मार्केटर बन सकते हैं और इस क्षेत्र में एक सफल करिअर बना सकते हैं।

सफलता के साथ बनाएं अपना करिअर

अगर आप भी ग्रेजुएशन कर चुके हैं लेकिन अपने करिअर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। देश की जानी-मानी एडटेक कंपनी सफलता ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं। यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं। अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट करिए और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही करिअर चुनने में मार्गदर्शन भी करेगी।

ऑफबीट करियर ऑप्शन के तौर पर उभर रहा है विजुअल कम्युनिकेशन

अब 12वीं के बाद ऑफबीट कोर्स की डिमांड बढ़ गई है. बैचलर इन विजुअल कम्युनिकेशन ग्राफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र से थोड़ा अलग है. इसमें प्रिंट या पब्लिकेशन यूनिट, टीवी इंडस्ट्री या अन्य मीडिया इंडस्ट्री में सूचना के प्रसारण से जुड़े बेसिक्स सीखते हैं.

देश के टॉप संस्थानों सेबीए इन विजुअल कम्युनिकेशन में तीन साल की बैचलर डिग्री और दो साल की मास्टर्स डिग्री के कोर्स किए जा सकते हैं. यह कोर्स करने के बाद औसत सैलरी 2 लाख से 7 लाख रुपये तक सालाना हो सकती है. वहीं, कोर्स की औसत फीस 30,000 से लेकर 3 लाख रुपये सालाना तक हो सकती है.

कोर्स की योग्यता

1- बैचलर इन विजुअल कम्युनिकेशन कोर्स में स्नातक करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से 12वीं में 50 प्रतिशत अंकों से पास होना जरूरी है .

2- रिज़र्व कैटेगरी के स्टूडेंट्स के लिए 12वीं में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य हैं.

बीए इन विजुअल कम्युनिकेशन में प्रवेश प्रक्रिया

विजुअल कम्युनिकेशन में बैचलर्स का कोर्स दो तरह से किया जा सकता है- प्रवेश परीक्षा के आधार पर और डायरेक्ट एडमिशन के जरिए.

1- डायरेक्ट एडमिशन के लिए 12वीं में टॉप मार्क्स होने चाहिए. हर कॉलेज में दाखिले के लिए कट ऑफ लिस्ट तैयार की जाती है. मेरिट लिस्ट में पहली बार में नंबर आ गया तो दाखिला मिलना आसान होता है .

2- दाखिले की दूसरी प्रक्रिया प्रवेश परीक्षा के आधार पर होती है. संबंधित यूनिवर्सिटी परीक्षा का आयोजन करती है. अगर परीक्षा में अच्छे नंबर आए तो काउंसलिंग के जरिए मनपसंद संस्थान में एडमिशन मिल सकता है.

इन संस्थानों से करें बीए इन विजुअल कम्युनिकेशन कोर्स

विजुअल कम्युनिकेशन उभरता हुआ करियर ऑप्शन है, जिसका भविष्य में काफी स्कोप है. इसको देखते हुए देश के इन संस्थानों ने इस कोर्स को अपने पाठ्यक्रम में शामिल किया है-

1. बिशप वैली मेमोरियल क्रॉस होली क्रॉस, कोटियाम- मेरिट बेस्ड

2. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम- एंट्रेंस बेस्ड

3. गीतम, हैदराबाद- एंट्रेंस बेस्ड

4. मजलिस आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, पुरमन्नूर- मेरिट बेस्ड

5. सेंट थॉमस कॉलेज, थिसूर- मेरिट बेस्ड

इस प्रोफाइल पर कर सकते हैं काम

विजुअल कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद कई प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं. इनमें ग्राफ़िक आर्टिस्ट डेस्कटॉप पब्लिकेशन, डिजिटल फोटोग्राफर, विजुलाइजर, मार्केटिंग एक्सपर्ट जैसे प्रोफाइल शामिल हैं. मीडिया हाउस, कॉलेज और विश्वविद्यालय, फोटो जर्नलिज्म, प्रिंट और प्रोडक्शन हाउस, फिल्म प्रोडक्शन, विज्ञापन एजेंसियों, बिजनेस डिजाइनिंग, विज्ञापन फर्म आदि में नौकरी कर सकते हैं.

विजुअल कम्युनिकेशन में सैलरी

विजुअल कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद आप फ्रीलांसर के तौर पर भी करियर बना सकते हैं. सभी प्रोफाइल के लिए शुरुआती दौर से ही बढ़िया सैलरी निर्धारित है. इस इंडस्ट्री में अन्य सेक्टर की तुलना में सैलरी जल्दी बढ़ती है. प्रोफाइल, इंडस्ट्री और वर्क एक्सपीरियंस के आधार पर सैलरी बढ़ती जाएगी.

एसवीबी के डूबने के बाद चिंताएं बढ़ीं, स्टार्टअप के संस्थापकों से मिलेंगे आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के पतन के बाद भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम की चिंताएं बढ़ गई हैं।केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने रविवार को कहा कि वह स्टार्टअप के संस्थापकों और सीईओ के साथ अगले सप्ताह बैठक करेंगे ताकि यह देखा जा सके संकट के समय सरकार उनकी क्या मदद कर सकती है।बैंक का पतन भारत में कई स्टार्टअप्स को प्रभावित कर सकता है, जिन्होंने इसमें निवेश किया है या अपना पैसा लगाया है.चंद्रशेखर ने एक ट्वीट में कहा, एसवीबी का बंद होना निश्चित रूप से दुनिया भर में स्टार्टअप्स के लिए खतरे की घंटी है।स्टार्टअप्स भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।मंत्री ने कहा कि वह अगले सप्ताह भारतीय स्टार्टअप्स के साथ बैठक करेंगे ताकि उन पर पड़ने वाले प्रभाव को समझ सकें और इस संकट के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार उनकी मदद कैसे कर सकती है.ग्लोबल सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (सास) आधारित मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के हालिया आंकड़ों के अनुसार, एसवीबी का भारत में कम से कम 21 स्टार्टअप में एक्सपोजर है, हालांकि निवेश के आकार का खुलासा नहीं हुआ है।शीर्ष वेंचर कैपटलिस्ट (वीसी) फर्मों ने वैश्विक स्टार्टअप समुदाय की सेवा करने वाले सबसे बड़े अमेरिकी बैंकों में से एक एसवीबी के पतन पर एक संयुक्त बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि यह निराशाजनक है.रिपोटरें के अनुसार, एसवीबी 2,500 से अधिक उद्यम पूंजी फर्मों का एक बैंक था, जिसमें लाइट्सपीड, बैन कैपिटल और इनसाइट पार्टनर्स शामिल थे।

आरबीआई को दरों को बढ़ाने की रफ्तार अब रोकनी चाहिए

आर्थिक सुधार को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। आरबीआई को रेपो दर को बढ़ाने की रफ्तार अब रोकनी चाहिए। उसे अमेरिका के केंद्रीय बैंक से अलग फैसला करना होगा। एसबीआई के मुख्य अर्थशास्त्री सौम्य कांति घोष ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि निकट समय में अमेरिकी फेडरल रिजर्व दरों को बढ़ाने की रफ्तार को रोकने वाला नहीं है। इसलिए आरबीआई को अब इस पर सोचना होगा। घोष ने कहा, क्या हम अमेरिकी फेडरल के साथ कदम मिला सकते हैं? हमें रुकने और सोचने की जरूरत है कि आरबीआई ने जो पहले दरों में वृद्धि की थी, उसका प्रभाव सिस्टम में कम हो गया है। हमें लगता है कि अमेरिका का केंद्रीय बैंक अभी भी दरों में दो से तीन बार बढ़त कर सकता है। ऐसे में आरबीआई को खुद इस पर सोचना होगा। घोष ने कहा कि आरबीआई ने मई 2022 से ब्याज दरों में 2.5% की बढ़ोतरी की है और यह चक्र चल रहा है।

शुद्ध कर संग्रह 17 फीसदी बढ़कर 13.73 लाख करोड़

चालू वित्त वर्ष में 10 मार्च तक शुद्ध कर संग्रह 17 फीसदी बढ़कर 13.73 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह पूरे वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान की तुलना में 83 फीसदी रहा है। इसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर भी शामिल हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शनिवार को बताया कि कुल संग्रह 22.58 फीसदी बढ़कर 16.68 लाख करोड़ रुपये रहा है। इसमें से एक अप्रैल, 2022 से 10 मार्च, 2023 तक 2.95 लाख करोड़ रुपये करदाताओं को वापस किए गए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष में वापस किए गए कर की तुलना में 59.44 फीसदी ज्यादा है। सीबीडीटी ने बताया कि बजट अनुमान की तुलना में यह कर संग्रह 96.67 फीसदी है। जबकि 2022-23 में संशोधित अनुमान के मुकाबले यह 83.19% है। रिफंड के बाद कॉरपोरेट आयकर संग्रह 13.62 फीसदी, व्यक्तिगत आयकर संग्रह 20.06% अधिक है।एशिया में सहभागिता और विश्वास निर्माण उपायों पर सम्मेलन (सीआईसीए) के सचिवालय के पर्यावरण विशेषज्ञ उगुर तुरान ने कहा, निस्संदेह, एशिया दुनिया में सबसे तेजी से विकसित होने वाला महाद्वीप बनने की राह पर है। यहां नए व्यापार मार्गों, एक स्थायी प्रणाली को विकसित करने के प्रयास और बढ़ती ऊर्जा, भोजन व सुरक्षा मांगों के सामने हरित परिवर्तन को महत्व दिया गया है। तुरान ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ये सभी ऐसे मुद्दे हैं जो उत्तर एशिया से लेकर हिंद महासागर तक और पूर्वी एशिया से एजियन सागर तक सीआईसीए के सदस्य देशों से गहराई से जुड़े हैं।

एपल भारत में दे सकती है तीन लाख नए रोजगार

कंपनी का रिटेल स्टोर पर रहेगा जोर

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। आईफोन बनाने वाली एपल भारत पर अपना फोकस बढ़ा रही है। इससे यह वित्त वर्ष 2026 तक भारत में तीन लाख रोजगार दे सकती है। इसमें से करीब एक तिहाई नौकरियां प्रत्यक्ष रूप से होंगी, जबकि दो लाख अप्रत्यक्ष रूप से होंगी। वित्त वर्ष 2024 में इसके 1.20 लाख रोजगार पैदा करने की उम्मीद है। इसमें 80,000 अप्रत्यक्ष और 40,000 प्रत्यक्ष रोजगार हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, ज्यादातर नौकरियां निर्माण क्षेत्र में मिलेंगी। इसके बाद खुदरा क्षेत्र में भी कुछ रोजगार पैदा होंगे। टीमलीज सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ-स्टाफिंग) कार्तिक नारायण ने कहा, हम पहले से ही एपल के ठेकेदार की ओर से निर्माण क्षेत्र में नौकरियों में तेजी का रुझान देख रहे हैं। जिस तरह से कंपनी अतिरिक्त संयंत्रों, कारखानों की योजना बना रही है, उससे अगले 36 महीनों में अतिरिक्त 1 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। कंपनी भारत में रिटेल स्टोर पर फोकस करने की योजना बना रही है। इसमें एक मुंबई में और एक दिल्ली में होगा। उसके बाद कुछ शहरों में फ्रेंचाइजी वाले स्टोर भी खोले जाएंगे। ऐसे में प्रति रिटेल स्टोर में कम से कम 100-150 नौकरियां पैदा होंगी। फ्लैगशिप स्टोर्स के लिए यह संख्या 700-800 तक हो सकती है, जो ज्यादातर टियर-1 शहरों में केंद्रित होंगी।

दिल्ली-एनसीआर में 40 फीसदी तक बढ़े जुखाम-खांसी के मरीज

क्या इनफ्लुएंजा एच 3 एन 2 के हैं लक्षण

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। नोएडाः बीते कुछ महीनों से खांसी और जुकाम के मामले करीब 40 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। जिसको भी एक बार खांसी और जुखाम हो रहा है वह ठीक होने का नाम नहीं ले रहा। पहले यह बीमारी 3 से 4 दिन में दवाई के साथ ठीक हो जाती थी, लेकिन इस दौरान यह बीमारी लोगों के जी का जंजाल बन गई है। खांसी और जुकाम को लेकर डॉक्टर भी काफी ज्यादा हैरान और परेशान हैं। अस्पतालों में आने वाले हर पांचवें मरीज में इस तरीके के लक्षण दिखाई दे रहे हैं, टेस्ट किया जा रहा है तो पता चलता है कि लोग बीमार हैं और हालत बद से बदतर होती जा रही है।

600 मरीजों में कोरोना जैसे लक्षण

जिले की स्वास्थ विभाग की ओर से पिछले 3 सप्ताह में जिले के 3500 मरीजों पर अध्ययन किया गया है। जिसमें से 660 मरीजों में करोना जैसे लक्षण पाए गए हैं। हालांकि एंटीजन जांच करने पर किसी भी मरीज में कोरोना की पुष्टि नहीं हुई है। अब विशेषज्ञ इसे तेजी से बढ़ रहे इन्फ्लूएंजा एच3एन2 से जोड़कर देख रहे हैं।

कोरोना और इनफ्लुएंजा में काफी अंतर है। लेकिन फिर भी इन्फ्लूएंजा में बीमार हुए व्यक्ति का बुखार भले ही 3 दिन में ठीक हो जा रहा है, लेकिन उसे हुई खांसी और जुखाम तीन से चार हफ्तों में भी ठीक नहीं हो पा रहा है।

एच 3 एन 2 और कोरोना में है अंतर

सीनियर फिजीशियन एंड डायबिटोलॉजिस्ट डॉ अमित कुमार ने आईएएनएस से खास बातचीत करते हुए बताया कि इनफ्लुएंजा एच3एन2 एंड टू और कोरोना में काफी अंतर है। सिमटम एक जैसे ही लगते हैं, लेकिन कोरोना एक साथ फैलने वाली बीमारी है, जबकि इनफ्लुएंजा एच3एन2 खांसी और जुखाम के चलते एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचने वाली बीमारी है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले तो यह वायरल फीवर की गिनती में आता है और वायरल फीवर को पहचानने और जानने में वक्त लगता है। उन्होंने बताया कि इस वायरस से प्रभावित ज्यादातर लोग बुखार से उनके पास आ रहे हैं उसके बाद दूसरी सबसे ज्यादा संख्या खांसी की है।

92 फीसदी लोग बुखार से पीड़ित

अगर प्रतिशत में बात की जाए तो सबसे ज्यादा 92 प्रतिशत लोग बुखार से पीड़ित होकर डॉक्टर के पास पहुंच रहे हैं, वही 86 प्रतिशत लोग जुखाम, खांसी होने के बाद डॉक्टर के पास जा रहे हैं और करीब 16 परसेंट ऐसे मरीज है जो सांस फूलने के चलते डॉक्टर के पास जा रहे हैं। डॉ अमित के मुताबिक सबसे पहले लक्षण दिखाई देने पर अपने नजदीकी डॉक्टर से संपर्क साधना चाहिए।

लोग ऐसे में अपने लोकल केमिस्ट से जाकर दवाई लेकर आ रहे हैं जो उनके लिए और भी ज्यादा घातक हो रहा है। जबकि इसमें ज्यादा एंटीबायोटिक बेहद नुकसानदेह है।

एंटीबायोटिक लेना खतरनाक

उन्होंने बताया कि आईएमए भी इस बारे में बता चुका है कि ज्यादा एंटीबायोटिक देना खतरनाक होता है इसीलिए ऐसे मामलों में एंटीबायोटिक जायदा लेने से बचाना चाहिए। यह बेहद ही नाजुक समय है। इस वक्त आप जब भी भीड़भाड़ में निकलें तो कोशिश करें कि मास्क पहनकर ही जाएं।

खांसते और छीकते समय मुंह और नाक पूरी तरीके से ढंक कर रखने चाहिए और जिनको भी खांसी और जुकाम की दिक्कत है उन्हें बाहर निकलते वक्त अपने मुंह पर मास्क लगाना चाहिए।

आंख-नाक छूने से बचें

इसके साथ साथ बार-बार अपनी आंख नाक को छूने से भी बचना चाहिए क्योंकि कई बार हम इस बात पर ध्यान नहीं देते और वायरस हमारे हाथों के जरिए ही हमारे अंदर प्रवेश कर जाता है। सबसे जरूरी चीज यह है कि बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी दवाई या एंटी बायोटिक नहीं लेनी चाहिए, मेडिसिन लेते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	04-56 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	मीन...	06-34 बजे
मंगल	मिथुन	में	मेष--	08-10 बजे
बुध-	कुंभ	में	वृष--	09-54 बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	11-54 बजे
शुक्र-	मेष	में	कर्क...	14-07 बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	16-19 बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	18-26 बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	20-32 बजे
			वृश्चिक.	22-43 बजे
			धनु.....	00-55 बजे
			मकर..	03-02 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु- बसंत दिशाशूल- पूर्व - कार्य में मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी **- 21 -27** उपरान्त सप्तमी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष **,** सोमवार **Mar 13**
नक्षत्र -विशाखा **- 08 -20** तक उपरान्त अनुराधा
योग - हर्षण **- 17 - 09 -** तक उप वज्र
करण- गर **- 09 - 48 -** तक उप- वणिज
विशेष:- एकनाथ षष्ठी
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग-**08-20** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:57 से 09:26 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:29 - 07:57 शुभ	चंचल.	18:21 - 19:55 शुभ
काल	07:57 - 09:26 अशुभ	रोग.	19:55 - 21:25 अशुभ
शुभ	09:26 - 10:56 शुभ	काल.	21:25 - 22:55 अशुभ
रोग	10:56 - 12:26 अशुभ	लाभ.	22:55 - 00:25 शुभ
उत्पात	12:26 - 13:55 अशुभ	उत्पात	00:25 - 01:56 अशुभ
चंचल	13:55 - 15:25 शुभ	शुभ	01:56 - 03:26 शुभ
लाभ	15:25 - 16:55 शुभ	अमृत	03:26 - 04:56 शुभ
अमृत	16:55 - 18:21 शुभ	चंचल	04:56 - 06:29 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, झ, के, को, हा,

आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । त्तिीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी । आज आपको अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी कई जांचें करानी पड़ सकती हैं ।

कर्क ही, हू ,हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं । इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं । आप आज अपनी परेशानी के चलते कुछ ऐसा कह या कर सकते हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा । आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी । अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है । अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा । सेहत और स्वास्थ्य केवल शरीर की ही अवस्था नही है बल्कि इसका सम्बन्ध मन से भी है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आपके अफसर आपसे पुरानी रिंज्श निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योंकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योंकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा । इस समय आप अपनी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं ,यह अच्छा विचार है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेषण कर लेते हैं । आज आपको अपनी इसू विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी । लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी ओर देखेंगे और आपसे सीखेंगे । आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी । घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है ।लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा । आप एक साथ आराम और सुरक्षा दोनों के बारे में सोच रहे हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे .इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ,आपको यह भी देखना होगा कि क्या यह बदलाव आपके लिए आने वाले समय में लाभकारी साबित होंगे ?

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओं की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

एफपीआई ने मार्च में अबतक शेयरों में 13,500 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश किया

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजार में 13,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।इसमें बड़ी हिस्सेदारी अमेरिका की कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स की है जिसने अडाणी समूह की कंपनियों में भारी निवेश किया है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।इससे पहले तक विदेशी पार्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजारों से निकासी कर रहे थे।फरवरी में उन्होंने 5,294 करोड़ रुपये की और जनवरी में 28,852 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी।इससे पहले, दिसंबर में एफपीआई ने शेयरों में 11,119 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

क्या कहते हैं वित्तीय जानकार

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के दिवालिया होने का असर बाजार में धारणाओं पर पड़ा है, ऐसे में आगे जाकर एफपीआई सतर्क रुख अपना सकते हैं।विजयकुमार ने कहा कि क्षेत्रों में निवेश के लिहाज से भी एफपीआई की गतिविधियों में एकरूपता नहीं है। मसलन, फरवरी के पहले 15 दिन उन्होंने वित्तीय सेवा कंपनियों के शेयरों में निवेश किया वहीं बाद के दो हफ्तों में वे बिकवाल रहे।इसी तरह पहले पखवाड़े उन्होंने आईटी शेयरों की खरीद की लेकिन बाद के 15 दिनों में उन्होंने इनसे निकासी की।मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इस निवेश की वजह दीर्घकालिक समय में भारतीय शेयर बाजारों की बेहतर संभावनाएं हैं।

दस मार्च तक एफपीआई ने किया 13,536 करोड़ रुपये का निवेश

आंकड़ों के मुताबिक दस मार्च तक एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 13,536 करोड़ रुपये का निवेश किया है।विजयकुमार ने कहा, ''इस निवेश में जीक्यूजी द्वारा अडाणी समूह की कंपनियों में किया गया 15,446 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश शामिल है.'' कैलेंडर वर्ष 2023 में एफपीआई ने 20,606 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं।वहीं दूसरी ओर, समीक्षाधीन अवधि में ऋण बाजार से 2,987 करोड़ रुपये निकाले हैं।

लाभांश से होती है आपको कमाई? ऐसे बचा सकते हैं टीडीएस

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। कई तरह के भुगतान के समय पूरी रकम का एक तय हिस्सा टीडीएस के रूप में कट जाता है।किसी कंपनी के शेयरों से लाभांश के रूप में होने वाली कमाई का भुगतान भी इनमें शामिल है।जब भी कोई कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को लाभांश का भुगतान करती है, तो उसमें पहले ही टीडीएस कट जाता है।हालांकि इसे बचाया जा सकता है।

ज्यादा पुरानी नहीं है व्यवस्था

लाभांश से होने वाली कमाई पर टीडीएस की व्यवस्था ज्यादा पुरानी नहीं है।इसके लिए इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 194 के तहत प्रावधान किया गया है।लाभांश पर टीडीएस काटे जाने की व्यवस्था 01 अप्रैल 2020 से यानी वित्त वर्ष 2020-21 से अमल में आई है।उसके बाद से हर साल लाभांश देने वाली तमाम कंपनियों के शेयरहोल्डर्स अपनी कमाई का एक हिस्सा टीडीएस के रूप में देते हैं।आज हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप इस कटौती को कम कर सकते हैं।

इससे ज्यादा कमाई पर टीडीएस

अगर आपको किसी भी एक वित्त वर्ष के दौरान डिविडेंड से 5000 रुपये से ज्यादा कमाई हो रही है, तो 10 फीसदी की दर से टीडीएस कटेगा।हालांकि अगर डिविडेंड जोड़कर आपकी कुल कमाई छूट की लिमिट से नीचे है तो आप फॉर्म 15जी/15एच जमा कर सकते हैं, जिसके बाद आपकी कमाई पर टीडीएस नहीं कटेगा।म्यूचुअल फंड के इन्वेस्टर्स के पास इसके अलावा भी टीडीएस बचाने के उपाय हैं।ऐसे इन्वेस्टर्स टीडीएस बचाने के लिए म्यूचुअल फंड स्कीम्स से होने वाली कमाई को लाभांश के बजाय एसडब्ल्यूपी सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।एसडब्ल्यूपी सुविधा म्यूचुअल फंड स्कीम से पैसे निकालने का एक तरीका है और इस तरह की सभी निकासी में मूल धन के अलावा कैपिटल गेन भी शामिल होता है।ऐसे मामलों में इन्वेस्टर्स को अवधि के हिसाब से शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स भरना होता है।

पूर्व कर्मचारी का दावा, माइक्रोसॉफ्ट ने उनकी पूरी टीम को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व कर्मचारी ने अपने लिंक्डइन पोस्ट में बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें, उनकी पूरी टीम के साथ टेक दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने नौकरी से निकाल दिया है।

उन्होंने बताया कि वे माइक्रोसॉफ्ट में एक प्रोडक्ट मैनेजर के तौर पर काम कर रहे थे।वंदन कौशिक की लिंक्डइन प्रोफाइल की एक पोस्ट में लिखा गया है कि वे किसी कंपनी के साथ काम करना चाहते हैं, क्योंकि उनकी हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट में छंटनी के दौरान नौकरी जा चुकी है।वंदन कौशिक ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह साइट पर, हाइब्रिड या दूरस्थ स्थानों से काम करने के इच्छुक हैं।वे तुरंत कंपनी के साथ जुड़ सकते हैं।वंदन कौशिक ने बताया कि उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट के साथ 8 साल तक काम किया है।छंटनी के बाद से ही उनके और उनके सहयोगियों का एक कठिन समय गुजर रहा है।माइक्रोसॉफ्ट में उन्होंने कई पदों पर काम किया है।इसमें विज्ञापन विभाग, सेल टीम और अन्य सेक्शन पर काम किया है।पूर्व कर्मचारी ने कहा कि अपने दो दशकों के काम के दौरान सहकर्मियों और लीडर टीम से पॉजिटिव और सहायक रवैया मिला है।इसके लिए वे आभारी है।उन्होंने कहा कि वहां पर अभी भी काम करने वाले कर्मचारी या पूर्व कर्मचारी उनका समर्थन कर रहे हैं।जनवरी के दौरान मंदी की आशंका के बीच दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने 10,000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना की घोषणा की थी।उसी समय के दौरान, कंपनी ने चैटबॉट चैटजीपीटी के विकास के लिए रिसर्च लैब ओपनएआई में अरबों डॉलर का निवेश किया था।

आईपीएल के पिच पर उतरी बिसलेरी!

दिल्ली कैपिटल्स समेत इन तीन टीमों के साथ हुई डील

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। बिसलेरी ने एक बड़ी डील की घोषणा की है।कंपनी ने आईपीएल की टीमों के साथ एक हस्ताक्षर किए हैं। ये डील कंपनी ने दिल्ली कैपिटल, मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस की है।बिसलेरी दिल्ली कैपिटल के लिए तीन साल तक अधिकारिक हाइड्रेशन पाटनर के रूप में काम करेगी। बिसलेरी की ये डील इसी क्रिकेट सीजन से प्रभावी होगी।कंपनी ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स शीर्ष टीमों में से एक है, जो वर्षों से क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक प्रदर्शन कर रही है।बिसलेरी इंटरनेशनल की वाइस चेयरपर्सन जयंती चौहान ने कहा कि देश की तीन प्रमुख खेल फ्रेंचाइजी के साथ भागीदारी हुई है।दिल्ली कैपिटल्स के साथ हमारा सहयोग हाइड्रेशन के महत्व और फिटनेस के रूप में है।दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ धीरज मल्होत्रा ने कहा है कि तीन साल तक हुई बिसलेरी के साथ डील से हम खुश हैं और लंबे समय तक साथ जुड़े रहने की उम्मीद करते हैं।वहीं बिसलेरी ने मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के साथ ही डील की है। इसके अलावा कंपनी कई मैराथन इंवेट के साथ ही पाटनरशिप कर चुकी है। बिसलेरी भारत में सबसे बड़े प्रीमियम पेय कारोबार में से एक है।यह देश के सबसे ज्यादा बिकने वाले पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ब्रांड का निर्माता है और भारत के ज्यादातर राज्यों में इसकी सप्लाई होती है।इसके अलावा कंपनी ने लिमोनाटा और स्पाइसी जैसे कई कार्बोनेटेड पेय में भी इनवेस्ट किया है।

बाबरी विध्वंस के बाद हुए बंबई ब्लास्ट की पूरी कहानी

गुल्लू की बात मान लेते तो बच जातीं 257 जिंदगियां; टाइगर-दाऊद अब भी फरार

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिजनेसमैन कीर्ति अजमेरा पूर्वी एंट्रेंस की तरफ बढ़ रहे थे। घड़ी में 1.30 बजते ही इमारत के बेसमेंट से एक तेज धमाके की आवाज आई और एक झटके के साथ कीर्ति अजमेरा बेहोश हो गए। कुछ मिनट बाद होश आया तो वो सैकड़ों लोगों की तरह खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे।

ये तो उस ब्लैक फ्राइडे की शुरुआत भर थी। अगले 2 घंटे 10 मिनट तक सिलसिलेवार तरीके से मुंबई की अलग-अलग जगहों पर 12 बम धमाके हुए। ऑफिशियल रिपोर्ट्स के मुताबिक इन धमाकों में कुल 257 लोगों की मौत हुई और 713 लोग घायल हुए।

12 मार्च 1993 को हुए बॉम्बे सीरियल ब्लास्ट को आज 30 साल पूरे हो चुके हैं। हम इसकी पूरी कहानी बता रहे हैं। कहानी को आसान बनाने के लिए इसे 4 चैप्टर में बांटा है...

चैप्टर-1: अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिरने के बाद लिखी गई पटकथा

5 दिसंबर 1992 की सुबह से ही अयोध्या में विवादित ढांचे के पास कारसेवक पहुंचना शुरू हो गए थे। अगली सुबह यानी 6 दिसंबर को भीड़ उग्र हो गई और बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा गिरा दिया। इसके बाद बंबई (अब मुंबई) समेत देश के कई हिस्सों में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे। श्रीकृष्ण कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक बाबरी मस्जिद गिरने के बाद दिसंबर-जनवरी में हुए दंगों में 900 लोगों की मौत हुई और 2,000 से ज्यादा लोग घायल हुए।

एस. हुसैन जैदी ने अपनी किताब 'मैं अबु सलेम बोल रहा हूं' में लिखा कि 1993 में बॉम्बे में हुए सीरियल ब्लास्ट बाबरी विध्वंस और उसके बाद हुए दंगों का बदला लेने के लिए कराए गए थे।

चैप्टर-2: धमाकों की साजिश और गुल्लू का कबूलनामा

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर और बॉम्बे ब्लास्ट की इन्वेस्टिगेशन करने वाले राकेश मारिया ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया कि ब्लास्ट से पहले कस्टम और इंटेलिजेंस एजेंसियों को भनक थी कि हथियारों का बड़ा जखीरा भारत आने वाला है।

जून 2017 में आए कोर्ट के फैसले के मुताबिक, अबू सलेम जनवरी 1993 में गुजरात के भरूच गया था। उसके साथ दाऊद गैंग का एक और गुर्गा था। उसे हथियार और गोला-बारूद लाने के लिए भेजा गया था।

सलेम को वहां 9 एके-56, 100 हैंड ग्रेनेड और गोलियां दी गईं। सलेम एक मारुति वैन के अंदर यह सामान छुपाकर मुंबई लाया था।

मारुति वैन रियाज सिद्दीकी ने मुहैया कराई थी। ये वैन सीधे संजय दत्त के घर पर गई थी। 16 जनवरी 1993 को सलेम दो और लोगों के साथ मिलकर संजय दत्त के घर 2 एके-56 राइफलें और 250 गोलियां छोड़कर आया था। दो दिन बाद उसने यह हथियार वहां से उठा लिए थे। सलेम को हमले के लिए गुजरात से हथियार मुंबई लाने-बांटने, साजिश रचने और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहने का दोषी पाया गया था।

मुस्तफा दोसा, टाइगर मेमन, छोटा शकील ने सीरियल ब्लास्ट के लिए साजिश में शामिल लोगों को दुबई बुलाया था। यहां ब्लास्ट से पहले करीब 15 मीटिंग की गईं। इसके बाद पाकिस्तान में इन लोगों के लिए ट्रेनिंग के लिए कैंप कराए। यहां उन्हें हथियार चलाना और बम बनाना सिखाया गया।

पाकिस्तान से ट्रेनिंग पाने वालों में गुल मोहम्मद खान उर्फ गुल्लू भी था। उसे 19 फरवरी 1993 को दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजा गया और 4 मार्च 1993 को वापस लौटा। वो मुंबई में हुए दंगों का आरोपी भी था, इसलिए पुलिस ने उसे 9 मार्च 1993 को हिरासत में ले लिया।

गुल्लू ने पुलिस हिरासत में मुंबई ब्लास्ट की पूरी साजिश के बारे में बताया। उसने कहा था कि वह पाकिस्तान में हथियार चलाने और बम बनाने की ट्रेनिंग लेकर

आया है और मुंबई की कई मशहूर जगहों पर धमाके की तैयारी है। हालांकि पुलिस ने गुल्लू की बात को मनगढंत समझकर भरोसा नहीं किया।

गुल्लू की गिरफ्तारी को पुलिस ने भले ही हल्के में लिया, लेकिन हमले के मास्टरमाइंड अलर्ट हो गए। पहले मुंबई को दहलाने की तारीख अप्रैल 1993 थी, लेकिन गुल्लू के पकड़े जाने की वजह से इसे आनन-फानन में 12 मार्च 1993 ही कर दिया गया।

चैप्टर-3: ब्लैक फ्राइडे को धमाकों से दहल उठा बॉम्बे

12 मार्च 1993 की दोपहर 1.30 बजे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग के बेसमेंट में पहला बम एक कार में फटा। करीब 30 मिनट बाद कॉर्पोरेशन बैंक की मांडवी ब्रांच में दूसरा कार बम फटा।

इसके बाद शिवसेना भवन, एअर इंडिया की बिल्डिंग, फिशरमैन कॉलोनी, सेंचुरी बाजार, जावेरी बाजार, प्लाजा सिनेमा, कथा बाजार, सहारा एयरपोर्ट का टर्मिनल, होटल जुहु सेंटोर, होटल सी रॉक में भी धमाके हुए।

कुल 12 धमाकों में 257 लोगों की मौत हुई और 713 लोग घायल हुए। उस समय के हिसाब से करीब 27 करोड़ रुपए की संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। यह दुनिया भर में सीरियल बम विस्फोटों का पहला मामला था। पहली बार भारत में आतंकियों ने विस्फोट के लिए RDX का इस्तेमाल किया।

चैप्टर-4: लावारिस स्कूटर से मिला था पहला सुराग

1993 ब्लास्ट केस की जांच के लिए राकेश मारिया की देखरेख में पुलिस की 150 से ज्यादा टीमें बनाई गई थीं। मारिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि एक विस्फोटक से लदे एक लावारिस स्कूटर और मारुति वैन से पहला सुराग मिला था।

जांच की गई तो यह वैन रुबीना मेमन के नाम से माहिम इलाके के पते पर रजिस्टर थी। जब पुलिस 8 मंजिला बिल्डिंग में उनके ठिकाने तक पहुंची तो वहां ताला लटका मिला। मेमन फैमिली ब्लास्ट के दो दिन पहले ही विदेश जा चुकी थी। वहीं तलाशी के दौरान एक फ्रिज के ऊपर से लावारिश स्कूटर की चाबी मिल गई।

4 नवंबर 1993 को 189 लोगों के खिलाफ 10,000 पन्ने की प्राथमिक चार्जशीट दायर की गई थी। 19 नवंबर 1993 को केस सीबीआई को मिला। अप्रैल 1995 को मुंबई की टाडा अदालत में इस मामले की सुनवाई शुरू हुई। अगले दो महीनों में आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए गए।

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच और सीबीआई की स्पेशल टास्क फोर्स ने कुल 193 लोगों की गिरफ्तार किया। इनमें से 140 के खिलाफ ट्रायल चलाया गया, लेकिन 17 लोगों की ट्रायल के दौरान मौत हो गई।

बाकी बचे 123 अभियुक्तों में से 12 को निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई। 20 लोगों को उम्रकैद और 68 लोगों को उससे कम की सजा सुनाई गई। 23 लोग निर्दोष पाए गए। नवंबर 2006 में संजय दत्त को अवैध रूप से पिस्तौल और एके-56 राइफल रखने का दोषी पाया गया।

21 मार्च 21 2013 को सुप्रीम कोर्ट ने याकूब मेमन की मौत की सजा कायम रखी। 10 दोषियों की मौत की सजा उम्रकैद में बदली और 18 में से 16 की उम्रकैद भी बरकरार रखी। संजय दत्त को पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई और उन्हें चार हफ्तों के भीतर सरेंडर करने को कहा गया।

30 जुलाई 30 2015 को याकूब की फांसी से कुछ घंटे पहले उसके वकील फांसी की सजा में 14 दिन का स्टे मांगने पहुंचे थे जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रिजेक्ट कर दिया। याकूब मेमन को नागपुर सेंट्रल जेल में फांसी पर लटकाया गया।

1993 बॉम्बे सीरियल ब्लास्ट के मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहिम और टाइगर मेमम अभी भी भारत की एजेंसियों की पहुंच से बच निकलने में कामयाब रहे हैं और अभी भी फरार हैं।

नए राज्यपाल से बोले मुख्यमंत्री- आरक्षण पर जल्द निर्णय हो

भूपेश बघेल ने कहा- भर्तियां रुकी हैं; राजनीति अपनी जगह, प्रदेश के हित में फैसला करें

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुलाकात की। राजभवन में हुई इस मुलाकात में प्रदेश के अब तक के सबसे बड़े सियासी मसले यानी की आरक्षण बिल पर भी बात हुई। कुछ देर तक चली बात-चीत के वक्त वहां प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू भी मौजूद थे। आरक्षण पर प्रदेश के इन अफसरों ने भी राज्यपाल को जानकारी दी।

मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा- मैंने आरक्षण के मामले में राज्यपाल से बात की है, उनको बताया है कि प्रदेश में सरकारी भर्ती रुकी है। हम चाहते हैं कि इस पर जल्द निर्णय हो। ताकि प्रदेश के हित में काम हो सके, राजनीति अपनी जगह है। सब का उद्देश्य जनता का हित है, युवा पीढ़ी का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इसलिए तत्काल संज्ञान लेकर फैसला करने के लिए राज्यपाल से आग्रह किया।

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने आरक्षण के बिल पर जानकारी लेकर सकारात्मक फैसला करने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें राज्यपाल के अनुभव का फायदा मिलेगा, मुझे उम्मीद है कि वे जल्द ही इस पर फैसला लेंगे, वो लॉ मिनिस्टर रह चुके हैं, राजनीति और प्रशासनिक काम काज का अच्छा अनुभव है और इस तरह के मामलों के बारे में वो जानते हैं।

राज्य सरकार ने 2 दिसंबर को विधानसभा के विशेष सत्र में राज्य में विभिन्न वर्गों के आरक्षण को बढ़ा दिया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति के लिए 32 फीसदी, ओबीसी के लिए 27 फीसदी, अनुसूचित जाति के लिए 13 फीसदी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 4 फीसदी आरक्षण कर दिया गया। इस विधेयक को राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा गया था। तब राज्यपाल रहीं अनुसूईया उइके ने इसे स्वीकृत करने से इनकार कर दिया और अपने पास ही रखा। राज्यपाल के विधेयक स्वीकृत नहीं करने को लेकर एडवोकेट हिमांक सलूजा ने और राज्य शासन ने याचिका लगाई थी। राज्य शासन ने आरक्षण विधेयक बिल को राज्यपाल की ओर से रोकने को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस केस की अभी सुनवाई लंबित है।

इस पूरे मसले पर कई बार प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर राज्यपाल और उनके विधिक सलाहकार जानबूझकर विधेयक को अटकाने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने राजभवन के विधिक सलाहकार को भाजपा का एजेंट तक बताया था। कांग्रेसियों ने शहर के कई हिस्सों में पोस्टर लगाकर भाजपा के कार्यालय को राजभवन संचालन केंद्र बता दिया था।

पिछली बार राजभवन ने विधेयक को लेकर विभागों से सवाल किया था। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा- उन्हें वो अधिकार ही नहीं। राजभवन के विधिक सलाहकार हैं, गलत सलाह दे रहे हैं । पहले राज्यपाल ने कहा था कि जैसे ही विधानसभा से प्रस्ताव आएगा मैं हस्ताक्षर करूंगी। आरक्षण किसी एक वर्ग के लिए नहीं होता है। सारे नियम होते हैं। क्या राजभवन को पता नहीं, विधानसभा से बड़ा है क्या कोई विभाग ?

भाजपा घड़ियाली आंसू बहा रही

आरक्षण के मसले के अलावा मुख्यमंत्री ने बीजेपी नेताओं को लेकर कहा कि, भाजपा के लोग झूठ बोलने वाले लोग हैं। PM आवास को लेकर उन्होंने आगे कहा कि अब नए हितग्राही तैयार हैं। इनका तब पता चलेगा जब जनगणना और आर्थिक सर्वे कराएं जाएंगे। इसी का आग्रह प्रधानमंत्री से मुलाकात में मैंने किया है। न सिर्फ आवास बल्कि बहुत सी योजनाएं हैं, जिसमें सर्वे के बाद फायदा मिलेगा। अब छत्तीसगढ़ सरकार 1 अप्रैल से आवास के लिए सर्वे कराएगी। हम आवास हितग्राही को देंगे। भाजपा के पास घड़ियाली आंसू बहाने के सिवाए कुछ रहा नहीं है।

छत्तीसगढ़ में बाबा नहीं चाहते संगठन में फेरबदल

सिंहदेव बोले- अगली बार 75 पार तो फिर बदलाव क्यों? मुख्यमंत्री ने किया था टीम बदलने का इशारा

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मुलाकात के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव की चर्चा है। लेकिन इस संभावित बदलाव के पक्ष में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव नहीं हैं। उन्हें नहीं लगता कि, प्रदेश संगठन में किसी भी तरह के बदलाव की जरूरत है।

सरगुजा में सिंहदेव ने कहा, इस बार के चुनाव में सीनियर नेता प्रदेश में न सिर्फ दोबारा सरकार बनने की बात कर रहे हैं ,बल्कि 75 पार का दावा यानी 90 में से 75 सीटें जीतने की बात कर रहे हैं। उन्होंने इसे अच्छी स्थिति बताया है।

सिंहदेव ने कहा- संगठन में फेरबदल को लेकर मुझे जानकारी नहीं है। पार्टी के सीनियर मंत्री कह रहे हैं कि इस बार 75 के पार। अगर ऐसा अनुमान है तो संगठन में बदलाव का औचित्य समझ के परे है। टीम अच्छा काम कर रही है तो बदलना क्यों ? हार जीत की निकटतम स्थिति में बदलाव सही होता है, मगर यहां तो स्थिति अच्छी है, मंत्रिमंडल के बदलाव पर सिंहदेव ने कहा कि मुझे की जानकारी नहीं है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव की चर्चा

प्रदेश कांग्रेस में शीर्ष नेतृत्व से लेकर कई पदों पर फेरबदल की चर्चा जोरों पर है। दिल्ली में शुक्रवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और मल्लिकार्जुन खड़गे की मुलाकात के बाद रायपुर लौटते ही भूपेश बघेल ने कहा था कि,संगठन में फेरबदल होने जा रहा है। इस पर विस्तार से चर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष से हुई है। राष्ट्रीय अधिवेशन में तय नियमों के मुताबिक संगठन में बदलाव होंगे। चर्चा ये भी है कि, अमरजीत भगत को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

टिकट बंटवारा होगा अहम मसला

कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर लॉबिंग भी शुरू हो चुकी है। प्रदेश संगठन में होने वाले बदलाव का सीधा असर टिकटों के बंटवारे पर पड़ेगा। टिकट बंटवारे में जाहिर तौर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की राय अहम होगी। लिहाजा संगठन में ऐसे लोगों को प्रमुख पद दिए जा सकते हैं जो इस मुद्दे पर एक राय होकर काम कर सकें।

नए नियमों के तहत होंगे बदलाव

कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हाल ही में रायपुर में हुआ था। इसमें तय किया गया कि कांग्रेस अपने संगठन में 50 फीसदी हिस्सेदारी महिलाओं दलितों आदिवासी और युवाओं को देगी। अब प्रदेश संगठन में आगामी होने वाले बदलावों में इन नियमों का ध्यान रखा जाएगा। चर्चा ये भी है कि जिला और प्रदेश स्तर में कुछ नए और पुराने पदाधिकारियों को फिर मौका दिया जाएगा। और यही टीम चुनावी मैदान में उतरेगी।

रस्सी से गला घोंटकर बीवी की हत्या

राजनांदगांव, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में युवक ने अपनी पत्नी की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद थाने पहुंच गया और बोला कि साहब मेरी पत्नी ने आत्महत्या कर ली है। मगर जांच के बाद पूरे मामले का राज खुल गया और पुलिस को पता चला कि युवती की हत्या की गई है। झगड़े के बाद पति ने ही उसकी जान ली है। मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र के मोहरा पुलिस चौकी का है। बिजनापुर निवासी संदीप वर्मा(30) ने शनिवार को इस मामले में शिकायत की। उसने बताया कि उसकी पत्नी मीना वर्मा(26) ने आत्महत्या कर ली है। संदीप ने ये भी बताया कि उस वक्त घर पर कोई नहीं था। कुछ देर बाद जब मैं पहुंचा तो मेरी पत्नी फांसी पर लटकी हुई थी। इसलिए मैंने उसे फंदे से उतार दिया है। पति की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भी कराया था। जिसमें रस्सी से गला घोंटकर हत्या की बात सामने आई। पुलिस ने मामले में पड़ोस के लोग और मीना के मायके वालों से बात की। तब मायके वालों ने बताया कि संदीप कई बार मीना से झगड़ा कर चुका था।

झारखंड में खून की भारी कमी

17 जिले में हर महीने 18,820 यूनिट रक्त की जरूरत, लेकिन स्टॉक में सिर्फ 24फीसदी

रांची, 11 मार्च (एजेंसियां)। आपको या आपके जानने वालों को खून की जरूरत है तो खुद व्यवस्था कर लें। क्योंकि झारखंड में खून की भारी कमी है। ब्लड बैंक में जरूरत के अनुपात में स्टॉक काफी कम है। 17 जिलों में इसकी पड़ताल की तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। पता चला कि राज्य में कुल 69 ब्लड बैंक हैं। इनमें से 17 जिलों के 49 ब्लड बैंक में सिर्फ 4513 यूनिट खून का ही स्टॉक है। जबकि हर महीने 18,820 यूनिट खून की जरूरत होती है। यानी जरूरत का सिर्फ 24 फीसदी खून ही उपलब्ध है।

लातेहार, गुमला और दुमका के ब्लड बैंक पूरी तरह से खाली हैं। जबकि चार जिलों में 2 से 15 यूनिट तक रक्त उपलब्ध है। खून की कमी के कारण राज्य में लोगों की जान जा रही है। राज्य में हर साल करीब साढ़े तीन लाख यूनिट रक्त की जरूरत है, लेकिन ब्लड डोनेशन से दो लाख यूनिट तक ही कलेक्शन किया जा रहा है।.

7 जिले में हालत बेहद खराब, मात्र 28 यूनिट जमा

लोहरदगा, पलामू, लातेहार, बोकारो, गढ़वा, खूंटी, जामताड़ा, कोडरमा, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, सिमडेगा, गुमला, रांची, धनबाद, जमशेदपुर और दुमका जिले में रक्त की उपलब्धता की जानकारी ली। इनमें 7 जिले की हालत बेहद खराब है। सातों में जिले में कुल 28 यूनिट रक्त ही बचा है। लातेहार, दुमका और गुमला में 0 यूनिट ब्लड है। वहीं, जामताड़ा में 2, खूंटी में 3, लोहरदगा में 8 और सिमडेगा में 15 यूनिट ब्लड स्टॉक में है। इन जिलों में मरीजों को रक्त की जरूरत पड़े तो खुद ही इंतजाम करना पड़ रहा है।

जब मरीज की खून के अभाव में मौत हो गई

खूंटी के सदर अस्पताल में खून की कमी से डेढ़ साल की बच्ची सोनालिका तिर्की की मौत 4 मार्च को हो गई। जानकारी पाकर ब्लड डोनर्स टीम के सदस्य पहुंचे थे, लेकिन बच्ची ने दम तोड़ दिया था। गिरिडीह में चकमंजो गांव के 8 साल के थैलीसीमिया ग्रसित शिवकुमार की मौत खून की कमी से हो गई। थैलीसीमिया ग्रसित बच्चों को 15 से 20 यूनिट ब्लड चढ़ाना पड़ता है। इंतजाम नहीं होने के कारण बच्चे ने दम तोड़ दिया।

क्रशर संचालकों ने तुपुदाना में खोदीं मौत की 15 खदानें

रांची, 11 मार्च (एजेंसियां)। सावधान! तुपुदाना में 15 से अधिक मौत की खदानें खुदी हैं, जिनमें पानी भरा है। घूमने के दौरान इनमें उतरना या फिर स्नान करना जानलेवा है। पिछले 10 सालों में इन हत्यारी खदानों ने 36 से अधिक लोगों की जानें ले ली हैं। मृतकों में सबसे अधिक स्कूल-कॉलेज के स्टूडेंट्स हैं। दरअसल, इन खदानों के खोदे जाने और फिर उन्हें खुला छोड़ देने के पीछे प्रशासन की लापरवाही है। रिंग रोड निर्माण एजेंसी और अन्य निजी क्रशर संचालकों ने प्रशासन से एनओसी लेकर तुपुदाना में पत्थर खनन शुरू कर दिया। खदानें खुदती चली गईं। खदानें जब काफी गहरी हो गईं तो खुदाई तो बंद कर दी गई, लेकिन खदानों को भरा नहीं। प्रशासन ने भी न दबाव बनाया और न ही भरने की व्यवस्था की। डेंजर साइन बोर्ड भी नहीं लगाए। मॉनसूनी बारिश और ग्राउंड रिसोर्स वाटर जमा होने के कारण यह खदानें पानी भरने से और खतरनाक हो गईं।

झारखंड में अब हांगकांग फ्लू का खतरा मंडराया

केंद्र ने राज्यों को सतर्क रहने को कहा, रिम्स बीमारी से निपटने के लिए तैयार, विभाग अलर्ट

रांची, 11 मार्च (एजेंसियां)। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बीच राज्य में एच3 एन1 फ्लू का खतरा मंडरा रहा है। इसे हांगकांग फ्लू के नाम से भी जाना जाता है। इस फ्लू को लेकर केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों को अलर्ट पर रहने को कहा है। इस फ्लू का राज्य में एक भी मरीज नहीं है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग इसे लेकर पूरी तरह अलर्ट है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स को संभावित खतरे को देखते हुए पूरी तरह से तैयार किया गया है। हालांकि डॉक्टरों की माने तो अभी इससे सर्तक होने की जरूरत है, डरने की नहीं।

अगर एच3 एन1 फ्लू के मामले बढ़े तो इसकी जांच के लिए रिम्स में ही सैंपल लिए जाएंगे। रिम्स के माइक्रोबायोलॉजी लैब के प्रमुख डॉ मनोज कुमार के मुताबिक इसकी जांच भी आरटीपीसीआर मशीन से ही होती है।

फिलहाल कोरोना की ही तरह सैंपल कलेक्ट कर रिम्स भेजा जाएगा, यहां से उसे कोलकाता भेजकर जांच करायी जाएगी। हमारी व्यवस्था इस बीमारी को लेकर मुकम्मल है। उन्होंने कहा कि कोरोना की तरह ही इस फ्लू के लिए भी व्यवहार करना होगा। कोरोना की तरह बुखार, सर्दी-खांसी, सिर दर्द और शरीर में दर्द इसके लक्षण हैं।

वहीं इस बीमारी को लेकर सूबे के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की माने तो हम इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हमारे पास पर्याप्त सामान्य बेड, आईसीयू बेड, ऑक्सीजन बेड, पर्याप्त वेंटिलेटर, ऑक्सीजन प्लांट, आरटीपीसीआर लैब आदि है। किसी भी विषम परिस्थिति में हम लोगों के इलाज में सक्षम हैं। हांगकांग फ्लू पर हमरी नजर है। मामला न बढ़े इसके लिए सरकार गंभीरता से पहल कर रही है। जल्द ही सभी जिले को दिशा-निर्देश भेज दिए जाएंगे।

इस एच3 एन1 फ्लू के संभावित खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों को पत्र भेजा गया है। इस पत्र में कहा गया है कि राज्य इस फ्लू को लेकर अलर्ट मोड में रहें। केंद्र ने कहा है कि इंफ्लुएंजा-ए के उप-स्वरूप एच3एन2 (हांगकांग फ्लू) और कोरोना के बढ़ते मामलों की कड़ी निगरानी करें और सतर्क रहें। देश में हांगकांग फ्लू के मामलों में वृद्धि के बीच कुछ राज्यों में कोरोना संक्रमण दर में क्रमिक बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताते हुए केंद्र ने यह बात कही।

कई नेताओं की बढ़ सकती है मुश्किलें: विशाल के घर से जब्त इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के 100 जीबी डेटा फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा

रांची, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजनेताओं और नौकरशाहों के करीबी विशाल चौधरी के आवास से जब्त मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से मिले 100 जीबी डेटा को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है। हाल ही में भाजपा ने विशाल चौधरी के ऑफिस का एक वीडियो जारी कर राज्य में खलबली मचा दी थी। इसके बाद ही ईडी ने इसे जांच के लिए भेजा। जांच एजेंसी ने पिछले साल विशाल के अशोक नगर स्थित आवास पर छापेमारी की थी। इस दौरान वहां से कई

मोबाइल और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए थे। इसमें कई नेताओं और अधिकारियों से बातचीत के ऑडियो-वीडियो क्लिप मिले थे। अब उन क्लिप्स को पुख्ता करने के लिए डेटा को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, ताकि पुष्ट हो सके कि यह सही है। फॉरेंसिक जांच के बाद राज्य के कई नेताओं और अधिकारियों की परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि विशाल चौधरी कई अधिकारियों और नेताओं का करीबी रहा है।

भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने हाल ही में एक वीडियो जारी किया था। इसमें वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजीव अरुण एक्का विशाल चौधरी के ऑफिस में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते दिखे थे।

अखिलेश यादव ने बुलडोजर नीति पर उठाए सवाल, कहा- पहले खुद के लोगों पर इसे लागू करे भाजपा

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को ट्वीट कर भाजपा सरकार की बुलडोजर नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अवैध निर्माण व कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाने से पहले भाजपा सरकार अपने सभी कार्यालयों, मंत्री, नेताओं व कार्यकर्ताओं के घरों, दुकानों व प्रतिष्ठानों के वैध नक्शे व अनुमति की जांच कर उन पर बुलडोजर चलाए। दूसरों का घर-दुकान गिराने वाले भाजपाई पहले खुद पर इसे लागू करके दिखाएं। अखिलेश यादव शनिवार को गुजरात में थे जहां उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा था कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भाजपाई सरकारों ने गांधी जी के अहिंसा व सौहार्द के सिद्धांत की जगह हिंसा व नफरत के प्रतीक एनकाउंटर व बुलडोजर की मानसिकता को अपना लिया है।

रूस ईरान को देगा सुखोई-35 लड़ाकू जेट विमान

मास्को ने तीन साल पहले किया था ऐलान

तेहरान, 12 मार्च (एजेंसियां)। रूस और ईरान के बीच अच्छे संबंध है. इसी बीच ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरान रूस से सुखोई-35 लड़ाकू जेट खरीदने वाला है. इसके संबंध में डील फाइनल हो चुकी है. हाल ही में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत हुए है. वहीं टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक रूस ईरान को लड़ाकू जेट देने के लिए तैयार है. ईरान की आधिकारिक मीडिया ईरान के मुताबिक सुखोई Su-35 फाइटर जेट्स को तकनीकी रूप से ईरानी जेट एक्सपर्ट ने अप्रूव किया था. इसके बाद ईरान ने सुखोई -35 फाइटर जेट्स को खरीदने के डील को फाइनल किया. हालांकि, रूस की ओर से डील को लेकर अभी कोई पुष्टि नहीं की गई है.

हथियार खरीदने पर प्रतिबंध

संयुक्त राष्ट्र ने प्रस्ताव 2231 के तहत ईरान पर पारंपरिक हथियार खरीदने पर प्रतिबंध लगाया गया था. ये प्रतिबंध साल 2020 के अक्टूबर में खत्म हो चुका था. इसके खत्म होने बाद रूस ने घोषणा की थी कि वो सुखोई -35 फाइटर जेट्स ईरान को बेचने के लिए तैयार है. इस बात की जानकारी देर रात जारी किए गए एक बयान में दिया गया. इस बयान में ये भी कहा गया कि सुखोई 35 लड़ाकू विमान तकनीकी रूप से ईरान को मंजूर थे. वहीं ईरान ने पिछले एक साल में सेना सहित विभिन्न क्षेत्रों में मास्को के साथ मजबूत संबंध भी बनाए हैं.

यूक्रेन ने ईरान पर आरोप लगाया

रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में यूक्रेन ने ईरान पर आरोप लगाया था, क्योंकि यूक्रेन का कहना था कि रूसी हमले में इस्तेमाल किए जाने वाला ड्रोन ईरान का है. इस ड्रोन का नाम कामिकेज़ है. हालांकि, बाद में ईरान यूक्रेन के तरफ से लगाए आरोप को गलत बताया था. इसके अलावा अमेरिका ने दिसंबर में ईरान और रूस के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग पर चिंता व्यक्त की थी. उस दौरान पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने आशंका जताई थी कि रूस ईरान को अपने लड़ाकू जेट बेच सकता है. इस साल की शुरुआत में आई खबरों के मुताबिक, ईरान ने रूस के 24 सबसे एडवांस्ड जेट विमानों के साथ-साथ अन्य सैन्य हार्डवेयर के लिए ऑर्डर दिया था, जिसमें एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल सिस्टम और हेलीकॉप्टर शामिल थे.अभी ईरान के पास ज्यादातर रूसी मिग और सुखोई लड़ाकू जेट हैं, जो सोवियत टाइम के है. इसके साथ ही एफ-7 सहित कुछ चीनी विमान भी हैं. वहीं 1979 की इस्लामिक क्रांति से पहले अमेरिकी एफ-4 और एफ-5 फाइटर जेट भी ईरान बेड़े का हिस्सा है.

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ही करीबी को बनाया निशाना, पूर्व उपराष्ट्रपति का बड़ा हमला

वाशिंगटन, 12 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के संसद भवन परिसर में छह जनवरी को हुए दंगे को लेकर पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की है. उन्होंने कहा है कि इस दंगे के जरिए ट्रंप ने उनके परिवार और संसद भवन में मौजूद हर शख्स की जान खतरे में डाल दी थी. उन्होंने ये बात वार्षिक ग्रिडिरोन रात्रि भोज के दौरान कही. उनका ये बयान ऐसे समय में आया है जब अगले साल देश में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं और दोनो उम्मीदवार रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उम्मीदवार के नामांकन की दौड़ में शामिल है. पेंस ने अभी तक अपनी उम्मीदवारी का ऐलान नहीं किया है लेकिन माना जा रहा है कि वह इसके लिए पांव जमा रहे हैं. उनके इस बयान के बाद से दोनों नेताओं के बीच विवाद और गहरा गया है. पेंस ने कहा, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप गलत थे. उन्होंने कहा, मुझे चुनाव पलटने का कोई अधिकार नहीं था और उनके (ट्रंप के) बेतुके बयानों ने उस दिन (छह जनवरी को) मेरे परिवार और कैपिटोल (संसद भवन परिसर) को खतरे में डाल दिया था. उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि इतिहास डोनाल्ड ट्रंप को इसके लिए जिम्मेदार ठहराएगा. पेंस कभी ट्रंप के सबसे वफादार माने जाते थे. उनका ये बयान अब तक की सबसे तीखी आलोचना माना जा रहा है. पेंस 2021 के राष्ट्रपति चुनाव में नतीजों के औपचारिक प्रमाणीकरण की अध्यक्षता कर रहे थे . ऐसे में ट्रंप ने छह जनवरी के दिन तक पेंस पर दबाव डाला था कि वह राष्ट्रपति जो बाइडन की चुनावी जीत को पलट दें. लेकिन पेंस ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था और जब दंगाइयों ने कैपिटोल (संसद भवन परिसर) पर धावा बोला था तब कुछ ने कहा था कि वे माइक पेंस को फांसी पर लटकाना चाहते हैं.

क्या सच में चीन की सड़कों पर हो रही है कीड़ों की बारिश

बीजिंग, 12 मार्च (एजेंसियां)। चीन के लिओनिंग प्रांत में एक अजीबो-गरीब घटना देखने को मिली है. यहां सड़कों के किनारे कारों के ऊपर बहुत सारे कीड़े दिखे. इसके अलावा सड़कों पर सैकड़ों की मात्रा में कीड़े गिरे पड़े दिखे चीन के लिओनिंग प्रांत में रहने वालों का कहना है कि कीड़े जैसे जीव या वस्तुएं आसमान से बरस रही थीं. वहीं एक वायरल वीडियो में केंचुओं की तरह दिखने वाले जीव कारों और लिओनिंग की सड़कों पर बिखरे पड़े दिखाई दिए. वहीं सड़कों पर चलने वाले लोग साथ में छाता लेकर चल रहे थे. वैज्ञानिक पत्रिका मदर नेचर नेटवर्क के अनुसार तूफान के दौरान कीड़े भंवर में फंस जाते हैं. इस तरह वो बह कर गिरने लगते है. वहीं कुछ इंटरनेट यूजर का कहना है कि ये कीड़े जैसी दिखने वाली चीज कीड़े नहीं, बल्कि चिनार का फूल हैं, जिसके फूल केंचुए से मिलते जुलते हैं. वहीं एक और ट्विटर यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये कीड़े नहीं बल्कि फूल के डंठल हैं. लोगों ने कहा कि जब चिनार के फूल गिरने लगते हैं, तो इसका मतलब ये है कि वे खिलने वाले हैं. इस बीच, माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर पर इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि ये फूल है या सच में कोई कीड़ा. वहीं कई लोगों का ये भी मानना है कि कीड़ों की बारिश होना असंभव बात नहीं है.

आसमान से गिरना दुर्लभ है

बारिश के दौरान केंचुओं का आसमान से गिरना दुर्लभ बात है, लेकिन असंभव नहीं है. ऐसी घटनाओं को केंचुए की बारिश कहते है. यह आमतौर पर तब होता है जब विशिष्ट मौसम की स्थिति होती है, जैसे कि तेज हवाएं, जिसमें केंचुए बह कर आ जाती है और बादलों में चली जाती है. इसके बाद से बारिश के साथ आसमान से गिरने लग जाते है. न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दिसंबर में इसी तरह की एक अजीब घटना घटी थी जब यह माना गया था कि फ्लोरिडा में ठंडे तापमान के कारण इगुआना पेड़ों से गिरने लगे थे.

3 साल में ऑस्ट्रेलिया की चीन से जंग

विदेशी मीडिया की 'रेड अलर्ट' रिपोर्ट में दावा, वजह भी बताई

केनबरा, 12 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और चीन के बीच अगले 3 साल में जंग हो सकती है. ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में इस खतरे को लेकर आगाह करते हुए ऑस्ट्रेलिया को जंग के लिए तैयार रहने को कहा है. ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख अखबारों सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड और द एज ने इस बारे में एक संयुक्त रिपोर्ट तैयार की है. रेड अलर्ट नाम की इस रिपोर्ट को 5 रक्षा विश्लेषकों- एलक फिनकेल, पीटर जेनिंग्स, लाविना ली, मिक रेयॉन और लेसली सीबेक ने लिखा है. इसे ऑस्ट्रेलिया के 9 प्रमुख मीडिया संस्थानों में प्रकाशित किया गया है.

जंग से बचना होगा मुश्किल- रिपोर्ट

रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश ऑस्ट्रेलियाई नागरिक जिस तरह सोचते हैं उसकी तुलना में ताइवान और चीन से जुड़े संघर्ष की संभावना बहुत अधिक है. अगर युद्ध होता है तो अमेरिका के साथ देश के गठबंधन को देखते हुए, ऑस्ट्रेलिया के लिए इसमें शामिल होने से बचना बहुत मुश्किल होगा

2027 में हो सकती है जंग

रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के खतरे के जोखिम का आकलन राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आक्रामक रुख और तेजी से चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर आधारित है. इसमें तीन साल की समय सीमा की बात कही है, क्योंकि 2027 में ताइवान का तनाव निर्णायक बिंदु पर पहुंच जाएगा. इस समय तक चीन ताइवान स्ट्रेट में अमेरिका पर सैन्य बढ़त हासिल कर चुका होगा. विश्लेषकों के अनुसार चीन का डेमोग्राफिक संकट भी इसकी वजह है. शी जिनपिंग के पास इतने बड़े संघर्ष की तरफ आगे बढ़ने के लिए सीमित रास्ते हैं. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर ऐसी स्थिति बनती है कि संघर्ष टाला नहीं जा सकता तो यह अमेरिका के लिए अधिक होगा कि ताइवान स्ट्रेट में युद्ध जल्द शुरू हो जाए.

ऑस्ट्रेलिया के लिए क्यों जरूरी ताइवान?

हालांकि, इस रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध में शामिल होने को लेकर आस्ट्रेलियाई लोगों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है. हालांकि, रक्षा विश्लेषक मिक रेयान ने लिखा है कि आस्ट्रेलिया ने पहले ही ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका के साथ रहने का फैसला किया है. रिपोर्ट में ताइवान युद्ध के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि ताइवान पर कोई भी हमला न तो मामूली मामला है और न ही स्थानीय. सफल होने पर दक्षिण-पूर्व एशिया और प्रशांत महासागर के द्वीपीय राज्यों पर बीजिंग का प्रभुत्व हो सकता है. दुनिया के लिए ऑस्ट्रेलिया की वाणिज्यिक और सुरक्षा जीवनरेखा केवल बीजिंग की खुशी पर निर्भर करेगी.

चीन के इस शहर में लगने जा रहा लॉकडाउन

इमरजेंसी प्लान जानकर भड़क उठे लोग, बोले- अब और नहीं

बीजिंग, 12 मार्च (एजेंसियां)। चीन के एक शहर में लॉकडाउन की सलाह के बाद सोशल मीडिया पर यूजर भड़क उठे. इन्फ्लुएंजा के बढ़ते मामलों के बाद चीन के शानक्सी प्रांत के शियान शहर में अधिकारियों ने एक इमरजेंसी रिएक्शन प्लान की घोषणा की थी. इसके तहत फ्लू की स्थिति गंभीर होने पर बाजारों, स्कूलों और अन्य भीड़-भाड़ वाले इलाकों को बंद करने की बात कही गई थी. इमरजेंसी रिएक्शन प्लान में चार स्तर हैं, जिसमें आखिरी स्तर लॉकडाउन का है. लॉकडाउन की आशंका को देखते हुए यूजर का गुस्सा फूट पड़ा और सोशल मीडिया पर इस योजना का जोरदार विरोध हुआ. यूजर्स का कहना है कि यह योजना कोरोना काल में तीन साल तक देश में लागू रही जीरो-कोविड पॉलिसी की तरह ही है. चीन को अपनी कठोर कोविड-19 नीति के चलते पूरी दुनिया में आलोचना का सामना करना पड़ा है. सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना के चलते कड़े प्रतिबंधों के चलते दिसंबर 2021 और जनवरी 2022 के बीच शियान शहर के 30 लाख लोग हफ्तों तक अपने घरों में बंद रहे थे. रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में फ्लू के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है. इसके चलते दवा की दुकानों पर जरूरी दवाओं की कमी हो गई है. चीन में फ्लू के मामलों में वृद्धि ऐसे समय में सामने आई है जब भारत में भी इन्फ्लुएंजा के सब वेरिएंट एच3एन2 के मामले में तेजी देखी गई है. भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में 2 जनवरी से 5 मार्च के बीच एच3एन2 के 451 मामले दर्ज किए गए, इसी अवधि में दो मरीजों की मौत हुई है. कर्नाटक में एक 82 वर्षीय व्यक्ति की सब वेरिएंट से मौत हुई है. यह मधुमेह से पीड़ित थे. साथ ही हरियाणा में फेफड़े के कैंसर के एक 56 वर्षीय मरीज की मौत हुई.

बढ़ती दरार!: चीनी सेना के जिस अफसर पर अमेरिका ने लगाए प्रतिबंध

ड्रैगन ने उसे रक्षा मंत्री नियुक्त किया

बीजिंग, 12 मार्च (एजेंसियां)। चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग को रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता सौंपी गई है। अब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) जिनपिंग तरफ से प्रस्तावित नामों को सरकार में अलग-अलग पद सौंपने का काम भी कर रही है। पीएम ली कियांग के बाद कम्युनिस्ट पार्टी ने अपनी पार्टी कांग्रेस में जनरल शी शांगफू को चीन को नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। 65 वर्ष के शांगफू जल्द ही वेई फेंघ की जगह लेंगे, जो कि अक्तूबर में ही चीन की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में अपने पद से इस्तीफे का एलान कर चुके हैं।

क्यों खास है ली शांगफू की नियुक्ति?

ली शांगफू चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में चर्चित चेहरा हैं। उन्हें जिनपिंग के नेतृत्व में 2015 में सेना की स्ट्रैटिजिक सपोर्ट फोर्स शाखा का हिस्सा बनाया गया था। इस शाखा को स्पेस, साइबर तकनीक, राजनीतिक और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के क्षेत्र में चीन को उन्नत बनाने के लिए तैयार किया गया था।

शांगफू की रक्षा मंत्री के तौर पर नियुक्ति अमेरिका-चीन के बीच पहले से खटाई में पड़े रिश्तों के लिए और मुसीबत पैदा कर सकती है। दरअसल, 2018 में अमेरिका ने शांगफू पर प्रतिबंध लगा दिए थे। वॉशिंगटन ने कहा था कि शांगफू ने चीन के लिए रूस से सुखोई-35 कॉम्बैट एयरक्राफ्ट और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान ली शांगफू चीन की रक्षा तकनीक के आधुनिकीकरण का काम देख रहे एक उच्चाधिकार प्राप्त सैन्य आयोग में उपकरण विकास विभाग के निदेशक थे। यही नहीं अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि उसकी तरफ से अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया में रूसी दखल की कोशिशों के चलते रूसी हथियार विक्रेताओं, ली शांगफू और उनके विभाग पर वृहद प्रतिबंध लगाए गए हैं। शांगफू पर जो प्रतिबंध लगाए गए थे, उनके तहत वे अमेरिकी क्षेत्राधिकार में किसी भी लेन-देन में हिस्सा नहीं ले सकते थे। इसके अलावा उन्हें अमेरिकी वित्तीय सिस्टम में लेन-देन से भी पूरी तरह बैन कर दिया गया था। इतना ही नहीं अमेरिका में शांगफू की या उनसे जुड़ी संपत्तियों और उनके वीजा पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। ऐसे में शांगफू को रक्षा मंत्री बनाए जाने का फैसला पहले से खराब अमेरिका-चीन के रिश्ते को और खराब कर सकता है। खासकर दो देशों के बीच रक्षा मंत्रियों की बैठक में स्थिति और खराब हो सकती है। अमेरिका को भी शांगफू के साथ बातचीत के दौरान अपने पुराने नियमों और प्रतिबंधों को ताक पर रखना पड़ सकता है, जो कि एक तरह से चीन के लिए फायदे का सौदा रहेगा।

रेलवे में टीसी लगवाने के नाम पर लाखों की ठगी, वाराणसी में ट्रेनिंग करवाकर सैलरी भी दी, ऐसे हुआ खुलासा

फिरोजपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे में नौकरी के नाम पर पंजाब के सैकड़ों युवाओं से ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। आरोपियों ने ठगी के शिकार युवकों से तीन महीने तक वाराणसी में टिकट निरीक्षक (टीसी) की ट्रेनिंग भी करवाई। इस दौरान उनके खातों में सैलरी भी आती रही। तीन दिन पहले विजिलेंस ने मुख्य आरोपी दलजीत सिंह को एक पीड़ित परिवार से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। साथ ही दिल्ली डीआरएम आफिस के हेड क्लर्क रवि मल्होत्रा व क्लर्क जोगिंदर सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। गिरफ्तारी की खबर मिलते ही शनिवार को ठगी के शिकार 114 लोग विजिलेंस अधिकारियों के पास पहुंचे और अपनी आपबीती बताई।

19 मार्च से पर्यटकों के लिए खुलेगा ट्यूलिप गार्डन, वादी में बिखरेगी फूलों की महक

जम्मू कश्मीर, 12 मार्च (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध डल झील के किनारे स्थित एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन को 19 मार्च से लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। फ्लोरीकल्चर विभाग के निदेशक फारूक अहमद राथर ने कहा कि इस साल ट्यूलिप की 68 किस्में लगाई गई हैं। इसके अलावा भी अन्य फूलों की कई किस्में लगाई गई हैं। निदेशक ने कहा कि यहां घूमने आने वाले लोगों के लिए सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। रेन शेल्टर भी पर्याप्त हैं, ताकि जब मौसम खराब हो तो बारिश से लोग बच सकें। पिछले साल यहां रिकॉर्ड 3.60 लाख के करीब पर्यटक आए थे। उम्मीद है कि इस साल इससे अधिक पर्यटक आएंगे।

कश्मीर में मौसम-ए-बहार की आमद होती है तो चारों ओर सबसे पहले बादाम और चेरी के रंग बिरंगे फूल खिलते हैं, जो कि एक अद्भुत नजारा पेश करते हैं। श्रीनगर के रैनावारी इलाके में हरी पर्वत के दामन में स्थित 300 कनाल भूमि पर फैले बादामबाड़ी बाग में करीब 1000 से अधिक बादाम के पेड़ हैं। इन पर सफेद और गुलाबी फूल एक अलग ही नजारा पेश करते हैं, जिन्हे देखने के लिए हजारों पर्यटक और स्थानीय लोग यहां पहुंचते हैं। इस बाग को शुक्रवार को लोगों के लिए औपचारिक रूप से खोल दिया गया।

चीन पर अब लगेगी लगाम

अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन 13 मार्च को करेंगे बड़ी घोषणा

वाशिंगटन, 12 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और ब्रिटेन 13 मार्च को एक बड़ी घोषणा करने वाले हैं। चीन को रोकने के लिए ये दोनों देश ऑस्ट्रेलिया को खतरनाक हथियार मुहैया कराएंगे। इस पनडुब्बी समझौते में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी एलबानीज और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक शामिल होंगे।

वर्ष 2021 को हुई थी डील

बता दें कि इन हथियारों की डील सितंबर 2021 में हुई थी। इसका मुख्य उद्देशय इंडो-पैसिफिक इलाके में चीन की हरकतों पर लगाम लगाना है। इस योजना को ऑकस नाम दिया गया है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने मिलकर ऑकस योजना की घोषणा 2021 में की थी, जिससे इंडो-पैसिफिक इलाके में चीन पर पैनी नजर बनाई जा सके। बता दें कि ये अमेरिकी निर्मित पनडुब्बियां 2032 की शुरुआत में आने की उम्मीद है।

सैन डिएगो में होगा समझौता

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 13 मार्च को ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के नेताओं से सैन डिएगो में मुलाकात करेंगे। यहीं, यूएसएस मिसौरी पनडुब्बी पर सवार होकर तीनों नेता नई साझेदारी का खुलासा करेंगे। बता दें कि यह आधुनिक इतिहास में सबसे त्रिपक्षीय रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी हो सकती है।

ऑकस का मुख्य उद्देश्य

ऑकस का मुख्य उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियों की बेशकीमती तकनीक निर्यात करने के लिए एक अमेरिकी समझौता था। जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ये पहले केवल ब्रिटेन के साथ साझा किया गया था जब उसने 1960 के दशक में अपने अंडरसीट बेड़े को डिजाइन किया था।

चीन की चेतावनी

इस समझौते को लेकर चीन ने तीनों देशों पर परमाणु अप्रसार प्रयासों को वापस स्थापित करने का आरोप लगाया है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने संवाददाताओं से कहा, हम अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया से शीत युद्ध की मानसिकता को छोड़ने, अच्छे विश्वास में अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सम्मान करने और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अनुकूल चीजें करने का आग्रह करते हैं।

रमजान में नहीं सुन पाएंगे अजान

मस्जिदों में लाउडस्पीकर हुए बैन, अरब के फैसले पर भड़के भारत के मुस्लिम धर्मगुरु

रियाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने 22 मार्च से शुरू हो रहे रमजान को लेकर कई गाइडलाइंस जारी की हैं. नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, अब सऊदी में मस्जिदों में लाउडस्पीकर पर पूरी तरह से बैन रहेगा और अजान का लाइव प्रसारण भी नहीं होगा. हालांकि, सऊदी सरकार के इस फैसले पर दुनियाभर के मुस्लिम धर्म गुरु नाराज हैं. अखिल भारतीय मुस्लिम जमात के मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने भी इस पर आपत्ति जताई है. शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने सऊदी सरकार के फैसले को नाजायाज ठहराते हुए कहा कि जहां लाउडस्पीकर का इस्तेमाल हो रहा है उसे नहीं रोकना चाहिए और जहां लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं हो रहा है, वहां उसकी जरूरत नहीं है. मौलाना रजवी ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि आजादी के बाद से ही यहां लाउडस्पीकर का इस्तेमाल हो रहा है, हिंदुस्तान में ऐसी कोई पाबंदी नहीं है. उन्होंने आगे कहा, हिंदुस्तान में कुछ दिन पहले हाई कोर्ट के ऑर्डर पर लाउडस्पीकर की आवाज धीरे कई गई थी, लेकिन रोक नहीं लगाई गई... सऊदी हुकूमत के फैसले से सारी दुनिया को मायूसियत हुई है. उनसे अनुरोध है की वो अपना फैसला वापिस लें. बता दें कि रमजान के मद्देनजर सऊदी अरब की सरकार ने गाइडलाइंस जारी की हैं. इस्लामी मामलों के मंत्री शेख डॉक्टर अब्दुल लतीफ बिन अब्दुल अजीज अल-अलशेख ने 10-सूत्री लिस्ट जारी की है. इसमें कहा गया है कि नमाज के दौरान मस्जिदों में लाउडस्पीकर पर बैन रहेगा और फोटोग्राफी भी नहीं होगी. इसी के साथ कहा गया है कि मस्जिदों में इफ्तार भी नहीं की जाएगी. इफ्तार के लिए चंदा इकट्ठा करन पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है. सऊदी सरकार ने नए निर्देशों में बच्चों को लेकर भी गाइडलाइन जारी की हैं. अब अजान के वक्त बच्चों को मस्जिदों में नहीं जाने दिया जाएगा. सरकार ने लोगों से कहा है कि वो अपने बच्चों को मस्जिद लेकर न आएं. सरकार ने कहा है कि बच्च मस्जिद में लोगों को परेशान करते हैं और इससे लोगों की इबादत में खलल पड़ता है.

शहीदों की पत्नियों से बदसलूकी

विरोध में पुलिस पर पथराव :भाजपा कार्यकर्ताओं ने बरसाए पत्थर, विधायक पुलिस के पैरों में लेटे

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में विरोध-प्रदर्शन के दौरान बीजेपी कार्यकर्ता-नेता पुलिस से उलझ गए। लोगों ने पुलिस की बसों पर पथराव किया।

जयपुर में शहीदों की पत्नियों से बदसलूकी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर पथराव कर दिया। कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय से निकले तो पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान विधायक मदन दिलावर पुलिस जवानों के पैरों में लेट गए। बैरिकेड पार करने के प्रयास में प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया के पैर में चोट लग गई। करीब ढाई घंटे के प्रदर्शन के बाद भाजपा नेता-कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारियां दीं। बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने विद्याधर नगर ले जाकर छोड़ दिया। इससे पहले भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभा भी की। प्रदर्शन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया, उपनेता प्रतिपक्ष डॉ राजेंद्र राठौड़, सांसद घनश्याम तिवाड़ी सहित कई नेता मौजूद रहे।

गुटबाजी सामने आई

प्रदर्शन के दौरान भाजपा में एक बार फिर गुटबाजी सामने आ गई। सांसद किरोड़ीलाल के समर्थकों ने 'सतीश पूनिया हाय-हाय' के नारे लगाए। वहीं पूनिया समर्थकों ने 'पूनिया जिंदाबाद' के नारे लगाए। किरोड़ी समर्थकों की नाराजगी इस बार को लेकर है कि बीजेपी संगठन ने दमदार तरीके से उनका साथ नहीं दिया।

पुलवामा के शहीदों की पत्नियां मंजू जाट,सुंदरी देवी, मधुबाला मीणा पिछले एक हफ्ते से कांग्रेस नेता सचिन पायलट के निवास के बाहर धरना दे रही थीं। पुलिस ने गुरुवार रात तीन बजे इन्हें जबरदस्ती धरनास्थल से उठाकर एंबुलेंस में उनके गांव पहुंचा दिया। भाजपा सांसद किरोड़ीलाल जब शुक्रवार को शहीदों की पत्नियों से मिलने जा रहे थे तो उन्हें रोक लिया गया। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलवामा शहीदों की पत्नियां मंजू जाट और सुंदरी देवी अपने देवर के लिए सरकारी नौकरी मांग रही हैं। सरकार का तर्क है कि देवर को सरकारी नौकरी देने का नियमों में प्रावधान नहीं है। शहीद हेमराज मीना की पत्नी की मांग है कि सांगोद चौराहे पर भी उनकी मूर्ति लगाई जाए। एक स्कूल का

नामकरण शहीदों के नाम पर करें। शहीदों की पत्नियों ने अब बदसलूकी करने वाले पुलिसवालों पर कार्रवाई करने की मांग भी जोड़ ली है। दरअसल, सांसद किरोड़ीलाल शहीदों की पत्नियों से मिलने उनके गांव जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोका और बदसलूकी की। भाजपा नेताओं में सांसद से हुई बदसलूकी को लेकर नाराजगी है। इस प्रदर्शन में दौसा, करौली से किरोड़ीलाल समर्थक भी पहुंचे हैं। वहीं, सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में एडमिट सांसद किरोड़ीलाल की हालात सामान्य बताई जा रही है।

किरोड़ी ने की हाथ-पैर सुन्न होने की शिकायत, बोर्ड ने एमआरआई करवाई

एसएमएस हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड में भर्ती सांसद किरोड़ी लाल मीणा का शुक्रवार को हेल्थ बुलेटिन जारी किया है। एसएमएस के अधीक्षक डॉक्टर अचल शर्मा ने बताया- सांसद की तबीयत स्थिर है। उनकी सभी ब्लड टेस्ट नॉर्मल आए हैं। दिन में सांसद ने बाएं हाथ-पांव में हल्के सुन्नपन की शिकायत की थी। इसके बाद मेडिकल बोर्ड ने उनकी एमआरआई करवाने के लिए कहा। एमआरआई करवा दी गई है। रिपोर्ट आना अभी बाकी है। रिपोर्ट के बाद ही आगे का ट्रीटमेंट तय किया जाएगा।

मंत्री खाचरियावास ने किरोड़ी से की मुलाकात

मंत्री प्रतापसिंह खाचरियाावास ने शनिवार को एसएमएस अस्पताल में भर्ती सांसद किरोड़ीलाल मीणा से मुलाकात की। खाचरियावास ने किरोड़ी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। बता दें खाचरियावास ने मंत्री शकुंतला रावत के साथ पायलट के बंगले के बाहर धरने पर भी किरोड़ी और वीरांगनाओं से मुलाकात करके उनकी मांगों पर सहमति जताई थी। दोनों मंत्रियों की मुलाकात के दो घंटे बाद ही सीएम गहलोत ने ट्वीट कर वीरांगनाओं की मांगों करे अनुचित ठहरा दिया था।

पायलट बोले- शहीदों की पत्नियों की बात सुननी चाहिए

इससे पहले शुक्रवार शाम को पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने शहीदों की पत्नियों मुद्दे को लेकर सरकार और सीएम पर तंज कसा। उन्होंने कहा, 'शहीदों की पत्नियों सुना जाना चाहिए था, उनकी मांगों को मानना या नहीं मानना, बाद का मुद्दा है। जहां तक नौकरियों की बात है, किसी को एक-दो नौकरी देने से बदलाव आने वाला नहीं है। पायलट ने कहा, मुद्दा मार्मिक है तो उसे उसी तरह से डील भी करना चाहिए। हम अगर किसी को कुछ नहीं भी देना चाहें तो बैठकर मिलकर संवेदनशील होकर समझाएं तो मामला बेहतर बन सकता है।

पायलट ने कहा- 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कांग्रेस, बीजेपी या जनता दल या इस प्रकार की बातें करनी चाहिए क्योंकि यह देश, एक दल का नहीं है, यह पूरे भारतवासियों का है। हमारी फौज पूरे देश की रक्षा करती है। हमारे सैनिक सरहद पर खड़े होकर गोली खा रहे हैं, गोली खाने को तैयार हैं; वे किसी जाति धर्म या विचारधारा के लिए नहीं पूरे देश के लिए खड़े हैं।

उनके मान-सम्मान में कोई कमी नहीं आने देनी चाहिए और ऐसा लगना भी नहीं चाहिए। अगर कोई गलतफहमी है और मांगें ज्यादा हैं तो बैठकर समझाना था। तभी बेहतर समाधान निकल सकता था।' पायलट ने कहा- 'आज भी मानता हूं कि कोई छोटी मोटी मांगें हैं, किसी की सड़क की है, चारदीवारी की है, मूर्ति की है उसे हम पूरा कर सकते हैं। क्योंकि देश में ऐसा मैसेज नहीं जाना चाहिए कि शहीदों की पत्नियों की बात हम सुनने को ही तैयार नहीं हैं। बात को मानना अलग बात है लेकिन इसे सुनने में इगो सामने नहीं लाना चाहिए चाहे कोई भी व्यक्ति हों। शहीदों की पत्नियां मेरे घर आईं, वे भावुक थीं, उनकी बात को सुना।

राजस्थान में पहली बार 'आप' करेगी शक्ति प्रदर्शन

केजरीवाल-भगवंत मान निकालेंगे तिरंगा यात्रा; जयपुर में जनसभा की तैयारी

घोषित हो सकती है कार्यकारिणी

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) भी इस बार पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। आप प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान कल जयपुर पहुंच रहे है। जहां ये दोनों रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। आप के पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री गिरिराज सिंह खंगारोत ने बताया- जनसभा से पहले दोपहर करीब 1 बजे एक रैली निकाली जाएगी। जिसे तिरंगा यात्रा नाम दिया है। ये यात्रा अल्बर्ट हॉल से शुरू होगी, जो न्यू गेट, एमआई रोड पर सांगानेरी गेट होते हुए रामलीला मैदान पहुंचेगी।

करीब आधा किलोमीटर की इस यात्रा में सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हाथ में लेकर उसे फहराएंगे। इस मौके पर आप के प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा प्रभारी समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

वर्तमान में राजस्थान में आप की कार्यकारिणी नहीं है। संभावना है कि इस जनसभा के बाद आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष की घोषणा कर दें।

इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नियुक्ति की घोषणा की जा सकती है। चुनाव नजदीक आता देख पार्टी चाहती है कि प्रदेश में करीब 50 से ज्यादा ऐसी सीटों पर चुनाव लड़ा जाए। जहां भाजपा-कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के प्रति जनता में नाराजगी हो। ताकि वहां जनता के लिए तीसरा विकल्प बन सके। इस यात्रा में ज्यादा से ज्यादा जनता और आप के कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। इसके लिए प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार किया गया है।

इसके तहत राजस्थान में आप से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ताओं और पूर्व पदाधिकारियों ने बैठकें कर आमजन से 13 मार्च को जयपुर पहुंचने की अपील की है।

गहलोत-पायलट कलह पर ओवैसी का तंज, इससे जनता तकलीफ में

कहा- जुनैद-नासीर घटना पर क्यूं नहीं बोले मंत्री सालेह मोहम्मद, पूर्व मंत्री अमीन खान

बाड़मेर, 12 मार्च (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सचिन पायलट के टोंक से चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद पलटवार किया। हमारी पार्टी भी चुनाव लड़ेगी और चुनाव लड़ने का अधिकार सब को है। हम चुनाव में मुकाबला करेंगे। शिव के विधायक अमीन खान व पोकरण विधायक व मंत्री पर निशाने पर लेते हुए कहा कि भरतपुर के जुनैद व उसके साथी के मर्डर पर जुबान भी नहीं खोली। इतना बड़ा कांड हुआ लेकिन दोनों कुछ भी नहीं बोले। बोलना चाहिए था।

राजस्थान सरकार पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि बीते बजट में जो वादे किए वो पूरे नहीं किए और अल्पसंख्यक को कुछ नहीं दिया। हम उनको बताएंगे। हम एक्सपर्ट से एक रिपोर्ट तैयार करवाई है जिसमें राजस्थान मुसलमानों के सोशल, एजुकेशनल, इकोनॉमी, हेल्थ सभी पर सर्वे करवा रहे है। मार्च के दूसरे वीक में रिपोर्ट दिखाएंगे और इनके कारनामें सबको पता लग जाएगे।

सांसद असदुद्दीन ओवैसी दो दिवसीय दौर पर बाड़मेर पहुंचे। शनिवार रात को करीब 6 बजे बालोतरा पहुंचे। वहां से रवाना होकर साढ़े आठ बजे बाड़मेर पहुंचे। दोनों जगह पर ओवैसी का मुसलमानों व दलित समाज के लोगों ने जोरदार स्वागत किया गया। ओवैसी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राजस्थान मे सरकार बराबर नहीं चल रही है। सता पार्टी में आपस में कलह बहुत ज्यादा है और गुटबाजी है। इससे सरकार विफल हुई है और जनता तकलीफ में है। राजस्थान में जितने भी हत्याकांड हुए है चाहे वह जुनैद व उसके साथी का हो, या कोई और सब में सरकार नाकाम साबित हुई है। हमने देखा है कि सरकार में नाराजगी बहुत है।

पायलट के टोंक से चुनाव लड़ने के ऐलान पर ओवैसी ने किया पलटवार

ओवैसी ने सचिन पायलट के टोंक से चुनाव लड़ने के ऐलान पर पलटवार करते हुए कहा कि चुनाव लड़ने का अधिकार सबको है। हमारी पार्टी भी चुनाव लड़ेगा और हम चुनाव में मुकाबला करेंगे। बीते दिनों पायलट ने बिना किसी का नाम लिए ओवैसी पर तंज कसते हुए कहा था कि राजस्थान में कोई भी आए स्वागत है पर, जोड़ने की बात करें पर तोड़ने की नहीं।

ओवैसी बोले- जनता की बहुत शिकायतें हैं

सीएम गहलोत के गढ़ में जनसभा और मुसलमानों के हालात के सवाल पर ओवैसी ने कहा कि जो भी सता में है इसलिए वो बोल नहीं रहे है। लेकिन जिन लोगों से हमने बात की है उनकी बहुत शिकायतें है।

जुनैद व साथी मर्डर मामले में अमीन खान व सालेह मोहम्मद बोले तक नहीं

विधायक अमीन खान के सवाल पर जवाब देते हुए ओवैसी ने कहा कि यह बचारे तो जुनैद व उसके साथी मर्डर मामले में जुबान तक नही खोले, मंत्री साले मोहम्मद भी कुछ भी नहीं बोले। कुछ तो बोलना चाहिए। आप जुनैद व उसके साथी को जिंदा जला दिया गया। बोले ही नहीं विधायक अमीन खान और साले मोहम्मद। सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि इतने साल तक जो वादे किए कुछ भी नहीं किया। हम मार्च के दूसरे सप्ताह में हम खुद एक रिपोर्ट तैयार करवा रहे है एक्सपर्ट से जो राजस्थान के मुसलमानों के सोशल, एज्यूकेशनल, इकोनॉमी हेल्थ यह सब बताएंगे सबको। रिपोर्ट से इनके कारनामें पता चल जाएंगे।

जयपुर में लो-फ्लोर बस का कहर, 2 की मौत

लूना सवार युवक को रौंदा, मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग को मारी टक्कर

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में रविवार सुबह एक बार फिर लो-फ्लोर बस का कहर देखने को मिला। ओवर स्पीड लो-फ्लोर बस ने लूना सवार युवक को रौंद दिया। इसके बाद मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों ही लोगों की मौत हो गई। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शवों को SMS हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है।

एसएचओ (झोटवाड़ा) घनश्याम सिंह ने बताया- हादसे में बिहार निवासी दिलखुश (20) और तारा नगर-सी झोटवाड़ा निवासी राधेश्याम सिंह (68) की मौत हो गई। घटनाक्रम के मुताबिक, सुबह करीब 8:45 बजे दिलखुश लूना से खिरणी फाटक अंडरपास के पास से जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही ओवर स्पीड लो-फ्लोर बस ने उसको चपेट में ले लिया। बस उसे रौंदते हुए निकल गई। बस के नीचे लूना फंसने से आउट ऑफ कंट्रोल हो गई। इसके बाद मॉर्निंग वॉक पर निकले राधेश्याम सिंह को टक्कर मार दी। हादसे के बाद लो-फ्लोर बस को मौके पर छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। एक्सीडेंट की सूचना पर झोटवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बस के नीचे फंसे दिलखुश को लोगों की मदद से बाहर निकाला। इसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं, घायल राधेश्याम को एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया। पुलिस ने बस को जब्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

'पहले क्यों कहा था, देवर को भी नौकरी दे देंगे'

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल बोले- सीएम सवाल का जवाब नहीं दे रहे, घुमाफिरा कर बात कर रहे

कोटा, 12 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल आज कोटा दौरे पर आए। रेलवे स्टेशन पर उन्होंने मीडिया से बातचीत की।उन्होंने वीरांगनाओं के मुद्दे पर कहा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शहीदों के घर गए थे तब उन्होंने हां क्यों भरी थी कि देवर को नौकरी लगा देंगे। हमारा तो एक ही सवाल है गहलोत उसका जवाब दे नहीं रहे। घुमा फिरा कर बात कर रहे हैं। यह सबको पता है वीरांगनाई लंबे समय से धरने पर बैठी।

मुख्यमंत्री को सही सही बात करनी चाहिए। सवाल एक ही है, जब वो घर गए थे मिलने, तब उन्होंने क्यों कहा था, हम देवर

को भी नौकरी दे देंगे। मंत्री मेघवाल से पूछा, क्या वीरांगनाओं की मांग जायज है? इस पर मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि पहले गहलोत ने क्यों वादा किया? हम यही तो पूछना चाह रहे हैं। उसका जवाब देना चाहिए।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा के साथ हुई घटना को लेकर उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार दो भागों में बैठी होने के कारण अन्यायकारी,अत्याचारी हो गई है। सांसद रंजीता कोली, किरोड़ी लाल के साथ दुर्व्यवहार किया है। कुछ कांग्रेस के नेता भी मानते हैं कि सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए फिर भी सरकार ने किया यह बहुत दुखद है।

बीजेपी के दो घरों में बैठे होने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा 4 मार्च को दो अलग अलग कार्यक्रम थे। वसुंधरा राजे के जन्मदिन भी था, और युवा मोर्चा का प्रदर्शन भी था। बीजेपी संगठन आधारित पार्टी है जो संगठन कहेगा उसके आधार पर एक मुखी होकर सब चुनाव लड़ेंगे और राजस्थान में प्रचंड बहुमत से भाजपा शासन में आएगी।

पोकरण के लाठी में 5 चिंकारा के शव मिले

वन्यजीव के शिकार से ग्रामीण में रोष, बोले- इनकी प्रजाति खतरे में

पोकरण, 12 मार्च (एजेंसियां)। पोकरण क्षेत्र के लाठी गांव में गंगाराम की ढाणी के पास कल शाम शनिवार को चिंकारा वन्य जीव के शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीण और वन्य जीव प्रेमीयो ने इस सम्बंध में वन विभाग के अधिकारियो को जानकारी दी। जिस पर वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौक़े पर पहुंचे और चिकारा के शवों को कब्जे में लिया।

जानकारी के अनुसार शनिवार शाम को लाठी क्षेत्र के गंगा राम की ढाणी के पास से कुछ वन्य जीव प्रेमी निकल रहे थे। तभी उन्होंने ढाणी के पास क्षत विक्षप्त

रूप से बिखरे चिंकारा वन्य जीव के शव देखे। जिसके बाद उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया। इस घटना की सूचना मिलने पर वनपाल कानासिंह मेड़तिया, पुरखाराम, भवरूराम सहित अधिकारी और कर्मचारी मौक़े पर पहुँचे और चिंकारा के शव को क़ब्ज़े में लिया। जिसके बाद शवों को वन विभाग की ओर से दफनाया गया।

आवारा कुत्तों का शिकार हो रहे वन्य जीव

पोकरण के लाठी सहित भादरिया, धोलीया, ओढ़ानीया, चाधन गांव के वन क्षेत्र में अक्सर विभिन्न प्रजाति के वन्य जीवों का कुत्ते शिकार कर देते हैं। जिसके कारण अक्सर चिंकारा हिरण, लोमड़ी, गोडावण,बाज, गिद्ध जैसी वन्य जीव इन कुत्तों का शिकार बन जाते हैं। वन्य जीव प्रेमी द्वारा कई बार इस संबध में सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक प्रभावी कदम नहीं उठाने के चलते इन वन्यजीवों की प्रजाति खतरे में हैं।

अजमेर में विधवा महिला से रेप: शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की दी धमकी

अजमेर, 12 मार्च (एजेंसियां)। अजमेर में विधवा महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता को उसकी अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकियां भी दी जा रही है। पीड़िता के द्वारा परेशान होकर मामले की शिकायत क्रिश्चियन गंज थाने में दी गई है। पुलिस ने दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार थाने पर एक पीड़िता ने उपस्थित होकर शिकायत दर्ज करवाई की उसके रिश्तेदार की लड़की के द्वारा 3 महीने पूर्व सलमान नाम के व्यक्ति से उसकी मुलाकात करवाई गई और कहा कि सलमान उससे शादी करना चाहता है। बाद में दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि 15 जनवरी 2023 को आरोपी और उसके रिश्तेदार की बेटी उसके घर पहुंचे जहां दोनों ने बहला-फुसलाकर उसे दबाव डालकर अपने साथ ले गए। जहां उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए गए।

पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया कि जब उसने इसे लेकर मना किया तो उसे शादी के लिए समझाने लगे और कहा कि एक-दो दिन में वह उससे शादी कर लेगा। बाद में उसे बातचीत के लिए आरोपी और उसके रिश्तेदार की लड़की बुलाती थी। रिश्तेदार की लड़की मकान के बाहर निगरानी रखती और आरोपी उसके साथ दुष्कर्म करता था।

रोडवेज बस से नीचे गिरने से वृद्ध की मौत

बस में भीड़ ज्यादा होने के कारण बैलेंस बिगड़ा

झुंझुनूं, 12 मार्च (एजेंसियां)। झुंझुनूं की भेड़ा की ढ़ाणी में रविवार को रोडवेज बस के फाटक से नीचे गिरने पर एक वृद्ध की मौत हो गई है। मृतक रामनिवास (70) पुत्र लादूराम झुंझुनूं सदर थाना क्षेत्र के इण्ड़ाली गांव का रहने वाला था।

आज सुबह 9:30 बजे के आस पास झुंझुनूं जाने के लिए अपने गांव से रोडवेज की बस में चढ़ा था। बस भीड़ ज्यादा होने के कारण वह फाटक में ही खड़ा हो गया।

उसके बाद थोड़ी ही दूरी पर भेड़ा की ढ़ाणी में बैलेंस बिगड़ने से फाटक से नीचे गिर गया। घटना के तुरन्त बाद मौके पर उपस्थित लोगों ने वृद्ध को निजी वाहन से बीडीके अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर झुंझुनूं सदर थाना पुलिस भी बीडीके अस्पताल पहुंची। मृतक के बारे में जानकारी जुटाई। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्च्यूरी में रखवाया।

हैड कांस्टेबल सुभाष ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल मृतक के परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर कॉटयोर शो में वॉक करेंगे 8 सेलेब्रिटीज

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। सितारों से सजे रैंप पर देशभर के डिजाइनर्स अपने कलेक्शंस को शोकेस करते दिखेंगे। जहां प्रसिद्ध फैशन प्लेटफॉर्म पर बॉलीवुड और टेलीविजन के सितारों का जमावड़ा देखने को मिलेगा। मौका होगा जयपुर कॉट्योर शो के ग्यारवें सीजन के आयोजन का। 12 मार्च से 14 मार्च तक भांकरोटा स्थित होटल द पैलेस में यह फैशन वीक आयोजित होने जा रहा है। इस दौरान दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश से 26 डिजाइनर्स मौजूद होंगे। 12 मार्च को प्री डिजाइनर बैश होगा, वहीं 13 मार्च को 13 डिजाइनर्स और 14 मार्च को 13 डिजाइनर्स अपना कलेक्शन शोकेस करेंगे। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह, मुग्धा गोडसे, जाया अफरोज, लिजा मलिक, बॉलीवुड एक्टर अनिरुद्ध दवे, बिग बॉस फेम टेलीविलन सेलिब्रिटी टीना दत्ता, टेलीविजन एक्ट्रेस सोनी सिंह, तानिया चटर्जी, आकाश चौधरी देशभर के डिजाइनर्स के लिए शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर मौजूद होंगे।

हर दिल में हो अध्यात्म का प्रवेश : साध्वी डॉ मंगल प्रज्ञा

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में नगर प्रवेश के अवसर पर साध्वी श्री मंगल प्रज्ञा जी का भव्य स्वागत समारोह सुराना भवन, मलकपेट में आयोजित हुआ। साध्वी श्री जी ने सुराणा भवन में उपस्थित विशाल जनभेदनी को संबोधित करते हुए कहा आज परम प्रसन्नता है की हम परम पूज्य गुरुदेव द्वारा निर्देशित हमारे चतुर्मास क्षेत्र में पहुंच गए हैं। भगवान महावीर ने धर्म और अध्यात्म में प्रवेश के चार द्वार क्षमा, मुक्ति, ऋजुता, मृदुता बताए हैं। धर्म के प्रथम द्वार क्षमा की साधना करें। जीवन को शांत सरोवर बनाएं। कषाय के बंधन से मुक्त रहे। अध्यात्म की चेतना का जागरण हो ऐसी साधना करे। प्रेरणा घटना क्रम का श्रावण कराते हुए साध्वी श्री जी ने कहा जीवन बड़ा कीमती है। मोह चेतना के आवरण को हटाकर इसके असली स्वरूप को समझें और दुर्लभ मानव जिंदगी का आनंद लें। संत समागम जागरण की प्रेरणा देने आते हैं। हम सौभाग्यशाली हैं जिन्हें वीतराग शासन, मर्यादित, अनुशासित, भैक्षव शासन मिला है। वर्तमान में आचार्य महाश्रमण जी का सशक्त सानिध्य मिला है। गुरु दृष्टि हमारे लिए परम सृष्टि है। एक गुरु की आज्ञा ही हमारे लिए प्राण है, त्राण है और शरण है। गुरु शक्ति हमें अध्यात्म का आरोहण करवाती है। साध्वी श्री ने आगे फरमाया आज दक्षिण यात्रा करते करते हम हैदराबाद आ गए हैं। यह चतुर्मास श्रावक परिवार के उत्थान में योगभूत बनेगा। हम संघ संवर्धन में अपने समय और श्रम का नियोजन करें। गुरु आज्ञा का अक्षरशः पालन करें। आपने कहा तेरापंथ समाज का श्रावक समाज बड़ा जागरूक है। भगवान महावीर द्वारा प्रदत माता पिता की उपमा को तहे दिल से सार्थक कर रहा है। इस चातुर्मास में ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप की पवित्र गंगा में स्नान कर निरामय बने। तन और मन को स्वस्थ बनाएं। अभिनंदन समारोह में तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बाबुलाल जी बैद ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एल.बी.नगर के एम.एल.ए. देवीरेड्डी सुधीर रेड्डी ने अपने उद्गार में कहा मुझे यह अवसर भाग्योदय से प्राप्त हुआ है। समय-समय पर मैं आध्यात्मिक सन्निधि का लाभ उठाता रहूंगा। कन्या मंडल एवं ज्ञानशाला ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष वीरेंद्र घोसल ने अपने भावों को प्रस्तुत किया। साध्वी सुदर्शनप्रभा जी, साध्वी सिद्धियशा जी, साध्वी राजुलप्रभा जी, साध्वी चैतन्यप्रभा जी, साध्वी शौर्यप्रभा जी ने अपने भावों को गीत के द्वारा व्यक्त किया। कार्यक्रम से पहले आज साध्वीवृंद चैतन्यपूरी से विशाल जुलूस के साथ मलकपेट स्थित सुराना भवन पहुंचे। आज के कार्यक्रम का सुंदर संचालन श्री लक्ष्मीपत बैद और राकेश सुराना ने किया। आभार ज्ञापन सभा मंत्री श्री सुशील संचेती ने किया।

विवाहेतर संबंध के शक में पति ने पत्नी की हत्या की

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार की रात बहादुरपुरा में एक महिला की उसके पति ने कथित तौर पर किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध होने के संदेह में हत्या कर दी। सोनी उर्फ अनीता (40) मैलारदेवपल्ली में रहती थी और पूरनपुल में एक दुकान पर काम करती थी। करीब दस साल पहले उसकी शादी तुलजप्पा से हुई थी। शनिवार शाम को उसका शव पूरनपुल कब्रिस्तान के पास पाया गया, उसके शरीर पर जलने सहित गंभीर चोटें थीं। बहादुरपुरा इंस्पेक्टर, ए सुधाकर ने कहा कि परिवार के सदस्यों ने हमें बताया कि तुलजप्पा को शक था कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध है। गुस्से में, तुलजप्पा ने अनीता की हत्या कर दी होगी और शव को सुनसान जगह पर छोड़ दिया होगा। बहादुरपुरा पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

हिलेस का वार्षिक हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 579 वीं मासिक साहित्य गोष्ठी का आयोजन वार्षिक हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन रूप में नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में संपन्न हुआ। हिंदी के वरिष्ठ कवि प्रदीप देवीशरण भट्ट ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और हिलेस के संयोजक व हास्य-व्यंग्य विधा के सुप्रसिद्ध कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया और सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की बहुआयामी गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया। हास्य-व्यंग्य के वरिष्ठ कवि रामदास कृष्णा कामत ने अपने वक्तव्य में कहा कि हास्य-व्यंग्य का कवि आम आदमी से अलग दृष्टिकोण रखता है। हास्य-व्यंग्य एक कठिन विधा है। उदाहरण के तौर पर उन्होंने प्रदीप चौबे के रेल की बोगी हास्य-व्यंग्य कविता की कुछ पंक्तियाँ सुनाइं। कवयित्री सुधा ठाकुर ने कहा कि हास्य हिंदी कविता के नौ रसों में से एक है। हास्य कविता हिंदी साहित्य की वह विधा है जिसे पढ़ने और सुनने में आनंद की अनुभूति होती है। व्यंग्य साहित्य की एक ऐसी विधा है जिसमें उपहास, मज़ाक और कुछ आलोचना भी होती है। हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन में नगरद्वय के हिंदी-उर्दू के प्रमुख हास्य-व्यंग्य कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थितियों पर अपनी कविताओं का पाठ कर समाँ बाँध दिया और श्रोताओं को जहाँ मंत्रमुग्ध किया वहीं अपनी कविताओं से हँसने पर विवश कर दिया। कवि सम्मेलन में रामदास कृष्णा कामत, प्रदीप देवीशरण भट्ट, सुधा ठाकुर, पूनम जोधपुरी, सुहास भटनागर, डी. प्रेमराज, शोभा श्रीनिवास देशपांडे, मीर मुज़्ज़फर अली अदीम, ख़लिश हैदराबादी, अनिल कुमार गुप्ता, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, बहर हैदराबादी, संतोष रज़ा, डॉ. फरीदुदीन सादिक़, दिनेश अग्रवाल शशि आदि ने काव्य पाठ किया। अध्यक्षीय टिप्पणी में प्रदीप देवीशरण भट्ट ने कहा कि हास्य और व्यंग्य दो अलग-अलग विधा है। जहाँ गद्य व्यंग्य में हरिशंकर परसाई, शरद जोशी एवं के.पी. सक्सेना जैसे प्रसिद्ध नाम हैं वहीं हास्य कवियों में शैल चतुर्वेदी, काका हाथरसी, सुरेंद्र शर्मा का नाम उच्च स्थान पर है। चिंता का विषय यह है कि आजकल हास्य के नाम पर फूहड़ता परोसी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि आज के इस कार्यक्रम में हास्य-व्यंग्य के कवियों की परिपक्व, सारगर्भित और ज्ञानवर्धक रचनाओं ने काफ़ी गुदगुदाया, हँसाया और मनोरंजन किया है। इस हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन में हैदराबाद के जाने-माने और लोकप्रिय कवियों ने महत्वपूर्ण रचनाओं का पाठ किया है, जिनकी रचनाएँ देश की तमाम पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं और कवि सम्मेलनों द्वारा प्रसारित होती हैं।

भू-अधिग्रहण पीड़ित किसान आंदोलन की राह पर

दिग्गज किसान नेता डॉ राजाराम से मार्गदर्शन अपील

रायपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। कोंडागांव के भूमि अधिग्रहण से प्रभावित डोगरीगांव ,पलारी, मसोरा, कोंडागांव आदि गांवों पीड़ित किसानों की बैठक कोंडागांव-उमरकोट (उड़ीसा) अंतरराज्यीय सड़क के किनारे डोंगरीगुड़ा में संपन्न हुई, जिसमें सैकड़ों पीड़ित आदिवासी किसान परिवारों ने भाग लिया। भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों ने अपने आंदोलन की आगामी रणनीति तय करने हेतु यह बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में मार्गदर्शन हेतु "अखिल भारतीय किसान महासंघ (आईफा)" के राष्ट्रीय संयोजक तथा देश के जाने माने किसान नेता डॉ राजाराम त्रिपाठी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। उल्लेखनीय है कि डॉ त्रिपाठी देश के 223 किसान संगठनों द्वारा गठित "एमएसपी-किसान मोर्चा" के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं। बैठक में पीड़ित किसानों ने एक बार फिर दोहराया कि,हम सभी किसान विकास के खिलाफ बिल्कुल नहीं हैं, और हम भी चाहते हैं कि जल्द से जल्द हमारा बाईपास बनाया जाए। लेकिन हमारे पुरखों की अमानत हमारी अनमोल जमीनों को शासन हमसे कौड़ियों के मोल अधिकृत कर रहा है, और जमीनों का जो मूल्य शासन ने तय किया है, वह वर्तमान बाजार मूल्य से बहुत ही कम है। यह सरासर अन्याय है। दुखद है कि इस संदर्भ किसान क्षेत्र के सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर चुके हैं, पर हम गरीब आदिवासी किसानों की बात कोई भी सुनने को तैयार नहीं है। इसलिए हम सभी किसानों ने आज की बैठक में एक मत होकर डॉ राजाराम त्रिपाठी को इस मामले में हमारा मार्गदर्शन करने देश के सभी किसान संगठनों को हमें न्याय दिलाने में मदद करने हेतु निवेदन किया है। इस संबंध में हमने लगभग 100 पीड़ित किसानों के द्वारा हस्ताक्षरित सामूहिक आवेदन पत्र भी देश किसान के संगठनों के मुखिया को सौंपा है। पीड़ित किसानों का कहना है कि भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के लिए जो नीति तथा दरें शासन ने तय की है वह बहुत ही पक्षपातपूर्ण हैं। बाईपास हेतु भूमि अधिग्रहण में जिस किसान की कम जमीन जा रही है उसे तो ज्यादा पैसा मिल रहा है जबकि जिस किसान की जमीन ज्यादा जा रही है उसे अपेक्षाकृत कम मूल्य मिल रहा है। सरकार द्वारा किसानों की भूमि का तय किया रेट भी वास्तविक बाजार मूल्य से बहुत ही कम है। जो हमें स्वीकार्य नहीं है। किसानों ने कहा कि उनकी भूमि का मुआवजा व्यवसायिक भूमि की दर से दिया जाए। प्रभावित किसानों का यह भी कहना है कि उनके पास कृषि जमीनों के अलावा आजीविका का अन्य कोई साधन नहीं है। इसलिए सरकार कृपा कर उनके लिए समुचित वैकल्पिक नियमित रोजगार की व्यवस्था के उपरांत तथा न्यायोचित मूल्य भुगतान करने के उपरांत ही उनकी भूमि का अधिग्रहण करें। आज की बैठक के संबंध में डॉ त्रिपाठी ने कहा पीड़ित किसानों ने अब अपना एक संगठन बनाया है और अपनी मांगों को पूरा कराने के लिए वो आंदोलन की ओर अग्रसर हैं तथा किसानों ने आंदोलन के मार्गदर्शन हेतु उनसे संपर्क किया है।

विकलांगों को ट्राईसाईकल तथा बैशाखी का वितरण

नारायण सेवा संस्थान का शिविर आयोजित

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नारायण सेवा संस्थान, हैदराबाद शाखा के तत्वावधान मे इसामिया बाजार स्थित संस्थान के हैदराबाद आश्रम भवन परिसर मे निःशुल्क ट्राईसाईकल वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। नारायण सेवा संस्था की हैदराबाद शाखा प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि रविवार को जरूरतमंद विकलांगो को ट्राईसाईकल तथा बैशाखी का निःशुल्क वितरण किया गया। आज संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में छत्रपती शिवाजी महाराज मराठा सांस्कृतिक ट्रस्ट हैदराबाद के अध्यक्ष प्रकाश पाटील, पूर्व डी.सी.पी. लक्ष्मीकांत शिंडे, मदन जाधव, हरीश कोनले, वहीं सम्माननिय अतिथि के रूप मे समाजसेवी सुधीर शिंडे एवं श्रीमती सुनीता शिंडे , अशोक पंडरे, तानाजी थोरट आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व अध्यक्ष उत्तम डामराणी जैन, सलाहकार रिद्धीश जागीरदार, अभय चौधरी, अक्षत चौधरी आदि उपस्थित थे। प्रकाश पाटील ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है, नारायण सेवा संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्य निसंदेह प्रशंसनीय है। संस्था विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यक्रमों को बढावा दे रही है जो की निसंदेह एक हर्ष का विषय है। लक्ष्मीकांत शिंडे ने कहा कि दीन-दुखियों का सेवा करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। अन्य संस्थाओं को भी आगे आकर इस प्रकार के कार्यों को बडे पैमाने पर आयोजित करना चाहिये। मदन जाधव एवं अन्य अतिथियोने अपनी ओर से संस्थान को तन, मन एवं धन से सहयोग करने का आश्वासन दिया उत्तम डामराणी जैन एवं महेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान उदयपुर मानव सेवा के पथ पर चल रही एक संस्था है जहाँ विकलांगो का निशुल्क इलाज किया जाता है। जहाँ रोगी चार पैरों पर चलकर आता है, और दो पैरों से चलकर जाता है। इस संस्था की कई विशेषताएं है। संस्थान द्वारा दिव्यांगो के लिए साल में सामूहिक विवाह का आयोजन निःशुल्क किया जाता है। हैदराबाद मे भी दिव्यांगो के सामूहिक विवाह के आयोजन की योजना है। विवाह करने के इच्छुक जरूरतमंद दिव्यांग हैदराबाद सेवा केन्द्र में संपक करें।

अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा का होली धमाल संपन्न

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा द्वारा हिंग होली के उपलक्ष्य में "होली धमाल' कार्यक्रम संयोजक संजय अग्रवाल के निवास स्थान "अग्रोहा हाउस, गगन महल कॉलोनी पर आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए संस्था की मानद-मंत्राणी रमा बजोरिया ने बताया कि नवनीत झावर के रूप गायन एवं वादन द्वारा होली का गजब का समा बांधा। सभी सदस्य होली के गीतों पर खूब थिरके एवं फूलों से होली खेली। अनिल - रमा बाजोरिया,अध्यक्ष पवन - सुमन भुवानिया , राजकुमार - सुनीता गुप्ता , संजय - लीना अग्रवाल , नरेश - प्रीति गोयल , संजय - शालू गुप्ता , विकास - नुपुर गुप्ता , मिठन लाल - सरला मित्तल , विजय - सरला जिंदल , आदि ने युगल डांस,प्रस्तुत किये। इनके अतिरिक आनन्द डालमिया, मूलचन्द्र अग्रवाल , डी. पी. अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, नवीन अ लमाल, प्रदीप गाड़िया आशीष नेमानी, आदि ने भी कार्यक्रम में भागा लिया। कार्यक्रम के लिए संजय अग्रवाल, पवन भुवानिया एवं राजकुमार गुप्ता के द्वारा आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ।

सिकंदराबाद छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष महेश्वर रेड्डी ने छावनी परिषद के खेल मैदान में आयोजित महिला दिवस समारोह के अवसर पर महिलाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर राजशेखर रेड्डी, प्रभाकर, नलनी किरण, वेंकट राव आदि उपस्थित रहे।

हरिओम ज्योतिष केन्द्र के आचार्य पंडित प्रमोद जी शास्त्री राजेन्द्र जी सुराना व रीता सुराना को मंगल कामना के सा सम्मान व आशीर्वाद प्रदान करते हुए।

दिलसुखनगर, हैदराबाद स्थित राजू सिंह, हीरसिंह जागरवाल परिवार द्वारा कन्हैयालाल वैष्णव, आनंद शर्मा, चेतन परासर, श्री रामदरबार सत्संग समिति द्वारा आयोजित सुंदरकांड कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्षद मधुसूदन रेड्डी का सम्मान कर उपस्थित शंकर सिंह ढ़ोनडी- ढ़ाणी, सोहन सिंह, रूपसिंह, छोटू सिंह, शंकर सिंह, पृथ्वीसिंह, शम्भू सिंह, हरिसिंह व अन्य।

कांची वेलफेयर सोसाइटी द्वारा शक्ति गणपति मंदिर के सहयोग से महिला दिवस पखवाड़ा के तहत किंग कोटि सरकारी अस्पताल में नर्स, वार्ड कर्मचारी आदि को साड़ी वितरित की गई। इस अवसर पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजेन्द्रनाथ, आरएमओ डॉ. साधना, माथुर समाज की अरूणा गुप्ता, परमेश्वरी शर्मा, पूजा कावरा, डा. दीप्ति, ललिता, रूईया बेगम, शाहीदा बेगम व अन्य।

केटी रामाराव ने बीआरएस के लिए आगे की कार्ययोजना तैयार की

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पार्टी कार्यकर्ताओं को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की मुख्य ताकत बताते हुए पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को पार्टी नेताओं को सभी जमीनी कार्यकर्ताओं और शीर्ष रैंक के नेताओं को शामिल करने का निर्देश दिया। पार्टी ने राज्य भर में दो महीने के भीतर इन मिलन समारोह को पूरा करने की योजना बनाई है। यह विचार पार्टी के आधार को और मजबूत करने और नई ऊर्जा का संचार करने और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके राज्य भर के 60 लाख पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए था। रामाराव ने रविवार को मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव द्वारा नेताओं, विशेष रूप से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में रहने और पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करने के विशेष निर्देश जारी करने के बाद पार्टी नेताओं के साथ एक टेलीकॉन्फ्रेंस की। इस आशय के लिए, पार्टी ने अब मिलन समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। इन बैठकों को आयोजित करने का कार्य स्थानीय बीआरएस विधायकों को सौंपा गया था और प्रत्येक 10 गांवों को बैठक आयोजित करने के लिए एक इकाई के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में, एक कस्बे या कस्बे के कुछ डिवीजनों को बैठक आयोजित करने के लिए एक इकाई के रूप में माना जाएगा। बैठक में निर्वाचन क्षेत्र के सांसद और विधायक से लेकर निगम अध्यक्ष और अन्य प्रमुख नेता सहित सभी नेता भाग लेंगे। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि अप्रैल में पार्टी गठन दिवस से पहले ये बैठकें पूरी कर ली जाएं। बीआरएस जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि वे इकाईवार बैठक योजना तैयार करें और कार्यक्रम को पार्टी मुख्यालय के साथ साझा करें। व्यापक कार्यक्रम में किसी विशेष दिन और स्थान पर नियोजित बैठकों सहित सभी विवरण होंगे। रामा राव ने कहा कि सभी बीआरएस जिला कार्यालयों को जल्द से जल्द खोलने के उपाय किए जाने चाहिए, यह कहते हुए कि यह कवायद पार्टी गठन दिवस से पहले पूरी हो जानी चाहिए।

इस दिन को चिह्नित करते हुए, पार्टी के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में कार्यक्रम, विशेष रूप से पार्टी के ध्वजारोहण समारोह आयोजित करने चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

2 महीने में छठी...

92 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट को करीब 4130 करोड़ रुपये से डेवलप किया जाएगा। इससे बेंगलुरू के साथ कुशलनगर की कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। ट्रैवल टाइम भी 5 से घटकर केवल 2.5 घंटे हो जाएगी।

प्रधानमंत्री श्री सिद्धारूढ़ स्वामीजी हुबली स्टेशन पर दुनिया के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म देश को समर्पित किया। इसे हाल ही में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई है। प्लेटफॉर्म की लंबाई 1,507 मीटर यानी करीब डेढ़ किलोमीटर है। इसके अलावा पीएम होसापेट रेलवे स्टेशन का भी उद्घाटन किया। इस स्टेशन को हम्पी के स्मारकों की तर्ज पर डेवलप किया गया है।

मांड्या में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद, प्रधानमंत्री आईआईटी धारवाड़ का उद्घाटन करने के लिए धारवाड़ गये, जिसे 850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। फरवरी 2019 में प्रधानमंत्री द्वारा संस्थान की आधारशिला रखी गई थी।

केंद्र सरकार सेम सेक्स...

हलफनामे में समाज की वर्तमान स्थिति का भी जिक्र है। केंद्र ने कहा, अभी के समय में समाज में कई तरह की शादियों या संबंधों को अपनाया जा रहा है। हमें इस पर आपत्ति नहीं है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले को लेकर दिल्ली समेत अलग-अलग हाईकोर्ट में दाखिल सभी याचिकाओं की सुनवाई एक साथ करने का फैसला किया था। कोर्ट ने 6 जनवरी को इस मुद्दे से जुड़ी सभी याचिकाएं अपने पास ट्रांसफर कर ली थीं। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस जे.बी. पारदीवाला की बेंच सोमवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

हलफनामे में सरकार ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने अपने कई फैसलों में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की व्याख्या स्पष्ट की है। इन फैसलों के आधार पर भी इस याचिका को खारिज कर देना चाहिए, क्योंकि उसमें सुनवाई करने लायक कोई तथ्य नहीं है। मेरिट के आधार पर भी उसे खारिज किया जाना ही उचित है।

कानून में उल्लेख के मुताबिक भी समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती, क्योंकि उसमें पति और पत्नी की परिभाषा जैविक तौर पर दी गई है। उसी के मुताबिक दोनों के कानूनी अधिकार भी हैं। समलैंगिक विवाह में विवाद की स्थिति में पति और पत्नी को कैसे अलग-अलग माना जा सकेगा?

2018 में आपसी सहमति से किए गए समलैंगिक यौन संबंध को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का फैसला सुनाने वाले हाईकोर्ट की बेंच में जस्टिस चन्द्रचूड़ भी शामिल थे। जस्टिस चन्द्रचूड़ ने पिछले साल नवंबर में केन्द्र को इस संबंध में नोटिस जारी किया था और याचिकाओं के संबंध में सॉलिसिटर जनरल आर. वेंकटरमणी की मदद मांगी थी।

शीर्ष अदालत की पांच-सदस्यीय बेंच ने 6 सितंबर 2018 को सर्वसम्मति से ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए देश में वयस्कों के बीच आपसी सहमति से निजी स्थान पर बनने वाले समलैंगिक या विपरीत लिंग के लोगों के बीच यौन संबंध को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था।

हर चुनाव में अग्निपरीक्षा...

देश में चुनाव परिणामों पर भरोसा करते हैं लोग : राजीव कुमार ने कहा कि पिछले 70 सालों में भारत ने अपने सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक और भाषाई मुद्दों को शांति से और बातचीत से सुलझाया है। यह सिर्फ इस वजह से हुआ क्योंकि देश में लोकतंत्र हैं और लोग चुनाव परिणामों पर भरोसा करते हैं। चुनाव के फैसलों को हर पार्टी स्वीकार करती है और सत्ता आसानी से जीतने वाले को मिल जाती है।

चीफ इलैक्शन कमिश्नर (सीईसी) राजीव कुमार ने बताया कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 80 साल से ज्यादा के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए वोट फ्रॉम होम का विकल्प दिया जाएगा। राजीव कुमार ने बताया कि इस तरह की सुविधा पहली बार दी जाएगी। चुनाव आयोग की टीम वोट डलवाने के लिए फॉर्म-12डी के साथ बुजुर्ग और दिव्यांग वोटर्स के घर पहुंचेगी। इस पूरी प्रोसेस की वीडियो ग्राफी करवाई जाएगी।

लोकसभा चुनाव से ...

मोहन भागवत 10 दिन के हरियाणा प्रवास पर हैं और इस 3 दिवसीय मीटिंग की सारी रूपरेखा 4 दिन पहले ही तय हो गई थी। आरएसएस के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ने बताया कि इस बेहद महत्वपूर्ण मीटिंग में 14 मार्च तक लगातार डिस्कशन के दौर चलेंगे। इस दौरान संघ के वर्ष 2022-2023 के कामकाज की समीक्षा के साथ-साथ अगले साल यानि 2023-2024 के वर्किंग प्लान पर भी चर्चा होगी।

वर्ष 2025 में आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने बताया कि प्रतिनिधि सभा की मीटिंग में शताब्दी वर्ष को लेकर विशेष चर्चा होगी। वर्ष 2025 तक नए लोगों को आरएसएस से जोड़ने का टारगेट सामने रखते हुए वर्ष 2023-24 का वर्किंग प्लान बनाने पर चर्चा होगी। वर्ष 2024 में महर्षि दयानंद की 200वीं जयंती है। भगवान महावीर स्वामी का 2550वां निर्वाण वर्ष भी आ रहा है। इन दोनों पर भी मीटिंग में विशेष वक्तव्य जारी किए जाएंगे। स्वयंसेवकों की भर्ती, ट्रेनिंग के अलावा संघ के शिक्षा वर्ग, शताब्दी विस्तार के साथ-साथ देश की मौजूदा स्थिति पर विचार-मंथन किया जाएगा। मीटिंग के दौरान अहम विषयों पर प्रस्ताव भी पास किए जाएंगे।

सुनील अंबेडकर ने कहा कि संघ की रीढ़ शाखाएं हैं और शाखाएं ही सामाजिक बदलाव का केंद्र है। शाखाओं के दौरान स्वयंसेवक बदलते सामाजिक हालात की स्टडी करते हुए विषयों का चयन करते हैं।

कोहली ने बनाए 186 रन, टीम इंडिया 571 पर ऑलआउट ऑस्ट्रेलिया- 3/0

अहमदाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चौथे टेस्ट मैच का चौथा दिन पूरी तरह टीम इंडिया और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के नाम रहा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विराट ने 1205 दिन, 23 मैच और 41 पारियों के बाद इस फॉर्मेट में शतक जमाया। उनकी 186 रनों की मैराथन पारी के दम पर भारत ने अपनी पहली पारी में 571/9 का स्कोर बनाया।

चौथे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बगैर नुकसान के 3 रन बनाए। ओपनर ट्रेविस हेड (3*) के साथ नाइट वॉचमैन मैथ्यू कुहनेमन (0*) नाबाद पवेलियन लौटे। टीम अब भी 88 रनों से पिछड़ रही है। टीम इंडिया ने पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया पर 91 रन की बढ़त बनाई।

विराट भारतीय पारी में आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। चोटिल श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी के लिए नहीं आए।

1205 दिन बाद कोहली का शतक

कोहली ने 23 नवंबर 2019 को आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ 27वां टेस्ट शतक जमाया था। यह उनका 28वां टेस्ट शतक है। अब कोहली के नाम 75 इंटरनेशनल शतक हो गए हैं। उन्होंने टेस्ट में 28, वनडे में 46 और टी-20 इंटरनेशनल में एक शतक जमाया है।

उमेश हुए रनआउट

उमेश यादव बिना एक भी गेंद खेले रन आउट हो गए। वे विराट कोहली की कॉल पर दो रन के लिए भागे थे लेकिन आउट फील्ड से डायरेक्ट थ्रो के कारण उन्हें विकेट गंवाना पड़ा। रविचंद्रन अश्विन 7 रन बनाकर नाथन लायन की गेंद पर आउट हुए।

पिछले 6 महीने में विराट कोहली के शतक

कब	फॉर्मेट	Vs रन
08 सितंबर 2022	टी-20	अफगानिस्तान 122*
10 दिसंबर 2022	वनडे	बांग्लादेश 113
10 जनवरी 2023	वनडे	श्रीलंका 113
15 जनवरी 2023	वनडे	श्रीलंका 166*
12 मार्च 2023	टेस्ट	ऑस्ट्रेलिया 100*

*ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली इस समय खेल रहे हैं।

अक्षर ने लगाए 4 छक्के

अक्षर पटेल 79 रन बनाकर मिचेल स्टार्क की गेंद पर बोल्ड हुए। उन्होंने अपनी पारी में 4 छक्के लगाए और विराट के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी भी की। पांचवां विकेट श्रीकर भरत के रूप में गिरा। वे 44 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नाथन लायन ने पीटर हैंड्सकॉम्ब के हाथों कैच कराया। भरत ने कोहली के साथ 84 रन की साझेदारी की। इससे पहले, रवींद्र जडेजा 23 रन बनाकर आउट हुए। जडेजा ने कोहली के साथ 170 बॉल पर 64 रन की साझेदारी की।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को भारत ने 289/3 से पारी को आगे बढ़ाया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 480 रन बनाए।

अय्यर के पीठ में दर्द, स्केन के लिए भेजा

श्रेयस अय्यर की पीठ के निचले हिस्से में दर्द है। उन्हें स्केन के लिए भेजा गया है। इस कारण, भरत को अय्यर की जगह भेजा गया है। वह भारत की पहली पारी में बैटिंग करने के लिए नहीं आए।

डब्ल्यूपीएल में सिक्सर क्वीन का अनोखा रिकॉर्ड

रोहतक की शेफाली पूरे मैच में अकेले छक्के जड़ने वाली प्लेयर बनी

रोहतक, , 12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक की क्रिकेटर शेफाली वर्मा ने डब्ल्यूपीएल के मुकाबले में अनोखा रिकॉर्ड कायम किया है। सिक्सर क्वीन नाम से फेमस शेफाली ने अपने नाम के अनुकूल ही बल्लेबाजी की। जिसके बाद परिवार ही नहीं प्रशंसक भी खुश हैं। साथ ही यह साबित कर दिया कि उन्हें सिक्सर क्वीन क्यों कहा जाता है। पूरे मैच में अकेले शेफाली के बल्ले से ही छक्के निकले।

शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स व गुजरात जायंट्स के बीच मुकाबला हुआ। पूरे मुकाबले के दौरान केवल 5 सिक्स लगे। ये सभी छक्के अकेले शेफाली वर्मा के बल्ले से ही निकले।

बाकी कोई भी प्लेयर छक्का नहीं लगा पाई। अगर चौकों की बात करें तो मैच के दौरान कुल 22 चौके

लगे, जिसमें से 10 चौके अकेले शेफाली वर्मा ने जड़े।

बाउंड्री लगाने में भी शेफाली वर्मा ही आगे रही। मैच के दौरान कुल 27 बाउंड्री (22 चौके व 5 छक्के) लगी। जिसमें में अकेले शेफाली आधे से ज्यादा 15 बाउंड्री (10 चौके व 5 छक्के) लगाने में सफल रही। जिसके बदोलत 28 गेंद में 76 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। इस मैच में सबसे अधिक स्ट्राइक रेट (271.43) भी शेफाली का ही रहा।

सिक्सर क्वीन बनी शेफाली

डब्ल्यूपीएल में शेफाली वर्मा सिक्सर किंग बन गई है। अब तक हुए 4 मुकाबलों में कुल 10 छक्के लगाए हैं। जिनकी बदौलत छक्के लगाने वाली खिलाड़ियों की लिस्ट में वे टॉप पर हैं। इस मैच से पहले उनको दूसरा पायदान मिला हुआ था, लेकिन इन 5 छक्कों के बदौलत उन्होंने अपना स्थान बदला और हेले मैथ्यूज को एक पायदान नीचे खिसका दिया। शेफाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक के मुकाबलों में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में भी अपने पायदान को सुधारा है। टॉप 5 की लिस्ट से बाहर हो चुकी शेफाली 76 रन के स्कोर की बदौलत फिर से शामिल हो गईं। अब तक शेफाली डब्ल्यूपीएल में 4 मैच में कुल 179 रन बना चुकी हैं। जिसके साथ वे दूसरे स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड को जीत के लिए 257 रन की जरूरत

चौथे दिन श्रीलंका 302 रन पर ऑलआउट, मैथ्यूज का शतक; न्यूजीलैंड का स्कोर 28/1

क्राइस्टचर्च, 12 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच क्राइस्टचर्च में पहला टेस्ट खेला जा रहा है। टेस्ट जीतने के लिए न्यूजीलैंड को 257 रन की जरूरत है। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने 1 विकेट खो कर 28 रन बना लिए है। टॉम लाथम और केन विलियमसन नाबाद है। चौथे दिन दूसरी पारी में श्रीलंका ने 83/3 के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया था। एंजेलो मैथ्यूज ने पारी को संभाला और आगे बढ़ाया और शतक जड़ा।

मैथ्यूज और चांदीमल के बीच 105 रन की पार्टनरशिप

श्रीलंका के लिए मैथ्यूज ने 115 रन की पारी खेली। उनके अलावा चांदीमल ने 42 और धनंजय डी सिल्वा ने 47 रन टीम के लिए जोड़े। मैथ्यूज और चांदीमल के बीच 105 रन की पार्टनरशिप हुई। इनके अलावा टीम की बल्लेबाजी फ्लॉप रही। प्रभात जयसूर्या 6, डिकवेला 0, रजिथा 14, लाहिरू कुमारा 8 और असिथा फर्नांडो 0 रन बना कर पवेलियन लौटे।

न्यूजीलैंड की ओर से ब्लेयर टिकनर ने 4, मैट हेनरी 3 और टिम साउदी को 2 सफलताएं मिली।

डेवोन कॉन्वे 5 रन बना कर आउट

न्यूजीलैंड ने चौथे दिन श्रीलंका को आउट करने के बाद अपनी दूसरी पारी की शुरुआत की। टॉप लाथम 11 रन और केन विलियमसन 7 रन बना कर नाबाद है। ओपनिंग करने उतरे डेवोन कॉन्वे 5 रन बना कर रजिथा की बॉल पर आउट हो गए।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में बने रहने के लिए सीरीज क्लीन स्वीप करना जरूरी

श्रीलंका को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में बने रहने के लिए दो टेस्ट मैचों की सीरीज को न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप करना होगा। वहीं अगर गुरुवार से अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के साथ शुरू हुए चौथे टेस्ट मैच को भारत जीत लेता है तो इस सीरीज का असर नहीं पड़ेगा। श्रीलंका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की होड़ से बाहर हो जाएगा।

तीसरे दिन का खेल

तीसरे दिन श्रीलंका ने दूसरी पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 83 रन बना लिए थे। वहीं न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए पहली पारी में 373 रन बनाए थे। तीसरे दिन न्यूजीलैंड अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 165 रन से आगे खेलते हुए 211 रन जोड़कर 5 विकेट खो दिए थे। न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिचेल ने 102 रन की शतकीय पारी खेली थी।

दूसरे दिन का खेल

श्रीलंका ने दूसरे दिन 305/6 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था। टीम 355 रन पर ऑलआउट हो गई थी। शुक्रवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने 5 विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाए। डेवोन कॉन्वे और केन विलियमसन के आउट होने के बाद न्यूजीलैंड के लिए टॉम लाथम 67 रन बनाकर आउट हुए और टीम ने 162 रन बनाए।

वीमेंस प्रीमियर लीग: शुरुआती ट्रेंड में विदेशी खिलाड़ियों की धूम, टॉप-5 रन स्कोरर में भारतीय नहीं

खेल डेस्क, 12 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस सबसे सफल, उसके सामने कोई भी विरोधी टीम 20 ओवर भी नहीं टिक सकी

वीमेंस प्रीमियर लीग में लगभग एक तिहाई मैच पूरे हो गए हैं। कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना था कि ये लीग महिला क्रिकेट में अहम बदलाव लाएगी। यही मानना ऑस्ट्रेलिया की विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली का भी है, जिन्होंने लीग शुरू होने से पहले ही इसे गेमचेंजर करार दे दिया था। लीग का महिला क्रिकेट पर क्या असर होगा ये भविष्य की बात है। पहले देखते हैं कि बीते एक हफ्ते में (शुक्रवार तक के मैच) लीग में क्या ट्रेंड देखने को मिले...

लीग की टॉप रन स्कोरर ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मैग लेनिंग हैं, जो 3 मैच में 185 रन बना चुकी हैं। इसी तरह लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने की सूची में भी भारतीय खिलाड़ी अब तक खेले गए टूर्नामेंट में पिछड़ रही हैं। लीग में हरलीन देओल सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय हैं। उन्होंने 3 मैच में 143 की स्ट्राइक रेट 113 रन बनाए

हैं। हालांकि, लीग में टॉप-5 रन बनाने वाली खिलाड़ियों में कोई भारतीय नहीं है।

हरलीन इस सूची में छठे स्थान पर हैं। टॉप-10 की सूची में केवल 3 भारतीय हैं। 7वें स्थान पर 103 रन के साथ शेफाली वर्मा हैं और 10वें स्थान पर जेमिमा रोड्रिग्ज हैं। मुंबई इंडियंस की शाइका इशाक ने इस समय लीग में 9 विकेट के साथ पर्पल कैप पहना हुआ है। सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली टॉप-10 में इशाक के अलावा कोई भारतीय नहीं है। वीमेंस प्रीमियर लीग में भी आईपीएल के पहले सीजन की तरह ही एकतरफा मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। अभी तक कुल 8 मुकाबलों में गुजरात और यूपी के बीच हुआ मैच ही एकतरफा देखने को नहीं मिला। इस मैच में ग्रेस हैरिस ने आखिरी ओवर में यूपी को जीत दिलाई थी। लीग का पहला मुकाबला गुजरात ने 143 रन से गंवाया था। आठ में से तीन मुकाबलों में लक्ष्य केवल 15 ओवर तक चेज कर लिया गया है। 4 में से 3 बार 200+ का स्कोर चेज करने वाली टीम 40+ रनों के अंतर से हारी है। आंकड़ों के अनुसार इस लीग की सबसे ताकतवर टीम मुंबई इंडियंस है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ कोई भी टीम अभी तक पूरे 20 ओवर नहीं खेल पाई है। लीग के पहले मैच में मुंबई ने गुजरात जाएंट्स को 15.1 ओवर में 64 के स्कोर पर आउट कर दिया। इसके बाद दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू, मुंबई के खिलाफ 155 रन बनाए।

हालांकि, वे भी हरमनप्रीत कौर की गेंदबाजों के सामने 18.4 ओवर ही टिक पाई। मुंबई का तीसरा मुकाबला दो मैचों से लगातार जीत पर सवार दिल्ली कैपिटल्स से था। दिल्ली ने मुंबई के खिलाफ उतरने से पहले अपने दोनों ही मैचों में 20 ओवर में 200+ का आंकड़ा पार किया था, लेकिन मुंबई की गेंदबाजी दिल्ली पर भारी पड़ी। मुंबई के गेंदबाजों ने दिल्ली को केवल 105 के स्कोर पर 18 ओवर में आउट कर दिया। फ्रेंचाइजी लीग में वीमेंस प्रीमियर लीग अन्य लीगों से बेहतर साबित हो रही हैं। महिला बिग बैश लीग के पहले सीजन में एक भी 200+ स्कोर देखने को नहीं मिला था। बिग बैश को पहले 200+ स्कोर तक पहुंचने के लिए तीन सीजन का समय लगा था। तीसरे सीजन के 32वें मुकाबले में सिडनी ने 206 का स्कोर छुआ था, जबकि वीमेंस प्रीमियर लीग के पहले मैच में ही मुंबई ने 207 रन बना दिए थे। साथ ही, महिला लीग क्रिकेट के इतिहास में दिल्ली कैपिटल्स के दो स्कोर टॉप-5 में शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका 284 रन से जीता: वेस्टइंडीज को 106 रन पर ऑल आउट किया

सीरीज में 2-0 से किया क्लीन स्वीप

जोहान्सबर्ग, 12 मार्च (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को जोहान्सबर्ग में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में 284 रन से हरा दिया। साउथ अफ्रीका को चौथे दिन जीत हासिल हुई। साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 321 रन बनाए और वेस्टइंडीज को 391 रन का लक्ष्य दिया। वेस्टइंडीज जवाब में 106 रन ही बना सका और ऑल आउट हो गया। टेंबा बावुमा प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 171 रन स्कोर किए।

बावुमा 172 रन बना कर पवेलियन लौटे

चौथे दिन साउथ अफ्रीका ने 287/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और 321 रन पर ऑल आउट हो गया। साउथ अफ्रीका के कप्तान 172 रन बना कर पवेलियन लौटे। उन्होंने 7 साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक जमाया। केशव महाराज 10, गेराल्ड कोएट्जी 9 और कागिसो रबाडा 16 रन बना कर आउट हुए।

वेस्टइंडीज की ओर से काइल मेयर्स और जेसन होल्डर को दूसरी पारी में 3-3 विकेट मिले। वहीं, अल्जारी जोसफ को 2 और जेसन होल्डर-रेमोन रीफर को 1-1 विकेट मिले।

वेस्टइंडीज के 34 रन पर ही गिर गए थे 6 विकेट

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी पूरी तरह फेल हुई। पहले सेशन के आखिर तक टीम ने 34 रन पर छह विकेट खो दिए थे। क्रैग ब्रैथवेट 18, तेगनारायण चंद्रपॉल 2, रेमोन रीफर 0, रोस्टन चेज 0, जरेमिन ब्लैकवुड 4 और काइल मेयर्स 7 रन बना कर आउट हुए। जोशुआ डी सिल्वा और जेसन होल्डर ने पारी संभालने की कोशिश की। लेकिन, वे भी जल्दी आउट हो गए। सिल्वा 34 और होल्डर 19 रन बना कर पवेलियन लौटे। अल्जारी जोसफ ने 18 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की गेंदबाजी दूसरी पारी में शानदार रही। साइमन हारमर और गेराल्ड कोएट्जी को 3-3 विकेट मिले। वहीं, केशव महाराज और कागिसो रबाडा को 2-2 सफलताएं मिली।

तीसरे दिन साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 7 विकेट खो कर 287 रन बना लिए थे और साउथ अफ्रीका के पास वेस्टइंडीज के खिलाफ 356 रन की बढ़त ले ली थी।

दूसरे दिन वेस्टइंडीज ने बनाए थे 251 रन

शुक्रवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 4 रन बनाए थे। वहीं वेस्टइंडीज पहली पारी में 251 रन पर सिमट गई थी। दूसरे दिन साउथ अफ्रीका अपनी पहली पारी में 7 विकेट पर 311 रन से आगे खेलते हुए 9 रन जोड़कर 3 विकेट खो कर पहली पारी में 320 रन बनाए थे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अफ्रीका ने 73 रन की बढ़त ले ली थी।

पहले दिन का खेल

दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में डीन एल्गर और एडेन मार्करम ने 106 गेंदों में 76 रनों की साझेदारी निभाई थी। एल्गर 54 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद मार्करम और टोनी डी जॉर्जी के बीच दूसरे विकेट के लिए 164 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान तेम्बा बावुमा 3 चौकों की मदद से 64 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए और टीम ने 320 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका डब्ल्यूटीसी टेबल में तीसरे नंबर पर आया

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में बदलाव हुआ है। अब साउथ अफ्रीका 55.56 विन पर्सेंटेज के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर आ गया है। वहीं, श्रीलंका तीसरे स्थान से चौथे स्थान पर खिसक गया है। हालांकि इस जीत के बाद भी साउथ अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंचेगा। साउथ अफ्रीका के पास दूसरे स्थान पर आने के लिए अब एक भी मैच नहीं है। श्रीलंका इस समय न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रहा है।

चीता 'वीरा' होगा महिला चैंपियनशिप का मैस्कट

भारत टूर्नामेंट के लिए तैयार

खेल डेस्क, 12 मार्च (एजेंसियां)। मैस्कट चीता, जिसका नाम वीरा है, शक्ति, वीरता, शौर्य और साहस का प्रतीक है। दुनिया के सबसे तेज गति से भागने वाले जानवर चीता की तरह ही मुक्केबाज रिंग में अपने विरोधियों को बड़ी ही फुर्ती से हरा देते हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने शुक्रवार को आगामी आईबीए महिला विश्व चैंपियनशिप 2023 के मैस्कट 'वीरा' का अनावरण किया। यह टूर्नामेंट 15 मार्च से 26 मार्च तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्रालय के माननीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह के अलावा इस प्रतिष्ठित इवेंट में भाग लेने वाले भारतीय एथलीटों की मौजूदगी में मैस्कट का अनावरण किया गया।

मैस्कट चीता, जिसका नाम वीरा है, शक्ति, वीरता, शौर्य और साहस

का प्रतीक है। दुनिया के सबसे तेज गति से भागने वाले जानवर चीता की तरह ही मुक्केबाज रिंग में अपने विरोधियों को बड़ी ही फुर्ती से हरा देते हैं। इस लिहाज से वीरा शक्ति और साहस की प्रतिमूर्ति के तौर पर महिला मुक्केबाजों का प्रतिनिधित्व करती दिख रही है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा, ₹हमें (बड़े) अंतर्राष्ट्रीय इवेंट्स की मेजबानी करने की आदत डालनी होगी। जैसा कि हम विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप आयोजित कर रहे हैं, मैं अजय जी से अनुरोध करूंगा कि हमें देश भर के युवा मुक्केबाजों को यहां आने और भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सितारों को देखने के साथ साथ-साथ किसी खास कार्यक्रम के माध्यम से कोचों से मिलने का अवसर देना चाहिए। भविष्य में उस स्तर तक पहुंचने के लिए तैयारी के बारे में एक विचार प्राप्त करने के लिए उनके लिए यह एक बड़ा मौका हो सकता है। मैं बीएफआई, अजय सिंह और उनकी टीम को तीसरी बार मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बधाई देता हूं और सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं।" माननीय मंत्री के सुझाव को स्वीकार करते हुए बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि बीएफआई टूर्नामेंट में देश भर के युवा मुक्केबाजों और कोचों को लाने की पूरी कोशिश करेगा, जिससे उन्हें इस खेल के शीर्ष सितारों को देखने और उनसे सीखने का मौका मिल सके।

विकेट सेलिब्रेट करते हुए चोटिल हुए केशव महाराज

जोहान्सबर्ग, 12 मार्च (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज को विकेट सेलिब्रेट करना महंगा पड़ गया। वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहान्सबर्ग में खेल रहे महाराज ने रविवार को काइल मेयर्स को आउट किया। महाराज जैसे ही सेलिब्रेट करने लगे, उनकी एड़ी में दर्द उठ गया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने रविवार को कहा कि महाराज की टेंडन यानी पिछली एड़ी के ऊपर वाले हिस्से में चोट आई है। वह सोमवार को सर्जन से मिलेंगे। महाराज ने काइल मेयर्स के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की थी, इसे नॉट आउट दिया गया और फिर कप्तान बावुमा ने डीआरएस लिया। डीआरएस के सफल होते ही महाराज जश्न मनाने के लिए दौड़ते हुए कदम उठाया और अचानक पिच पर गिर गए और अपने बाएं पैर को पकड़ लिया। वे दर्द में आ गए और मेडिक्स के आने से पहले टीम मेट्स ने उनकी मदद करने की कोशिश की।

घरेलू मैदान पर शुभमन का पहला टेस्ट शतक

सोशल मीडिया पर मिलीं तारीफें; युवराज बोले- हर सिचुएशन में बैटिंग कर सकता है गिल

स्पोर्ट्स डेस्क, 12 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के चौथे मैच में भारत ने मजबूत शुरुआत की है। पहली पारी में ओपनर बैटर शुभमन गिल का बड़ा योगदान रहा। शुभमन गिल (128 रन) ने शतक जमाया। उन्होंने इस साल का अपना 5वां इंटरनेशनल शतक बनाया है। वहीं घरेलू मैदान पर गिल का यह पहला टेस्ट शतक है।

गिल के शतक जड़ने के बाद सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्शन आ रहे हैं। युवराज सिंह और वसीम जाफर से लेकर कई फैंस ने उनकी तारीफें कीं। आगे स्टोरी में हम गिल की पारी पर दिग्गजों के सोशल मीडिया रिएक्शन और 2023 में उनके खास रिकॉर्ड को जानेंगे।

जाफर, युवराज ने की तारीफ

वसीम जाफर ने गिल की फोटो ट्वीट कर उसका कैप्शन लिखा- रियल डील शुभमन गिल। वहीं युवराज सिंह ने लिखा- क्या गंभीर, धैर्यवान और शानदार पारी! शुभमन गिल। किसी भी स्थिति में बल्लेबाजी कर सकता है, क्या वह नहीं कर सकता?

'शतक बनाना हमेशा एक बेहतरीन एहसास'

शुभमन गिल ने टेस्ट करियर का दूसरा शतक बनाने के बाद कहा, 'भारत में शतक बनाना बहुत अच्छा लगता है। हमेशा एक बेहतरीन एहसास। हम जल्द ही यहां अपना आईपीएल अभियान भी शुरू करेंगे। इस मैदान में हमारे लिए बहुत अच्छी यादें हैं। यह मेरा आईपीएल घरेलू मैदान है और मैं यहां कुछ रन बनाकर खुश हूं।'

गिल के शतक के सहारे टीम इंडिया ने पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के 480 रनों के जवाब में तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक तीन विकेट पर 289 रन बना लिए, हालांकि टीम अब भी 191 रनों से पीछे है और उसके 7 विकेट बचे हुए हैं।

'पिच बैटिंग के लिए अच्छी'

गिल बोले कि पिच बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी थी। हमारे लिए यह महत्वपूर्ण था कि हम बड़ी पारी खेले और जब भी संभव हो सिंगल्स लेते रहें और यही मेरी मानसिकता थी। गिल ने मैच में 3 बड़ी साझेदारियां भी कीं, यहां देखें उनकी सभी पार्टनरशिप। तीन

महीनों में बना दिए 923 रन।

शुभमन गिल ने अपने टेस्ट

करियर का दूसरा शतक जमाया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के पहली पारी में गिल ने 235 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 12 चौके और 1 छक्का लगाया। वहीं साल 2023 में इंटरनेशनल क्रिकेट में गिल सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

अब तक साल 2023 में गिल ने 5 शतक जड़ दिए हैं। इस मामले में डेवोन कॉनवे 3 शतक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गिल ने साल 2023 में 14 इंटरनेशनल मैच में 923 रन बनाए हैं। गिल के बाद कॉन्वे ने ही इस साल 13 मैचों में 669 रन बनाए हैं। 10 मैचों में 570 रन के साथ रोहित शर्मा इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

विपक्ष की आवाज दबा रही है केंद्र सरकार : मंत्री

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार जांच एजेंसियों की मदद से राजनीति कर रही है और विपक्षी दलों की आवाज को जबरदस्ती दबा रही है। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने रविवार को सिद्दीपेट जिले के कोमुरावेली मल्लाना मंदिर में दर्शन किए। मंदिर के पुजारियों ने पूर्ण कुंभम से उनका भव्य स्वागत किया। मंत्री ने पीठासीन देवता की विशेष पूजा अर्चना की और पुजारियों से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि बीआरएस सरकार मंदिरों का विकास कर रही है लेकिन भाजपा भगवान के नाम पर राजनीति कर रही है। तेलंगाना राज्य बनने के बाद मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में सभी प्रमुख मंदिरों का विकास किया जा रहा है। दुर्भाग्य से, केंद्र सरकार विकास के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बजाय प्रतिशोध की राजनीति में लिप्त है। केंद्र सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय के नोटिस के नाम पर एमएलसी कविता को परेशान करने का आरोप लगाते हुए, मंत्री ने कहा कि कविता ने दुनिया भर में तेलंगाना संस्कृति और रीति-रिवाजों का प्रचार करके बतुकम्मा उत्सव की एक पहचान बनाई है। उन्होंने कविता के खिलाफ भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय के बयान में भी गलती पाई और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को एक उचित सबक सिखाएगी।

सीआईएसएफ की 54वीं स्थापना दिवस परेड में शामिल हुए शाह

कहा- 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के लिए सीआईएसएफ जरूरी, हैदराबाद में हुआ आयोजन

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को हैदराबाद में सीआईएसएफ के 54वीं स्थापना दिवस परेड में शामिल हुए। वहां उन्होंने सीआईएसएफ की परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। इसके बाद शाह ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित किया।

शाह ने कहा, देश की आर्थिक प्रगति में सीआईएसएफ का बहुत अहम योगदान है क्योंकि कोई भी देश तभी प्रगति कर सकता है जब इसके उद्योगों, हवाई अड्डों और बंदरगाहों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। सीआईएसएफ ने 53 सालों में सीआईएसएफ की स्थापना के सभी उद्देश्यों को पूरा किया है। पीएम मोदी ने देश के सामने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है। अगर इस लक्ष्य को पूरा करना है तो हमारे एयरपोर्ट, बंदरगाह, रेल लाइन, औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है आने वाले समय की सभी चुनौतियों को सीआईएसएफ पार करेगी।

पहली बार दिल्ली से बाहर हुई सीआईएसएफ की स्थापना दिवस परेड

अधिकारियों के मुताबिक, सीआईएसएफ की स्थापना दिवस परेड पहली बार दिल्ली-एनसीआर से बाहर हुई है। इस बार ये परेड हैदराबाद के नेशनल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी अकेडमी में हुई। इससे पहले ये परेड गाजियाबाद के सीआईएसएफ ग्राउंड में होती थी।

पिछले कुछ सालों से पैरामिलिट्री फोर्सेज अपना स्थापना दिवस दिल्ली से बाहर मना रही हैं। 19 मार्च को सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) अपना स्थापना दिवस छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में मनाएगी जो नक्सलियों की वजह से कुख्यात था।

हैदराबाद में वाशिंग पाउडर के पोस्टर से हुआ शाह का स्वागत

हैदराबाद में अमित शाह के स्वागत के लिए वाशिंग पाउडर के पोस्टर लगाए गए। इसमें दूसरी पार्टियों से भाजपा में आने वाले नेताओं पर निशाना साधा गया। पोस्टर में बताने की कोशिश की गई है कि शुभेंदु अधिकारी, हिमंत बिस्वा सरमा, नारायण राणे और ज्योदिरादित्य सिंधिया समेत कई नेता दूसरी पार्टियों से भाजपा में आए और उनके सारे अपराध धुल गए।

तेलंगाना के बाद केरल जाएंगे शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हैदराबाद के बाद केरल जाएंगे। वे केरल में त्रिशूर स्थित शक्थान थमपुरन पैलेस जाएंगे। इसके बाद श्री वडक्कुनाथन मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। फिर शाम को शाह त्रिशूर में वडक्कुनाथन मंदिर के मैदान में जनशक्ति रैली को संबोधित किया। साथ ही कुछ अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे।

सीआईएसएफ के स्थापना दिवस पर पीएम मोदी ने किया था ट्वीट

पीएम मोदी ने 10 मार्च को सीआईएसएफ के स्थापना दिवस पर ट्वीट कर बधाई दी थी। पीएम ने लिखा, सीआईएसएफ के स्थापना दिवस पर सभी कर्मियों को हमारी तरफ से शुभकामनाएं। हमारे सुरक्षा तंत्र में सीआईएसएफ की अहम भूमिका है।

गृहमंत्री अमित शाह ने ट्विटर पर लिखा था, सीआईएसएफ भारत के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित करने में बहुत ही स्वाभाविक पार्टनर्स हैं। मैं राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को सलाम करता हूं।

आवारा कुत्तों के काटने से.16 घायल

हैदराबाद, 12 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आवारा कुत्तों के काटने से.16 घायल हुए हैं। इस संदर्भ में, आधिकारिक सूत्रों से बताया गया कि हैदराबाद में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। वे समूहों में सड़कों और मुख्य सड़कों पर घूम रहे हैं, लोगों पर हमला कर काट रहे हैं और भय पैदा कर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद के बालानगर में एक आवारा कुत्ते ने आतंक मचाया। जिसमें बालानगर के विनायक नगर में एक आवारा कुत्ते ने पागलों जैसा व्यवहार कर 16 लोगों पर हमला किया। शनिवार की रात इन कुत्तो ने सड़क पर चल रहे लोगों पर हमला कर काटने दौडे और काट लिया। इन घायलों में 3 साल का बच्चा भी शामिल है। घायलों में चार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की शिकायत के अनुसार खबर मिलते ही कुकटपल्ली जोन के डॉग स्कायड के कर्मचारी वहां पहुंचे और करीब 2 घंटे तक कड़ी भागदौड कर आवारा कुत्तों को पकड़ लिया। हाल ही में अर्थात केवल 20 दिन से पहले अंबरपेट में कुत्तों के हमले में चार वर्षीय बालक प्रदीप की मौत हो गई थी. इस संबंध में सीसीटीवी में रिकॉर्ड किया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद शिक्षक एमएलसी मतदान की तैयारी पूरी: प्रियंका आला

रिटर्निंग ऑफिसर ने जीएचएमसी मुख्यालय में वितरण केंद्र का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रिटर्निंग ऑफिसर प्रियंका आला ने कहा कि 13 मार्च को होने वाले महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद शिक्षक एमएलसी मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने रविवार को जीएचएमसी मुख्यालय में स्थापित वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने मतदान कर्मियों को कई निर्देश दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि चुनाव कर्मचारियों को मतपत्र, मतपेटी और मतदाता सूची के साथ-साथ वैधानिक और गैर-सांविधिक दस्तावेजों की जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान के व्यापक प्रबंधन के लिए इस महीने की 13 तारीख को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने कहा कि महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद जिले में कुल 29,720 मतदाताओं के लिए 137 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से 22 मतदान केंद्र हैदराबाद जिले में बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि 12 सेक्टरवार अधिकारी और 29 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर पुलिस की मौजूदगी, मतदाताओं के लिए बुनियादी ढांचा, पीने के पानी, टेंट और विकलांगों के लिए रैंप की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सरूर नगर इंडोर स्टेडियम में स्वागत केंद्र बनाया गया है। इस अवसर पर मतदान कर्मी अपनी मतदान सामग्री के साथ आवंटित मतदान केंद्रों पर पहुंचे।

तेलंगाना महिलाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध : जयेश रंजन

उद्यमी क्लब, डब्लूईडीओ हैदराबाद चैप्टर लॉन्च

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के प्रधान मुख्य सचिव उद्योग जयेश रंजन ने कहा कि पापड़, अचार और मसाला बनाने से जुड़ी महिलाओं के दिन लद गए। मैं उन्हें नीचा नहीं दिखाता। लेकिन, मैं जो बताना चाहता हूं वह यह है कि महिलाएं बड़ी चीजों, उच्च मूल्य वाली उद्यमिता और रूढ़िवादिता को तोड़ने के लिए हैं। वे अब उद्यमशीलता के उच्च स्तर पर हैं। वे यथास्थिति को तोड़ रही हैं। 500 से अधिक महिला उद्यमियों को संबोधित करते हुए, रंजन चेन्नई स्थित (डब्लूईडीओ) महिला उद्यमिता विकास संगठन द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि थे। चेन्नई स्थित अखिल भारतीय त्वरक विशेष रूप से बिजनेस वुमन एक्सपो 2023 में व्यवसायी महिलाओं ने हाइटेक्स में रविवार तेलंगाना में कदम रखा। जयेश रंजन ने उद्यमी क्लब, डब्लूईडीओ हैदराबाद चैप्टर लॉन्च किया। डब्लूईडीओ का स्थानीय अध्याय महिला उद्यमियों, उम्मीदवारों, संस्थानों और इनक्यूबेटरों के लिए एक आदर्श मंच होगा, इसकी घोषणा की गई।डब्लूईडीओ महिला उद्यमियों को सही ज्ञान, सही कार्यान्वयन रणनीति, सलाह और सामुदायिक सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाता है। इस अवसर पर बोलते हुए, जयेश रंजन ने कहा कि तेलंगाना राज्य महिलाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसे अगले स्तर पर ले जाने के लिए, राज्य महिला उद्यमियों के लिए आवश्यक सभी जरूरतों और समर्थन का ध्यान रखने के लिए एकल-खिड़की सुविधा के साथ सामने आएगा। सुविधा की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या करना जो भारत में अपनी तरह का पहला है और जिसे एक महीने के भीतर लॉन्च किया जाना है, में एक समर्थन प्रणाली होगी जो उत्पाद को अपनी यात्रा के शुरुआती चरणों में मान्य करेगी। यदि इसकी शक्ति शून्य है तो इसे पहले ही बता दिया जाएगा ताकि बहुमूल्य समय की बचत हो सके। आगे बताते हुए उन्होंने कहा कि यह ब्रांडिंग और पैकेजिंग जैसी हर संभव सहायता प्रदान करेगा। यह पूरे तेलंगाना में सभी शिक्षित या निरक्षर लोगों के लिए खुला है। एकल खिड़की सुविधा की उपस्थिति ग्रामीण महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और समर्थन करने के लिए मंडल स्तर पर भी होगी। यह एक मील का पत्थर विकास है। बैक-एंड का काम पहले से ही हो रहा है। एमए एंड यूडी मंत्री के तारका रामाराव ने भी हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में इसके बारे में साझा किया। उन्होंने महिलाओं से कहा कि वे अपने आपसी विकास के लिए सामूहिक रूप से आवाज उठाएं। जयेश रंजन ने (डब्लूईडीओ) महिला उद्यमी क्लब के हैदराबाद चैप्टर की अध्यक्ष संजना दुबे को बैज भी भेंट किया। संजना ने कहा, इसमें पचास से अधिक सदस्य पहले ही अध्याय में शामिल हो चुके हैं और अधिक पाइपलाइन में हैं। रंजन ने 'विजनरी वीमेन कलेक्टिव' नामक पुस्तक के कवर का भी अनावरण किया। किताब जल्द ही बाजार में आ जाएगी।

इस किताब में भारत की 100 योग्य व्यवसायी महिलाओं की कहानियां होंगी। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए कजाकिस्तान गणराज्य के मानद कौंसल नवाब मीर नासिर अली खान ने सम्मानित अतिथि के रूप में कहा कि 'हालांकि मैं एक राजनयिक हूं, इससे पहले मैं एक उद्यमी हूं। किसी भी पुरुष की सफलता के लिए महिलाओं का बहुत महत्व होता है। व्यापार और राजनीति में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जैसी कई महिला नेता हैं। आप सभी में क्षमता है और इसे साबित करने से पहले की बात है। बाद में उन्होंने पूरे भारत की कई प्रतिष्ठित महिलाओं को दूरदर्शी महिला पुरस्कार प्रदान किए।

स्वागत भाषण देते हुए डब्ल्यूईडीओ की संस्थापक कादम्बरी उमापति ने कहा कि यह अब महिला सशक्तिकरण का मुद्दा नहीं है।

यह समानता का समय है। पुरुष और महिला दोनों समान हैं और एक दूसरे की प्रगति में भागीदार हैं। आइए हम मिलकर काम करें और अपने महान राष्ट्र के विकास में योगदान दें। आइए हम एक साथ बढ़ते हैं।

जीएचएमसी के स्ट्रीट डॉग एडॉप्शन को मिल रही है अच्छी प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में स्ट्रीट डॉग के खतरे की जांच के लिए ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) द्वारा शुरू की गई स्ट्रीट डॉग गोद लेने की अवधारणा को नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

महापौर जी. विजया लक्ष्मी ने रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि निवासियों ने इस पहल पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और बड़ी संख्या में स्ट्रीट डॉग्स को अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा, "सभी जीएचएमसी सर्किलों में प्रतिक्रिया अच्छी है।" इसके तहत, संयुक्त आयुक्त, उमा प्रकाश ने एक कार्यक्रम में भाग लिया और सिकंदराबाद क्षेत्र के मलकजगिरी सर्कल में गोद लेने के लिए आगे आने वालों को स्ट्रीट डॉग सौंपे। कार्यक्रम में नगर निकाय के सफाई कर्मियों ने भी भाग लिया। पुराने शहर में आयोजित इसी तरह के एक कार्यक्रम में चारमीनार के जोनल कमिश्नर सम्राट अशोक, ज्वाइंट कमिश्नर ए शैलजा और अन्य ने भाग लिया। इस बीच, जीएचएमसी ने आवारा कुत्तों के झुंड को रोकने के लिए मांसाहारी दुकानों पर कचरे को फेंकने से रोकने के लिए एक अभियान शुरू किया है। महापौर ने कहा कि याकुतपुरा, तालाबकट्टा और अन्य जगहों पर कुछ मीट स्टाल मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं।

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में लिया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टाउन प्लानिंग बिल्डिंग ओवरसियर के लिए तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग परीक्षा के प्रश्न पत्र के लीक होने के मामले में बेगम बाजार पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। रविवार को परीक्षा होनी थी। अधिकारियों को संदेह था कि कुछ लोगों ने ऑनलाइन प्रश्नपत्र हैक कर लिया है और बेगम बाजार पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में पूछताछ के लिए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था। डीसीपी (दक्षिण-पश्चिम) किरण खरे ने कहा कि जांच चल रही है और विवरण जल्द ही सामने आएंगे। सूत्र ने कहा कि टीएसपीएससी में काम करने वाले एक व्यक्ति ने इसे एक महिला को प्रदान किया था जिसे वह जानता था और फिर प्रश्नपत्र सार्वजनिक डोमेन में आ गया।

इसके बारे में पता चलने और ऑनलाइन हैकिंग का संदेह होने पर टीएसपीएससी ने परीक्षा स्थगित कर दी और साथ ही 15 और 16 मार्च को होने वाली पशु चिकित्सा सहायक सर्जन के पद के लिए परीक्षा भी स्थगित कर दी।

कविता पर बंडी संजय की टिप्पणी का समर्थन नहीं : अरविंद

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के निजामाबाद सांसद डी. अरविंद ने आज स्पष्ट कर दिया कि वह सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता के खिलाफ अपने प्रदेश पार्टी अध्यक्ष की टिप्पणियों का समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि संजय कविता के खिलाफ अपनी टिप्पणी वापस ले लें और कहा कि संजय द्वारा की गई टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियां थीं। उन्होंने कहा कि संजय द्वारा की गई टिप्पणी सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेताओं के लिए एक हथियार बन गई थी और उन्होंने सलाह दी कि पार्टी नेताओं को अपने भाषणों में कुछ भी कहते समय सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का पद सत्ता

का केंद्र नहीं है, बल्कि एक ऐसा पद है जो पार्टी के सभी नेताओं के साथ समन्वय स्थापित करता है। सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे राज्य के मंत्रिमंडल ने दिल्ली में डेरा डाला, जबकि एमएलसी कविता को ईडी के अधिकारियों द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था और उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं को सलाह दी कि वे तेलंगाना में जनता की समस्याओं को हल करने के लिए उतनी ही प्रतिबद्धता दिखाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि कविता दिल्ली शराब घोटाले में अधिकारियों से पूछताछ में सहयोग नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की धरती से भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम परिवार के परिवार के सदस्य भ्रष्टाचार से भरे हुए हैं और कहा कि कलवकुंतला परिवार के दोषों के कारण सांसद मगुन्टा के परिवार को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अरबिंदो फार्मा जैसी बड़ी संस्था को भी सीएम के परिवार की वजह से परेशानी हो रही थी।

घटनास्थल पर मिले पत्र से सच्चाई सामने आएगी : भास्कर रेड्डी

कड़पा, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्रप्रदेश के कड़पा सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी के पिता वाईएस भास्कर रेड्डी आज पूर्व मंत्री वाईएस विवेकानंद रेड्डी हत्याकांड की सीबीआई जांच में शामिल हुए। अपने अनुयायियों के साथ, वह पूछताछ के लिए कडपा सेंट्रल जेल पहुंचे, लेकिन जांच अधिकारियों की अनुपस्थिति में वापस लौट आए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि अस्वस्थ होने के बावजूद उन्होंने किसी भी चीज के लिए तत्परता जाहिर की। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें गिरफ्तारी का डर नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर अपराध स्थल पर मिले पत्र को वापस लिया गया और उस दिशा में जांच की गई तो तथ्य सामने आएंगे।

तेलंगाना में सड़क के बुनियादी ढांचे में सुधार एक उदाहरण : इंद्रकरन

मंत्री ने लोलम गांव से बंसपल्ली चौराहे सड़क का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण स्थापित कर रहा है। रविवार को निर्मल मंडल में दिलावरपुर थांडा के माध्यम से लोलम गांव से बंसापल्ली चौराहे तक 2.8 करोड़ रुपये की ब्लैकटॉप सड़क की नींव रखने के बाद बोलते हुए, रेड्डी ने कहा कि सरकार जिला केंद्रों को मंडल मुख्यालयों से जोड़ रही है, ग्रामीण के अभूतपूर्व विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है। मंत्री ने बाद में दिलावरपुर और नरसापुर (जी) मंडलों में कल्याण लक्ष्मी के 30 लाभार्थियों को चेक सौंपे। इससे पहले बीआरएस समर्थकों ने एमएलसी के कविता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय का पुतला फूंका। उन्होंने मांग की कि संजय कविता से माफी मांगे। उन्होंने निर्मल पुलिस थाने में संजय के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर याचिका भी दायर की थी।

पूर्व सीएम किरण कुमार रेड्डी ने दिया कांग्रेस पार्टी से त्यागपत्र

हैदराबाद, 12 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सीएम किरण कुमार रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी से त्यागपत्र दिया। इस संदर्भ में, आधिकारिक सूत्रों से बताया गया कि, संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नल्लारी किरण कुमार रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। जिसमें किरण कुमार रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि वह कांग्रेस पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं और उनसे इस्तीफा स्वीकार करने को कह रहे हैं। हाल ही में खबरें आई थीं कि किरण कुमार बीजेपी में शामिल होंगे। . अब जबकि उन्होंने कांग्रेस को नमस्ते कह दिया है तो ये कहानियां जोर पकड़ती जा रही हैं.। हाल ही में, आंध्र प्रदेश बीजेपी प्रमुख सोमू वीरराजू ने कहा था कि. किरण कुमार रेड्डी अनुभवी सक्रिय नेता हैं और अगर वह पार्टी में शामिल होते हैं, तो

उन्हें उचित प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगर किरणकुमार रेड्डी जैसे नेता के आने से हैं तो आंध्र प्रदेश में भाजपा को मजबूती मिलेगी। उन्होने आगे कहा कि नल्लारी किरण कुमार रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश के अंतिम मुख्यमंत्री रहे। एवं 2014 के चुनाव के बाद उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया था।

भाजपा नेता डीके अरुणा ने एलपीजी मूल्य वृद्धि का बचाव किया

शराब की कीमतों में वृद्धि की कोई शिकायत नहीं

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जहां पूरा देश घरेलू और वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि के लिए मोदी सरकार की आलोचना कर रहा है, वहीं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने यह दावा किया है कि सिलेंडर अभी भी सस्ते हैं। उन्होंने दावा किया कि अगर एक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1,200 रुपये है, तो यह 2 महीने चलती है और इसकी कीमत सिर्फ 20 रुपये प्रति दिन है। दरअसल, वह एलपीजी सिलेंडरों की ऊंची कीमतों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार 300 रुपये का अतिरिक्त कर वसूल रही है, जिसके कारण सिलेंडर की कीमतें बढ़ गई है।

दिलचस्प बात यह है कि अरुणा ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी का मुद्दा उठाने के लिए लोगों की आलोचना की और पूछा कि जब बीआरएस सरकार शराब की कीमतें बढ़ाती है तो वे सवाल क्यों नहीं करते। जब राज्य सरकार शराब की कीमतें बढ़ाती है तो कोई भी अपनी आवाज नहीं उठाता है। क्यों?" मोदी सरकार का बचाव करने की हड़बड़ी में, अरुणा शराब की कीमतों में बढ़ोतरी की तुलना एलपीजी सिलेंडर से करने की हद तक चली गईं, कई लोगों ने उन्हें याद दिलाया कि शराब की कीमतें लोगों को शराब पीने या कम से कम अधिक खपत करने से हतोत्साहित करने के लिए बढ़ाई गई थीं, जबकि एलपीजी की कीमत में वृद्धि से परिवारों के बजट पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता की गणना एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर दो महीने तक चलेगी भी ज्यादातर लोगों के लिए समझ से परे थी क्योंकि अधिकांश शहरी परिवारों में एक सिलेंडर 35 दिनों से अधिक नहीं होता था।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.